दिनमान | तापमान

सूर्योदय 5.23 | सूर्यास्त 5.39 | अधिकतम 28° | न्यूनतम 26°

वर्ष 18,अंक 94 पृष्ठ 8
कोलकाता, सोमवार, 15 सितम्बर, 2025
आश्विन, कृष्ण पक्ष, अष्टमी , वि.सं. 2082

मूल्य: ₹3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण

www.yuvashaktinews.com

असम में कांग्रेस पर जमकर बरसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कहा

मैं शिव भक्त, निगल लेता हूं सारा जहर

गुवाहाटीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम के दरांग जिले के मंगलदोई में 6,300 करोड़ रुपये की स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखी. इस दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि देश के विकास में उत्तर पूर्वी राज्यों की अहम भूमिका है. पीएम मोदी ने कांग्रेस पर भारत रत्न भूपेन हजारिका का अपमान करने का भी आरोप लगाया.

दरांग में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि 'पूरा देश आज विकसित भारत के निर्माण के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है. खासतौर पर हमारे जो नौजवान साथी हैं. उनके लिए विकसित भारत सपना भी है और संकल्प भी है. इस संकल्प की सिद्धि में हमारे नॉर्थ ईस्ट की बहुत बड़ी भूमिका है. प्रधानमंत्री ने कहा कि '21वीं सदी पूर्व की है, उत्तर पूर्व की है. उत्तर पूर्वी राज्यों के चमकने का समय आ गया है. किसी भी क्षेत्र के विकास में कनेक्टिविटी की अहम भूमिका होती है. हमारी सरकार उत्तर पूर्व में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए समर्पित है. सड़कें, रेलवे और हवाई मार्गों का विकास किया जा रहा है. इससे लोगों की जिंदगी बदल रही है और उज्जवल भविष्य की राह बन रही है.' प्रधानमंत्री ने कहा कि ये कांग्रेस वाले मुझे कितनी ही गालियां दे, मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल लेता हूं, लेकिन जब किसी और का अपमान होता है, तो मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता. आप लोग मुझे बताएं, क्या भूपेन दा को भारत रत्न से सम्मानित करने का मेरा फैसला सही है या गलत? कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब पूरा देश आतंक से लहूलुहान होता था और कांग्रेस चुपचाप खड़ी रहती थी. आज हमारी सेना ऑपरेशन सिंदूर चलाती है, पाकिस्तान के कोने-कोने से आतंक को उखाड़ फेंकती है, लेकिन कांग्रेस के लोग पाकिस्तान की सेना के साथ खड़े हो जाते हैं. कांग्रेस के लोग हमारी सेना की बजाय आतंकियों को पालने वालों के एजेंडों को आगे बढ़ाते हैं. पाकिस्तान का झूठ कांग्रेस का एजेंडा बन जाता है. इसलिए आपको कांग्रेस के प्रति हमेशा सतर्क रहना चाहिए.

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लिए अपने वोट बैंक का हित सबसे बड़ा है. कांग्रेस देशहित की कभी परवाह नहीं करती है. आज कांग्रेस देशविरोधियों और घुसपैठियों की भी रक्षक बन चुकी है. जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब वह घुसपैठ को बढ़ावा देती थी और आज कांग्रेस चाहती है कि घुसपैठिए हमेशा के लिए भारत में बस जाए.

अब असम में बांस से बनेगा एथेनॉल

गुवाहाटीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में असम बायो एथेनॉल संयंत्र का उद्घाटन किया और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में पॉलीप्रोपाइलीन संयंत्र की आधारशिला भी रखी. पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां बांस से एथेनॉल बनाने की शुरुआत हुई है. इसका असम के लोगों को फायदा होगा. सरकार यहां के किसानों को बांस की खेती करने में मदद करेगी और खरीदी भी करेगी. असम और पूर्वोत्तर आत्मनिर्भर भारत अभियान का केंद्र है. पीएम मोदी ने कहा कि असम में पीएम मोदी ने कहा कि असम को 12 हजार करोड़ की सौगात दी गई है. ये उद्यम असम के विकास को गति देंगे. मैं सभी को प्रोजेक्ट्स के लिए बधाई देता हूं. भारत दुनिया का सबसे तेजी से विकसित होने वाला देश है. जैसे-जैसे भारत विकसित हो रहा है, वैसे-वैसे बिजली, ईंधन की जरूरतें बढ़ रही हैं. हम इन चीजों के लिए विदेशों पर निर्भर रहे हैं. हमारे पैसों से विदेशों में रोजगार बनते हैं. इसको बदला जाना जरूरी है. भारत आत्मनिर्भर बनने की राह पर बढ़ चला है. उन्होंने कहा कि वो दिन भूलने नहीं है कि पिछली सरकार बांस काटने पर जेल में डाल देती थी. बांस आदिवासियों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है.

पीएम मोदी कोलकाता पहुंचे

कोलकाताः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ सम्मेलन 2025 के उद्घाटन के लिए रविवार शाम कोलकाता पहुंचे. तीन दिवसीय चीफ ऑफ स्टाफ सम्मेलन सोमवार से कोलकाता के फोर्ट विलियम में शुरू हो रहा है.

इस सम्मेलन में तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ-साथ वरिष्ठ एवं महत्वपूर्ण अधिकारी भी मौजूद रहेंगे. इस सम्मेलन में भारतीय सशस्त्र बलों की विभिन्न शाखाओं के बीच समन्वय बढ़ाने, तकनीकी आधुनिकीकरण और संस्थागत सुधारों पर उच्च स्तरीय विचारों का आदान-प्रदान होगा. प्रधानमंत्री मोदी रविवार शाम 6:45 बजे कोलकाता एयरपोर्ट पर उतरे. केंद्रीय शिक्षा एवं पूर्वोत्तर विकास राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने उनका स्वागत किया. प्रधानमंत्री पिछले दो दिनों से पूर्वोत्तर भारत के दौरे पर थे.

प्रधानमंत्री रविवार रात राजभवन में रहे. सोमवार सुबह वे विजय दुर्ग में देश की तीनों सेनाओं के शीर्ष अधिकारियों के सर्वोच्च स्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे. पीएम मोदी भले ही आधिकारिक दौरे पर थे, लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों का उत्साह देखते ही बन रहा था. भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक ढोल-नगाड़ों के साथ प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए हवाई अड्डे के बाहर जमा थे. पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का उत्साह देखकर मोदी भी कार के बाहर खड़े होकर हाथ हिलाकर अभिवादन करने लगे. रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस वर्ष के संयुक्त सेना प्रमुख सम्मेलन में मुख्य चर्चा भारतीय सशस्त्र बलों में सुधार, परिवर्तन और बदलाव के मुद्दों पर होगी. अत्याधुनिक तकनीक का अधिकाधिक उपयोग करके भारतीय सेनाओं की क्षमताओं को और ऊंचे स्तर पर ले जाना, तीनों सेनाओं के बीच गहन समन्वय विकसित करना और यदि आवश्यक हो, तो सेनाओं में संरचनात्मक सुधार करना - इन सभी मुद्दों पर इस वर्ष के सम्मेलन में चर्चा की जाएगी.

एकतरफा मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से रौंदा

दुबईः कुलदीप यादव के हुनर और अक्षर पटेल के अनुशासित प्रदर्शन का पाकिस्तान के बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था और भारत ने एशिया कप के एकतरफा मुकाबले में रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी को अपेक्षा के अनुरूप सात विकेट से रौंद दिया. पहलगाम आतंकी हमले के कारण इस मैच के बहिष्कार की मांग के बावजूद मैदान खचाखच भरा था और 85 प्रतिशत भारतीय प्रशंसक थे जिन्होंने सूर्यकुमार यादव की टीम को पहली गेंद से आखिर पर पाकिस्तान को दबाव में रखते देखा . वहीं टॉस के समय और मैच खत्म होने के बाद भी पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया. स्पिनर अक्षर ने चार ओवर में 18 रन देकर दो, कुलदीप ने चार ओवर में 18 रन देकर तीन और वरूण ने चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया. पाकिस्तान का कोई भी बल्लेबाज इस तिकड़ी के सामने टिक नहीं सका और टीम नौ विकेट पर 127 रन ही बना सकी. जवाब में भारत ने 15.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया . सूर्यकुमार ने छक्का लगाकर जीत दिलाई और सीधे डगआउट में चले गए. अभिषेक शर्मा ने 12 गेंद में 31 रन बनाये और पाकिस्तान के सबसे बड़े गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की जमकर धुनाई की. अफरीदी ने दो ओवर में 23 रन दे डाले और उन्हें विकेट भी नहीं मिली .

शिक्षक भर्ती परीक्षा में 2.20 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में 11वीं और 12वीं कक्षाओं के लिए सहायक शिक्षकों की भर्ती के वास्ते रविवार को लगभग 2.20 लाख अभ्यर्थियों ने स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) की परीक्षा दी. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने कहा कि यह संख्या कुल 2.46 लाख पंजीकृत अभ्यर्थियों का लगभग 93 प्रतिशत है. नौ साल बाद हो रही यह स्कूल स्तरीय चयन परीक्षा (एसएल-एसटी) राज्य भर के 478 केंद्रों पर आयोजित की गयी. बसु ने बताया कि 13,517 अभ्यर्थी राज्य के बाहर से थे, जिनमें से अधिकतर उत्तर प्रदेश और बिहार के थे.

उत्तर बंगाल से कोलकाता तक महसूस किए गए भूकंप के झटके

कोलकाताः रविवार शाम असम में आए भूकंप के झटके उत्तर बंगाल से लेकर कोलकाता तक महसूस किए गए. रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गई. भूकंप का केंद्र असम के ढेकियाजुली क्षेत्र बताया जा रहा है. हालांकि, अब तक किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं मिली है.

भूकंप का समय था शाम करीब 4 बजकर 40 मिनट. अचानक ही असम के ढेकियाजुली इलाके में धरती हिलने लगी. कुछ ही सेकंड में झटके उत्तर बंगाल तक फैल गए. दार्जिलिंग, सिलिगुड़ी, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, कूचबिहार समेत कई जिलों में कंपकंपी महसूस की गई. घबराकर लोग घरों से बाहर निकल आए. घरों के पंखे और अन्य सामान हिलने लगे.

कोलकाता में भी हल्के झटके दर्ज किए गए. राह चलते लोगों ने थोड़ी देर के लिए हल्का कंपन महसूस किया, लेकिन इसकी अवधि बहुत कम रही. असम या उत्तर बंगाल में अब तक किसी गंभीर नुकसान की सूचना नहीं है, हालांकि केंद्र के पास के इलाकों में हल्की क्षति की आशंका जताई जा रही है.

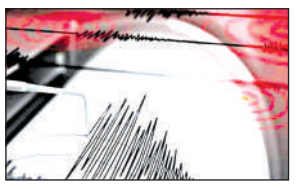

'जेन जेड' आंदोलन के दौरान हिंसा में शामिल लोगों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा: कार्की

काठमांडूः नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने रविवार को कहा कि पिछले सप्ताह सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान देश भर में हिंसा और विनाश में शामिल रहे लोगों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा. कार्की (73) ने पूर्वाह्न करीब 11 बजे काठमांडू के सिंह दरबार सचिवालय में नवनिर्मित गृह मंत्रालय भवन में पदभार ग्रहण किया. उन्होंने यह भी घोषणा की कि 'जेन जेड' प्रदर्शन के दौरान मारे गए लोगों को शहीद घोषित किया जाएगा और उनके परिजनों को दस लाख नेपाली रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी. नेपाल की पूर्व प्रधान न्यायाधीश को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने 'जेन जेड' समूह की सिफारिश पर कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया था. इस समूह ने दो-दिवसीय विरोध प्रदर्शन के माध्यम से मंगलवार को के पी शर्मा ओली सरकार को उखाड़ फेंका था.

पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद सचिवों और वरिष्ठ सरकारी

अधिकारियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि हिंसा और सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति के विनाश में शामिल लोगों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा. उन्होंने कहा कि नौ सितंबर के विरोध प्रदर्शन के दौरान आगजनी तथा तोड़फोड़ सुनियोजित थी और 'जेन-जेड' प्रदर्शनकारी ऐसी गतिविधियों में शामिल नहीं थे. कार्की ने कहा, जिस तरह की आगजनी और तोड़फोड़ हुई है, वह एक आपराधिक कृत्य है. इसे सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया. इसके लिए ज़िम्मेदार लोगों को सज़ा मिलनी चाहिए. उन्होंने मुख्य सचिव एकनारायण अर्याल को देश भर में नष्ट हुईं पुलिस चौकियों की मरम्मत का प्रबंध करने का भी निर्देश दिया. चूंकि दो-दिवसीय आंदोलन के दौरान सिंह दरबार सचिवालय स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में आग लगा दी गई थी, इसलिए सिंह दरबार परिसर में गृह मंत्रालय के लिए नवनिर्मित भवन का उपयोग प्रधानमंत्री कार्यालय के रूप में किया जाएगा. सोमवार को सोशल मीडिया पर सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के खिलाफ शुरू हुआ यह आंदोलन जल्द ही एक बड़े अभियान में बदल गया, जिसमें भ्रष्टाचार के प्रति जनता का गुस्सा और राजनीतिक वर्ग की कथित उदासीनता की झलक दिखी. के पी शर्मा ओली ने मंगलवार को तब इस्तीफा दे दिया था, जब सैकड़ों आंदोलनकारी उनके कार्यालय में घुस गए और सोमवार के प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई में कम से कम 19 लोगों की मौत के लिए उनके त्यागपत्र की मांग करने लगे.

ईडी ने अवैध सट्टेबाजी ऐप मामले में अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती को समन जारी किया

कोलकाताः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामले में कथित धन शोधन की जांच के सिलसिले में अभिनेत्री और तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती को समन जारी किया है. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि चक्रवर्ती को 15 सितंबर को नयी दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है. अधिकारी ने कहा, उन्हें (चक्रवर्ती) ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़ी जांच के सिलसिले में हमारे अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए समन जारी किया गया है. ईडी ने पिछले महीने इसी मामले में बंगाली अभिनेता अंकुश हाजरा को भी समन जारी किया था. अधिकारी ने बताया कि हाजरा को 16 सितंबर को कोलकाता के साल्ट लेक इलाके में स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स कार्यालय में ईडी अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा गया है.

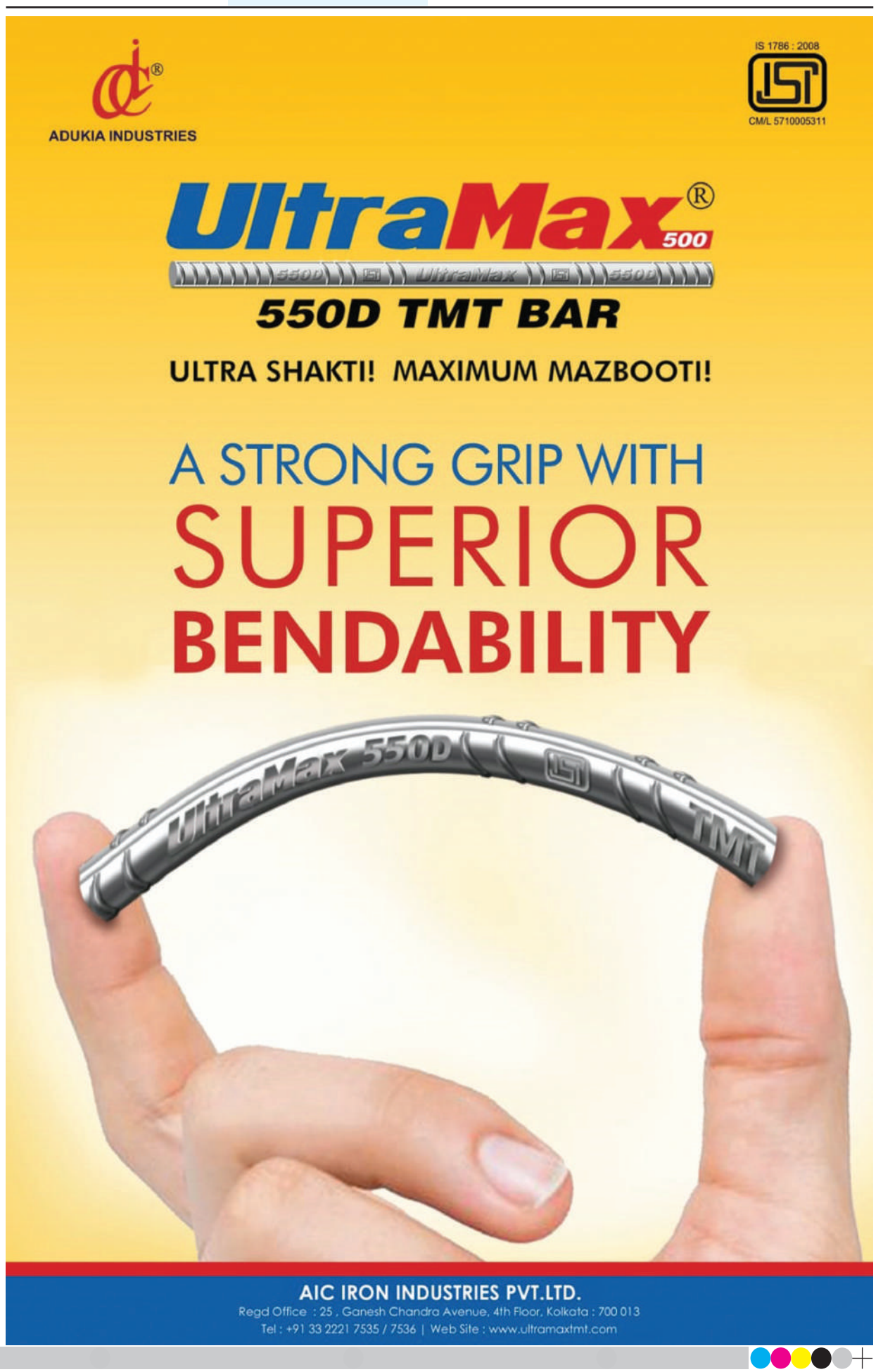

डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ चेतावनी पर भड़का ड्रैगन

स्लोवेनियाः अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है. कारण है कि बीते दिनों राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 50% से 100% टैरिफ करने की चेतावनी दी थी. ऐसे में अब ड्रैगन ने भी ट्रंप की चेतावनी पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि जंग से समस्याएं नहीं सुलझतीं और प्रतिबंधों से हालात और बिगड़ते हैं.बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि नाटो को चीन पर 50-100% टैक्स लगाना चाहिए और यह टैक्स रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने तक जारी रहना चाहिए. उन्होंने कहा कि चीन का रूस पर मजबूत नियंत्रण है, और ये ताकतवर टैक्स उस पकड़ को तोड़ सकते हैं.

स्लोवेनिया में वहां की डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री तान्या फयोन से मुलाकात के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में वांग यी ने अमेरिकी चेतावनी का जवाब दिया. उन्होंने कहा कि चीन किसी भी युद्ध में भाग नहीं लेता और न ही उसकी कोई योजना है. चीन हमेशा शांति वार्ता और राजनीतिक समाधान को बढ़ावा देता है.

रूस में हिंदी सीखने को लेकर रुचि बढ़ी

सरकार पढ़ाने वाली संस्थानों की बढ़ा रही संख्या

मॉस्को : सोवियत संघ के पतन के तीन दशक बाद, रूस में हिंदी सीखने के प्रति छात्रों की रुचि बढ़ रही है और सरकार इस भाषा को पढ़ाने वाले संस्थानों की संख्या बढ़ा रही है. रूस के विज्ञान एवं उच्च शिक्षा उपमंत्री कोंस्तांतिन मोगिलेव्स्की ने कहा, हम चाहते हैं कि हमारे और अधिक छात्र हिंदी सीखें. मोगिलेव्स्की ने रूसी समाचार एजेंसी 'तास' को बताया, भारत आज दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाला देश है और अधिक से अधिक भारतीय अपने रोजमर्रा के जीवन में अंग्रेजी के बजाय हिंदी का इस्तेमाल करने लगे हैं. हमें हिंदी और अन्य एशियाई भाषाएं सीखने की जरूरत है. रूस के उच्च शिक्षा एवं विज्ञान मंत्रालय के अनुसार, हिंदी सीखने को लेकर छात्रों में रुचि बढ़ी है और वह इस भाषा को पढ़ाने वाले शैक्षणिक संस्थानों की संख्या बढ़ाने के लिए पहले से ही कदम उठा रहा है. 'रसियन स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूमैनिटीज' (आरएसयूएच) की इंदिरा गजीयेवा ने कहा कि रूसी प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अधिकतर पश्चिमी विमर्श के माध्यम से भारतीय

वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करता है. उन्होंने कहा, रूस की युवा पीढ़ी आधुनिक भारत और उसकी प्राचीन सभ्यतागत विरासत के गहन अध्ययन में रुचि ले रही है.

रूसी शिक्षा एवं विज्ञान मंत्रालय छात्रों के लिए प्राच्य भाषाएं सीखने के और अधिक अवसर पैदा करने की योजना बना रहा है. यह विशेष रूप से हिंदी से संबंधित है, जिसकी आधुनिक छात्रों के बीच मांग पहले ही काफी बढ़ चुकी है. मोगिलेव्स्की के हवाले से 'तास' ने कहा, आज हिंदी सीखने के इच्छुक युवाओं के पास पहले की तुलना में अधिक अवसर हैं. अकेले मॉस्को में ही एमजीआईएमओ स्कूल ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस, आरएसयूएच, मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी का एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन संस्थान तथा मॉस्को स्टेट लिंग्विस्टिक यूनिवर्सिटी है. उन्होंने कहा, सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी, कजान फेडरल यूनिवर्सिटी और अन्य विश्वविद्यालयों में भी हिंदी पढ़ाई जाती है. हिंदी पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों की संख्या बढ़ रही है, और समूहों की संख्या दो से तीन गुना अधिक है. सोवियत संघ के पतन के बाद, मॉस्को में हिंदी पढ़ाने वाले सबसे पुराने बोर्डिंग स्कूल को नगर सरकार ने बंद कर दिया था, क्योंकि उसने हिंदी पढ़ाना ऐसे समय में अनावश्यक पाया, जब 'रेडियो मॉस्को' ने अपने हिंदी प्रसारण बंद कर दिए थे. साथ ही, प्रोग्रेसऔर रादुगा प्रकाशन हाउस ने रूसी लेखकों के अनुवाद प्रकाशित करना बंद कर दिया था. इस महीने की शुरुआत में आयोजित मास्को अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में भारत को गेस्ट ऑफ ऑनर कंट्री के रूप में आमंत्रित किया गया था. भारत के स्थानीय विद्वानों ने हिंदी-रूसी मुहावरा शब्दकोश के विमोचन का गर्मजोशी से स्वागत किया था. यह कई भारतीय विद्वानों और अनुवादकों की एक सामूहिक परियोजना थी, जिसमें लगभग 2,000 हिंदी मुहावरे शामिल किये गए हैं.

उत्तरपाड़ा में तृणमूल की ओर से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

उत्तरपाड़ा : रविवार की सुबह उत्तरपाड़ा नगर पालिका के वार्ड 22 तृणमूल कांग्रेस कमेटी और नगरपालिका की ओर से बिड़ला मोड़, माखला, ईडन प्लाजा सामुदायिक भवन में 14वें स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. राज्य में चल रही रक्त की कमी को दूर करने के लिए इस पहल में सभी ने भाग लिया. इस शिविर में कुल 120 लोगों ने रक्तदान किया. इनमें 30 महिलाएं थीं. रक्तदाताओं में रक्तदान के प्रति उत्साह देखने लायक था. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वार्ड क्रमांक 22 कमेटी के नेता माणिक सिंह, उत्तरपाड़ा नगर पालिका वार्ड 22 की जनप्रतिनिधि श्रीमती मानसी सिंह, उत्तरपाड़ा नगर पालिका के चेयरमैन दिलीप यादव, नगर पार्षद उत्पलादित्य बनर्जी और इंद्रजीत घोष, नगर पार्षद अर्नब रॉय और उत्तरपाड़ा पुलिस स्टेशन के आईसी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाषण दिए और आम जनता से मरते हुए मरीजों के लिए रक्तदान करने के लिए आगे आने का आग्रह किया. रक्तदान शिविर रविवार सुबह से दोपहर तक चला. मानिक सिंह और श्रीमती मानसी सिंह ने अतिथियों का स्वागत पुष्पमाला, उत्तरीय, स्मृति चिन्ह और मिठाई के पैकेट देकर किया. पूरे रक्तदान शिविर का संचालन नगर पालिका अध्यक्ष माता मानसी सिंह ने किया. रक्तदाताओं का स्वागत उत्तरीय, पुष्पमाला, मिठाई के पैकेट और फल का पौधा देकर किया गया.

हुगली-चुंचुड़ा नगर पालिका में बड़ा घोटाला

म्यूटेशन शुल्क में लाखों की हेराफेरी

हुगली : हुगली-चुंचुड़ा नगर पालिका से बड़े वित्तीय घोटाले की खबर सामने आई है. आरोप है कि म्यूटेशन कराने के लिए जो राशि ली गई, वह नगर पालिका के खजाने में जमा ही नहीं हुई. इस मामले में नगर पालिका का एक कर्मचारी आरोपों के घेरे में है. मामला सामने आने पर जब अधिकारी ने पूछताछ की, तो कर्मचारी ने स्वीकार किया कि उसने करीब 15 ऐसे म्यूटेशन करा दिए हैं. बताया जा रहा है कि प्रत्येक म्यूटेशन में कम से कम 25 से 30 हजार रुपये जमा होते हैं. इस हिसाब से लाखों रुपये की हेराफेरी का आरोप लग रहा है.नपा चेयरमैन अमित राय ने कहा, अब तक पता चला है कि यह काम केवल एक व्यक्ति ने किया है. उसे कारण बताओ नोटिस (शोकॉज) दिया गया है. साथ ही हम थाने में एफआईआर दर्ज कराकर पूरे मामले की जांच की मांग कर रहे हैं. जो भी इस घोटाले में शामिल होगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी.तृणमूल समर्थित कर्मचारियों की यूनियन के उपाध्यक्ष असीम अधिकारी ने कहा, हर महीने हमारे वेतन पर टालमटोल होता है. वहीं, नगर पालिका के राजस्व से आने वाली रकम म्यूटेशन और टैक्स के नाम पर इस तरह हेराफेरी हो रही है. दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए. कर विभाग में एक इंचार्ज हैं, उन्हें पता नहीं चला कि इतने महीनों से यह खेल चल रहा है ?सीआईटीयू समर्थित यूनियन के सदस्य सौरव गांगोपाध्याय ने कहा, हमें भी इस घटना की जानकारी मिली है. जांच चल रही है. हमने नगर पालिका से कहा है कि आप उचित कदम उठाएं, सभी यूनियन इसमें आपका साथ देंगी. कोई फाइल पास नहीं हुई, फिर भी म्यूटेशन हो गया. यह गंभीर मामला है.वहीं, भाजपा के हुगली सांगठनिक जिला महासचिव सुरेश साव ने आरोप लगाया, नगर पालिका में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है. कई ऐसे लोग हैं जिन्होंने टैक्स नहीं चुकाया, फिर भी उनका म्यूटेशन हो गया है. लेकिन भाजपा जिला कार्यालय का टैक्स चुकाने के बावजूद आज तक म्यूटेशन नहीं हुआ. यह तृणमूल संचालित भ्रष्ट नगर पालिका का जीता-जागता उदाहरण है.कर विभाग के प्रभारी अधिकारी नितीश घोष कैमरे के सामने आने से बचने की कोशिश करते दिखे. उन्होंने बस इतना कहा, इस बारे में जो भी कहना होगा, नगर पालिका के अधिकारी कहेंगे.

सोने की चेन छिनतई मामले में दो गिरफ्तार

सिलीगुड़ी : शहर में एक युवती से सोने की चेन छिनतई मामले में आशीघर चौकी की पुलिस ने छिनतई बाजों को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार छिनतई बाजों के नाम गौरव साहा और सहदेव रॉय है. दोनों एनजेपी संलग्न इलाके के निवासी हैं.गौरतलब है कि 12 सितंबर को एक शिक्षिका अपने दो सहकर्मियों के साथ स्कूल से घर लौट रही थी. तभी शांतिनगर बाउ बाजार इलाके में अचानक बाइक सवार दो बदमाश उनके गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए.शिकायत के आधार पर आशीघर चौकी की पुलिस ने शनिवार देर रात दोनों छिनतई बाजों को गिरफ्तार कर लिया.

एसएफआई-सीपीएम जादवपुर का माहौल बिगाड़ रहे हैं : सांसद कल्याण बंद्योपाध्याय

हुगली : जादवपुर विश्वविद्यालय एक बार फिर विवादों के घेरे में है. सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद कैंपस स्थित झील से तृतीय वर्ष की एक छात्रा का शव बरामद हुआ. प्रारंभिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि मद्यपान की हालत में पानी में गिरने से उसकी मौत हुई. इस घटना ने शिक्षा जगत में हलचल मचा दी है.इस बीच, तृणमूल कांग्रेस के श्रीरामपुर से सांसद कल्याण बंद्योपाध्याय ने इस घटना के लिए सीधे तौर पर वामपंथियों को जिम्मेदार ठहराया. रविवार को उन्होंने आरोप लगाया, एसएफआई और सीपीएम की वजह से ही जादवपुर की यह स्थिति हुई है. जहां भी वामपंथी होते हैं, वहां गड़बड़ी होती है. वे कभी सृजनात्मक काम नहीं कर सकते.जादवपुर विश्वविद्यालय में वामपंथी छात्र संगठनों की सक्रियता को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं. खासकर सत्तारूढ़ तृणमूल ने कई बार आरोप लगाया है कि कैंपस में होने वाली हर अप्रिय घटना के पीछे तथाकथित 'अति-वाम' छात्रों की भूमिका होती है. इस बार भी कला विभाग की छात्रा की आकस्मिक मौत को लेकर सांसद ने उसी ओर इशारा किया.कल्याण बंद्योपाध्याय ने आगे कहा, वहां जो हुआ, उस पर कहने जैसा कुछ नहीं. लेकिन एसएफआई, सीपीएम और अति-वामपंथी मिलकर जादवपुर का माहौल खराब कर रहे हैं. महज 10% छात्रों की वजह से पूरे विश्वविद्यालय की छवि धूमिल हो रही है. कार्यक्रम होने पर रात 11-12 बजे तक छात्रों को कोई होश-हवास नहीं रहता.उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि, वामपंथियों ने सत्ता में रहते भी कुछ नहीं किया और आज भी उनकी भूमिका वैसी ही है. जादवपुर से अब प्रतिबंधित वस्तुएं तक मिल रही हैं. वहां नशाखोरी फैली है और इसमें शामिल सब वामपंथी ही हैं.हालांकि, तृणमूल सांसद के इन बयानों की वामपंथी दलों ने कड़ी निंदा की है. उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि इतनी संवेदनशील और दुखद घटना पर भी सांसद राजनीति कर रहे हैं.

रेलवे न्यूज

पूर्वी रेलवे महिला कल्याण संगठन की ओर से निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

कोलकाता : पूर्वी रेलवे महिला कल्याण संगठन (ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ) ने 14 सितंबर को अरुणोदय घोलेशपुर स्कूल, बेहाला, कोलकाता में अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता-2025 का आयोजन किया. यह प्रतियोगिता विशेष रूप से पूर्व रेलवे के अराजपत्रित कर्मचारियों के बच्चों के लिए आयोजित की गई थी.कुल 45 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक अपने लेखन कौशल का प्रदर्शन किया और विचारशील दृष्टिकोण और रचनात्मकता को दर्शाते निबंध प्रस्तुत किए. ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ की अध्यक्ष श्रीमती सीमा देउस्कर ने प्रतिभागियों के समक्ष और कार्यकारी समिति के सदस्यों की उपस्थिति में पूर्व रेलवे के विषय पर प्रकाश डालकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया.इस कार्यक्रम में श्रीमती देउस्कर के उत्साहवर्धक शब्दों का समावेश हुआ. कार्यकारी समिति के सदस्यों ने युवा प्रतिभागियों को अपनी साहित्यिक क्षमताओं को निखारने और बौद्धिक जिज्ञासा की संस्कृति के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया. प्रतियोगिता के समापन पर, सभी प्रतिभागियों को उनके प्रयासों के लिए छोटे-छोटे उपहार और भोजन के पैकेट देकर सम्मानित किया गया. ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ ने इस आयोजन में सहयोग के लिए अरुणोदय घोलेशपुर स्कूल के कर्मचारियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया और सभी प्रतिभागियों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया. ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ पूर्व रेलवे के अराजपत्रित कर्मचारियों के परिवारों के कल्याण हेतु शैक्षिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है.

हावड़ा और नई दिल्ली के बीच पूजा स्पेशल ट्रेन चलेगी,82,000 से ज़्यादा बर्थ उपलब्ध होंगी

कोलकाता : आगामी पूजा, दिवाली और छठ के दौरान यात्रियों की अपेक्षित भीड़ को देखते हुए, रेलवे ने हावड़ा और नई दिल्ली के बीच पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है. यह स्पेशल ट्रेन पूजा के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त क्षमता और सुविधा प्रदान करेगी. इस पूजा स्पेशल ट्रेन के चलने से 82,000 अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध होंगी.
04452 नई दिल्ली-हावड़ा पूजा स्पेशल 20 सितंबर से 15 नवंबर तक (57 ट्रिप) प्रतिदिन नई दिल्ली से 18:15 बजे प्रस्थान करेगी और 23:30 बजे हावड़ा पहुँचेगी. अगले दिन और 04451 हावड़ा-नई दिल्ली पूजा स्पेशल 22 सितंबर से 17 नवंबर तक (57 ट्रिप) प्रतिदिन हावड़ा से दोपहर 01:30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 08:20 बजे नई दिल्ली पहुँचेगी. यह ट्रेन रास्ते में दोनों दिशाओं में पूर्वी रेलवे क्षेत्राधिकार में बैंडेल, बर्द्धमान, दुर्गापुर और आसनसोल स्टेशनों सहित 21 स्टेशनों पर रुकेगी. इस ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी और शयनयान श्रेणी की व्यवस्था होगी. 04451 हावड़ा-नई दिल्ली पूजा स्पेशल की बुकिंग 14 सितंबर से पीआरएस और इंटरनेट के माध्यम से उपलब्ध है.

हावड़ा मंडल में स्वच्छता अभियान जारी

कोलकाता : चल रहे स्वच्छता अभियान के तहत, पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल ने अपने स्टेशनों पर स्वच्छता और स्वास्थ्य मानकों को और मज़बूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं.निर्बाध और प्रभावी सफाई कार्यों को सुनिश्चित करने के लिए, मंडल ने सफाई मशीनों, उपकरणों और संयंत्रों की उपलब्धता और उचित संचालन सुनिश्चित किया है, साथ ही सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा और दक्षता के लिए सुरक्षात्मक उपकरण भी उपलब्ध कराए हैं. ये सक्रिय उपाय चंदननगर, श्रीरामपुर, रामपुरहाट, मगरा, अजीमगंज और बैंडेल स्टेशन सहित प्रमुख स्टेशनों पर लागू किए गए, जिससे यात्रियों के समग्र अनुभव में सुधार हुआ. पूर्व रेलवे निरंतर निगरानी, आधुनिक सफाई व्यवस्था और समर्पित कार्यबल की भागीदारी के माध्यम से स्टेशनों को स्वच्छ, सुरक्षित और यात्री-अनुकूल बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है.

हुगली के बैंची में अखिल बंगाल ओपन ताइक्वांडो प्रतियोगिता आयोजित

कोन्नगर : हुगली के बैंची में दो दिवसीय छठी ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप आयोजित की गई. बंगाल एमेच्योर ताइक्वांडो एसोसिएशन की ओर से यह आयोजन किया गया. रविवार को राज्य के 17 जिलों के 370 प्रतियोगियों ने भाग लिया. इस अवसर पर, कोरियाई ग्रैंड मास्टर जियोंग कुक सियोंग, हापकिडो एसोसिएशन ऑफ इंडिया के कोषाध्यक्ष निशीथ नाथ पांडे, बंगाल एमेच्योर ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष असित चटर्जी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया. प्रतियोगिता के अवसर पर, रविवार (छुट्टी के दिन) सुबह से ही बैंची में लोगों का जमावड़ा रहा. प्रतियोगियों के साथ उनके अभिभावक भी बैंची स्टेशन से सटे ब्लू स्टार क्लब परिसर में उपस्थित रहे. सुबह से शाम तक विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं. शाम को विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया.

न्यूज़ कॉर्नर

सहकारी चुनाव में बमबाजी का आरोप, पुलिस ने बरामद किये जिंदा बम

पूर्व मेदिनीपुर : पूर्व मेदिनीपुर जिले के खेजुरी-दो नंबर ब्लॉक के जनका इलाके में स्थित गोराहार सहकारी समिति के चुनाव को लेकर रविवार को भारी बमबाजी का आरोप सामने आया है. मौके से एक जिंदा बम भी बरामद किया गया है. भारी संख्या में पुलिस बल घटनास्थल पर तैनात किया गया है.भाजपा ने आरोप लगाया है कि तृणमूल समर्थित गुंडों ने इलाके में लगातार बमबाजी की. यहां तक कि भाजपा समर्थित उम्मीदवार अमृत पात्र के घर को निशाना बनाकर बम फेंके गए. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बम बरामद कर लिया है. हालांकि, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों से साफ इनकार किया है.खेजुरी-दो ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष समुद्भव दास ने कहा, उस इलाके में तो भाजपा का दबदबा है. दो बार के चुनाव में तो हम काम ही नहीं कर पाए. वही लोग दबंगई करके हमारे मतदाताओं को गाली-गलौज कर रहे हैं.राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यदि सहकारी समिति के चुनाव में हालात इतने विस्फोटक हैं, तो आने वाले विधानसभा चुनावों में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है.

बारिश में दो डायवर्सन सड़क क्षतिग्रस्त, फालाकाटा-अलीपुरद्वार मार्ग बंद

अलीपुरद्वार : भारी बारिश के बीच जिले के दो डायवर्सन सड़क क्षतिग्रस्त हो गये हैं. पलाशबाड़ी स्थित संजय डायवर्सन और मेजबिल संलग्न गिरिया नदी का डायवर्सन शनिवार देर रात हुई बारिश में टूट गया है. जिससे रविवार सुबह से ही फालाकाटा-अलीपुरद्वार मार्ग पर सभी प्रकार का यातायात बंद कर दिया गया है. इस बीच एसएससी 11वीं और 12वीं कक्षा की शिक्षक भर्ती परीक्षा केंद्र अलीपुरद्वार में होने के कारण फालाकाटा समेत विभिन्न इलाकों के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. परीक्षार्थी किसी भी तरह से इस मार्ग से नहीं जा पा रहे थे. नतीजतन, उन्हें फालाकाटा, घोक्साडांगा, पुंडीबारी होते हुए अलीपुरद्वार जाना पड़ा.फालाकाटा-अलीपुरद्वार मार्ग पर चार लेन का राजमार्ग बनाया जा रहा है. इसके लिए नदियों पर कंक्रीट के पुल बनाने का काम चल रहा है. अभी तक बुरितोरशा में केवल एक कंक्रीट का पुल ही खोला गया है. अन्य नदियों पर निर्माणाधीन कंक्रीट पुलों के बगल में ह्यूम पाइप डायवर्सन है. शुक्रवार की रात संजय डायवर्सन में भी एक बड़ा गड्ढा हो गया था. जिस वजह लगभग डेढ़ घंटे तक यातायात बंद रखा गया था. इस दिन पूरा डायवर्सन टूट गया. नदी का पानी डायवर्सन के ऊपर से बहने लगा. इसी तरह, गिरिया नदी में डायवर्सन दो टुकड़ों में टूट गया है. परिणामस्वरूप, शीशगोर, मेजबिल, पश्चिम कटहलबाड़ी, पुटिमारी मोड़, न्यू पलाशबाड़ी, पलाशबाड़ी सहित एक विस्तृत क्षेत्र के हजारों लोग मुश्किल में पर गए है. प्रशासन द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है. इससे स्थानीय लोगों में आक्रोश है. हालांकि, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने कहा है कि रात में भारी बारिश के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है. पूरी स्थिति पर नजर रखी जा रही है. यह भी बताया गया है कि जैसे ही जल स्तर थोड़ा कम होगा दोनों डायवर्सन की मरम्मत की जाएगी.

स्वरूपनगर में मोटरसाइकिल और इंजन वैन की आमने-सामने टक्कर, एक की मौत, एक घायल

स्वरूपनगर: उत्तर 24 परगना जिले के बसीरहाट अनुमंडल के स्वरूपनगर थाना क्षेत्र के स्वरूपनगर-तरुणीपुर रोड पर स्थित गोविंदपुर बालकी हाई स्कूल के सामने आज सुबह एक मोटरसाइकिल और इंजन वैन की आमने-सामने टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हुआ. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. उन्हें तुरंत ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहाँ से प्राथमिक उपचार के बाद बसीरहाट जिला अस्पताल रेफर गया.
हालांकि, डॉक्टरों ने बताया कि 18 वर्षीय अलिफनूर मोल्ला की रास्ते में ही मौत हो चुकी थी. दूसरे बाइक सवार को गंभीर हालत में बसीरहाट जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मृतक का शव पोस्टमॉर्टम के लिए बसीरहाट जिला अस्पताल के पुलिस मर्चरी में भेजा गया है. वहीं, दुर्घटना के बाद स्वरूपनगर थाना पुलिस ने घातक इंजन वैन और उसके चालक को हिरासत में ले लिया है.

लग्जरी कारों से गांजा तस्करी की कोशिश नाकाम

कूचबिहार : घोक्साडांगा थाने की पुलिस ने लग्जरी कारों से गांजा तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया है. पुलिस ने 68 किलो गांजा के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है. घटना में शामिल दो तस्कर मौके से भागने में सफल रहे. गिरफ्तार किए गए लोगों में एक पानीशाला और दो नादिया जिले का निवासी है.पुलिस सूत्रों के अनुसार, शनिवार देर रात पुंडीबारी-फालाकाटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो लग्जरी कारों में गांजा तस्करी की सूचना मिलने के बाद घोक्साडांगा थाने की प्रभारी काजल दास के नेतृत्व में राष्ट्रीय राजमार्ग पर अभियान चलाया गया. जब दोनों कारें उस इलाके से गुजरी तो पुलिस ने उनका पीछा किया. इस दौरान एक कार राष्ट्रीय राजमार्ग से उतरकर गांव की कच्ची सड़क से भागने के क्रम में पलट गई. कार में सवार दो लोग भागने में सफल रहे.

रात के अंधेरे में भयानक अग्निकांड, दो मासूम बच्चों और एक बच्ची की दर्दनाक मौत

मुर्शिदाबाद : रानीतला थाना अंतर्गत बनीपुर भांगनपाड़ा इलाके में शनिवार रात करीब 12 बजे एक भीषण अग्निकांड में दो मासूम बच्चे और एक बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई. इस घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है. परिवार के अनुसार, मृतकों के नाम साहिल (9), आदिल (9) और साजिदा (7) हैं. स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, अचानक लगी आग में तीन घर जलकर राख हो गए. ये घर शयन शेख, स्वयं शेख और नयन शेख नामक तीन भाइयों के थे. घटना के समय शयन शेख घर पर नहीं थे. उनकी पत्नी तीन बच्चों के साथ दरवाज़ा बंद कर सो रही थीं. आग लगने पर स्थानीय लोगों की चीख-पुकार सुनकर वह किसी तरह बाहर निकल आईं, लेकिन तीनों बच्चे अंदर ही फँस गए और अग्निदग्ध हो गए.
स्थानीय लोगों ने पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की और बच्चों को बाहर निकाल कर नज़दीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. मृत बच्चों की मां (विलाप करती हुई) ने कहा:मैं कुछ समझ पाती, उससे पहले आग पूरे घर को घेर लिया... मृत बच्चों की मासी ने कहा भगवान किसी मां को ऐसा दिन ना दिखाए.साहिन शेख (आखरीगंज ग्राम पंचायत प्रमुख)ने कहा: हम बार-बार बिजली विभाग को कह चुके हैं कि इस इलाके में वायरिंग बहुत पुरानी है. यह आग भी शॉर्ट सर्किट से ही लगी है - ऐसा स्थानीय लोगों का मानना है. अब हम पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता देंगे.रेयात हुसैन सरकार (तृणमूल विधायक, भगवानगोला) ने कहा: मैं घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचा. प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि पीड़ित परिवार को तुरंत सहायता मिले. यह बहुत ही दुखद और हृदयविदारक घटना है.मृत बच्चों के शवों को नशिपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है. घटना के बाद रानीतला थाना पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है.
इस त्रासदी के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है, और लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि बिजली की व्यवस्था को जल्द सुधारा जाए, ताकि ऐसे हादसे दोबारा न हों.

बीरभूम में अवैध खनन, हादसे के बाद मालिक पर शिकंजा

बीरभूम : बीरभूम जिले के नलहाटी के बाहादुरपुर इलाके में अवैध पत्थर खदान में हुए भीषण हादसे में 6 मजदूरों की मौत के बाद पुलिस ने इस मामले में खदान मालिक संजीव घोष उर्फ भुलु को गिरफ्तार कर लिया है. शनिवार को उसे रामपुरहाट महकमा अदालत में पेश किया गया. पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ करना चाहती है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसके साथ और कौन लोग इस अवैध काम में शामिल थे.जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस इलाके में पहले कई अवैध पत्थर खदान बंद कराए गए थे, लेकिन यह खदान चोरी-छिपे चल रही थी.

225 साल पुरानी परंपरा कायम: हवाई फायरिंग से शुरू होती है सिंगाबाद ज़मींदार परिवार की दुर्गा पूजा

मालदा : देश विभाजन, समय की करवट, और ज़मींदारी प्रथा के अंत-कुछ के बावजूद भी मालदा जिले के भारत-बांग्लादेश सीमांत क्षेत्र तिलासन इलाके में स्थित सिंगाबाद ज़मींदार परिवार की दुर्गा पूजा आज भी अपने 225 साल पुराने गौरव परंपरा पर टिकी हुई है.
इस पूजा की शुरुआत हर साल होती है हवाई फायरिंग के साथ, जब सप्तमी तिथि पर पुनर्भवा नदी से जल लाते समय आकाश में पाँच राउंड गोली चलाई जाती है.
उत्तरप्रदेश से बंगाल, फिर ज़मींदारी और पूजाकरीब 225 साल पहले उत्तरप्रदेश से अबोध नारायण राय नामक एक व्यापारी व्यापार के सिलसिले में बंगाल आए थे. मालदा के हबीबपुर थाना क्षेत्र के सिंगाबाद स्टेशन पर ट्रेन से दाल लाकर वह नाव से ढाका, राजशाही और कोलकाता के खिदिरपुर बंदरगाह तक पहुँचाते थे. व्यापार में सुविधा के लिए उन्होंने ब्रिटिश सरकार से करीब तीन हज़ार रुपये में ज़मींदारी खरीदी. बाद में तीन साधुओं के परामर्श से उन्होंने दुर्गा पूजा की शुरुआत की. तभी से यह परंपरा चली आ रही है.देश विभाजन के बाद भी परंपरा अटूट1947 में देश विभाजन के समय ज़मींदारी का बड़ा हिस्सा पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में चला गया, लेकिन भारत की सीमा के भीतर, बार्डर फेंस से महज़ 50 मीटर दूरी पर आज भी खड़ी है सिंगाबाद ज़मींदार घराना.
भले ही हवेली की दीवारों में दरारें आ गई हों, समय के साथ बहुत कुछ बदल गया हो, लेकिन आस्था, भावना और परंपरा अब भी पहले जैसी है.विशेष रीति और आयोजनहर साल सप्तमी के दिन पुनर्भवा नदी से जल लाकर हवाई फायरिंग के ज़रिए पूजा का शुभारंभ होता है. पूजा के दौरान सारा खाना पकाने और अनुष्ठान की ज़िम्मेदारी उत्तरप्रदेश से आए मैथिल ब्राह्मणों के पास होती है. दशमी को प्रतिमा का विसर्जन भी पुनर्भवा नदी में किया जाता है.सामाजिक मिलन का पर्वयह पूजा सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि एक सामाजिक उत्सव और जनमिलन का अवसर है. चार दिन तक चलता है भोग वितरण और सामूहिक भोजन. जिले के अलग-अलग कोनों से हज़ारों लोग यहाँ शामिल होते हैं. पहले सीमा पार बांग्लादेश से भी लोग आते थे, अब वैसा माहौल नहीं रहा, लेकिन स्थानीय लोगों की श्रद्धा और उत्साह में कोई कमी नहीं आई है.
इस साल भी ज़मींदार घराने को सजाया जा रहा है, प्रतिमा निर्माण का काम ज़ोरों पर है और चारों ओर त्योहार का माहौल है. तिलासन के लोग अब 225 साल पुराने उस परंपरागत महाउत्सव के शुरू होने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं.

भाजपा दफ्तर में दो नेताओं के बीच जूतम पैजार

पश्चिम मेदिनीपुर : पश्चिम मेदिनीपुर ज़िले के खड़गपुर में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में पार्टी के दो स्थानीय नेताओं के बीच विवाद हो गया. देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया. महिला पार्षद ममता दास और भाजपा नेता अशोक सिंह के बीच हुई इस घटना का वीडियो रविवार को वायरल हो गया है. (हिंदुस्थान समाचार वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है.)आरोप है कि खड़गपुर नगरपालिका के 31 नंबर वार्ड की पार्षद ममता दास ने अशोक सिंह से विवाद के दौरान उन्हें जूते से पीटा. वीडियो में दिख रहा है कि अशोक रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन ममता दो बार उन्हें जूते से मारती हैं. अशोक भी गुस्से में अपना जूता उतारते हैं, लेकिन कैमरा देखकर वापस रख लेते हैं. वीडियो में उन्हें कहते सुना गया, देखिए, मुझे चप्पल से कैसे मारा जा रहा है. अब मैं पुलिस को बुलाता हूं.अशोक सिंह का आरोप है कि पार्षद ने एक वार्ड निवासी से सड़क किनारे चाउमिन की दुकान लगाने के नाम पर 10 हज़ार रुपये की मांग की. उन्होंने इसका विरोध किया तो ममता दास ने अपने समर्थक के साथ पार्टी दफ़्तर में उन पर हमला किया. अशोक ने ऐलान किया कि वह थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराएंगे और पार्टी नेतृत्व को भी पूरे मामले की जानकारी देंगे.ममता दास ने पलटवार करते हुए कहा कि पहले अशोक ने उन पर हाथ उठाया और गाली-गलौज की. उन्होंने आरोप लगाया कि अशोक अक्सर उनके खिलाफ युवकों को भड़काते हैं. ममता का कहना था, जरूरत पड़े तो फिर मारूंगी. अशोक को मैं भाजपा का नेता मानती ही नहीं. वह समाजविरोधी है. न भाजपा और न तृणमूल-कोई भी दल उसे स्वीकार नहीं करता.

तारकेश्वर में सिलेंडर विस्फोट से भीषण आग, छह दुकानें जलकर राख

हुगली : हुगली जिले के तारकेश्वर के चांपाडांगा बस स्टैंड इलाके में रविवार सुबह सिलेंडर विस्फोट के कारण भीषण आग लग गई और देखते ही देखते एक के बाद एक छह दुकानें आग की चपेट में आकर राख हो गईं.प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस स्टैंड इलाके के एक चाय-नाश्ते की दुकान में अचानक तीन गैस सिलेंडर धमाके के साथ फट पड़े. तेज धमाके से इलाके में दहशत फैल गई. विस्फोट के बाद आग तेजी से फैलकर पास की रेस्टोरेंट, फूलों की दुकान और अन्य दुकानों तक पहुंच गई.स्थानीय लोग तुरंत आग बुझाने में जुट गए, लेकिन आग की लपटें इतनी विकराल थीं कि वे काबू नहीं पा सके. सूचना मिलते ही दमकल विभाग की एक गाड़ी मौके पर पहुँची और युद्धस्तर पर आग बुझाने का कार्य शुरू किया.दमकल अधिकारियों ने बताया कि सिलेंडर विस्फोट की वजह से सभी दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं. हालांकि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. नुकसान का सही आकलन अभी नहीं हो पाया है.पंडालों और त्योहारों के मौसम से ठीक पहले इस घटना ने व्यापारियों को गहरा आघात पहुंचाया है. स्थानीय लोगों का आरोप है कि दुकानों में आग से बचाव की कोई उचित व्यवस्था मौजूद नहीं थी. दमकल विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

आरजी कर छात्रा की मौत के मामले में प्रेमी गिरफ्तार

शादी-गर्भपात के दावों से किया इनकार

मालदा/कोलकाता: आरजी कर छात्रा अनिंदिता सोरेन की मौत के मामले में गिरफ्तार प्रेमी उज्ज्वल सोरेन का दावा है कि उसके खिलाफ झूठे आरोप लगाए गए हैं. वह 24 वर्षीय छात्रा की हत्या में शामिल नहीं है. उसने अपनी प्रेमिका के गर्भपात के दावे से भी इनकार किया है. इस मौत के मामले में, अनिंदिता की माँ अल्पना टुडू ने शनिवार को मालदा के इंग्लिश बाज़ार पुलिस स्टेशन में अपनी बेटी के प्रेमी और मालदा मेडिकल के छात्र उज्ज्वल सोरेन के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया था. पुलिस ने उनकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए रात में उज्ज्वल को मेडिकल हॉस्टल से हिरासत में लिए जाने के बाद रविवार सुबह 3 बजे गिरफ्तार कर लिया. पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार यादव ने बताया कि मृतक लड़की का पोस्टमार्टम शनिवार को किया गया. हालाँकि, रिपोर्ट न आने के कारण मौत का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है. शिकायत के आधार पर पूरे मामले की जाँच शुरू कर दी गई है. रविवार को जब उज्ज्वल को सात दिन की पुलिस हिरासत के अनुरोध के साथ अदालत में पेश किया गया, तो मालदा ज़िला अदालत के मुख्य सत्र न्यायाधीश ने छह दिन की पुलिस हिरासत का आदेश दिया. इस घटना की जाँच के दौरान पुलिस के सामने कई सवाल खड़े हुए हैं. इसे लेकर मालदा मेडिकल अधिकारियों पर भी उँगलियाँ उठने लगी हैं. शनिवार को मीडिया के सामने मृतका की माँ अल्पना टुडू ने दावा किया कि एक महीने पहले उन्हें पता चला कि उनकी बेटी अनिंदिता एक महीने की गर्भवती है. अनिंदिता मालदा मेडिकल के अंतिम वर्ष के छात्र उज्ज्वल सोरेन से प्यार करती थी. उज्ज्वल ने एक मंदिर में अनिंदिता से जबरन शादी भी कर ली थी. दोनों के बीच शारीरिक संबंध भी थे. अनिंदिता के गर्भवती होने की खबर सुनकर उज्ज्वल ने उससे दूरी बनानी शुरू कर दी. उज्ज्वल ने सोमवार को अनिंदिता को फ़ोन करके बुलाया. सोमवार को लड़की मालदा में थी. उसके बाद अनिंदिता घर नहीं लौटी. अल्पना ने यह भी दावा किया कि जब उसने फ़ोन किया, तो अनिंदिता ने उसे बताया कि वह मालदा में है. अल्पना ने लड़के को फ़ोन करके पूछा कि वह अनिंदिता को घर क्यों नहीं ले जा रहा है. लेकिन उज्ज्वल ने उसके सवाल को टाल दिया. दोनों के बीच झगड़ा हुआ और इसी वजह से लड़के ने अनिंदिता को ज़बरदस्ती गोलियाँ खिला दीं. इसी वजह से अनिंदिता की मौत हो गई. आरोप है कि उज्ज्वल, अनिंदिता को झांसा देकर कोलकाता के भवानीपुर स्थित एक नर्सिंग होम ले गया. वहाँ उसने उसका गर्भपात करवा दिया. इसके बाद से उज्ज्वल ने अनिंदिता से दूरी बनानी शुरू कर दी. अनिंदिता की माँ की शिकायत मिलने के बाद, इंग्लिश बाज़ार पुलिस स्टेशन ने जाँच शुरू की. उज्ज्वल की तलाश शुरू की गई. आखिरकार, रात लगभग एक बजे उसे मालदा मेडिकल हॉस्टल से गिरफ्तार कर इंग्लिश बाज़ार पुलिस स्टेशन ले जाया गया. पूछताछ चरणों में शुरू हुई. तब पता चला कि उसका घर पुरुलिया में नहीं था (अल्पना टुडू ने आरोप पत्र में उज्जवल का घर पुरुलिया बताया था). वह वास्तव में दक्षिण 24 परगना के महेशतला थाना अंतर्गत नुंगी घोषपारा का निवासी था. पूछताछ के दौरान, पुलिस उज्जवल के जवाबों से संतुष्ट नहीं हुई और उसे रात लगभग तीन बजे गिरफ्तार कर लिया. उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. इस बीच, गिरफ्तार उज्जवल का दावा है, हमारी शादी नहीं हुई थी. अनिंदिता का गर्भपात मेरे ज़रिए नहीं हुआ था. मैंने उसे किसी होटल में नहीं रखा था. वह हमारे हॉस्टल में थी. मैंने उसे कोई दवा नहीं दी. उसने खुद पैरासिटामोल ले ली क्योंकि उसे तबियत खराब लग रही थी. जब मैंने उसे आखिरी बार देखा था, तब उसके मुँह से गांज नहीं निकला था. मुझे नहीं पता कि उसकी माँ ने ऐसी शिकायत क्यों की. हालाँकि, अनिंदिता ने घर पर रहते हुए दो-तीन बार खुदकुशी करने की कोशिश की थी. विश्वसनीय पुलिस सूत्रों के अनुसार, जाँच की शुरुआत में जाँच अधिकारियों के सामने कई सवाल उठे. उन्हें पता चला कि अनिंदिता अपने प्रेमी से मिलने कई बार मालदा आई थी. हर बार उसने मालदा मेडिकल के छात्रों के हॉस्टल में रात बिताई. पुलिस इस बात से हैरान है कि मालदा मेडिकल प्रशासन ने दूसरे कॉलेज की एक छात्रा को अपने हॉस्टल में रात में कैसे रुकने दी. तो क्या अनिंदिता बिना किसी की नज़र में आए मालदा मेडिकल में रात बिताई होगी? फिर हॉस्टल सुपरवाइजर को इसकी भनक क्यों नहीं लगी? पुलिस के लिए एक और सवाल यह है कि अनिंदिता के माता-पिता ने अपनी बेटी के गर्भवती होने की खबर मिलने के बाद उज्ज्वल के परिवार से संपर्क क्यों नहीं किया? क्या उनका उज्ज्वल के परिवार से कोई संपर्क है? आदिवासी समाज में एक ही परिवार में विवाह करने की प्रथा है. क्या इसीलिए अल्पना टुडू ने पहले उज्ज्वल के घर संपर्क नहीं किया? हालांकि आज अल्पना का बयान उपलब्ध नहीं हो सका. मालदा मेडिकल के प्रिंसिपल पार्थप्रतिम मुखर्जी ने कहा, मैंने सुना है कि मृतक छात्रा मालदा मेडिकल के छात्रावास में रात भर रुकी थी. हमें इसकी जानकारी नहीं है. हम जाँच कर रहे हैं. इस बीच, मालदा मेडिकल के एक प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि बाहरी कॉलेजों के छात्रों को यहाँ छात्रावास में रात भर रुकने की अनुमति नहीं है. हालाँकि, इस मेडिकल कॉलेज की छात्राओं के मामले में इस नियम में कुछ छूट है. अगर मालदा मेडिकल कॉलेज में किसी छात्रा की माँ उनसे आवेदन करती है, तो वे सभी पहलुओं पर विचार करते हैं और छात्रा को रात भर रुकने की अनुमति देते हैं. हालाँकि, छात्रों के मामले में ऐसा कभी नहीं किया जाता है.

महानगर में शुरू हुआ कोलकाता का पहला महिला संचालित कैफे

- जरूरतमंदों को तक पहुंचाया जाएगा बचा हुआ भोजन
- आर्थिक तौर पर कमजोर महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर

कोलकाताः आज से लगभग 18 वर्ष पहले जब कोलकाता का पहला महिला संचालित पेट्रोल पंप शुरु हुआ था तो इसे महिला सशक्तिकरण की राह में बेहतर आगाज माना गया था. लेकिन अब महानगर कोलकाता के होची मिन्ह सरणी भी एक ऐतिहासिक क्षण का गवाह तब बना, जब यहां महिलाओं द्वारा संचालित स्योना एक्सपीरियंस का आगाज हुआ. उक्त कैफे का उद्घाटन राज्य के मंत्री, कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम की बेटी व तृणमूल महिला कांग्रेस महासचिव प्रियदर्शिनी हकीम ने किया. कैफे के संस्थापक, व्यवसायी व मानसिक स्वास्थ्य मामलों के विशेषज्ञ रितेश चौधरी के दावे की माने तो यह महानगर का पहला ऐसा कैफे होगा जिसे पूरी तरह महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित किया जाएगा. उन्होंने कहा कि यहां खाद्य उत्तम स्तर का तो होगा ही साथ ही मै एक ऐसा स्थान बनाना चाहता था, जहां भोजन, कला, समुदाय और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति लोग जागरूक होकर जीवन की शांति से जुड़ सके. सह-संस्थापक अरुमिता मित्रा, ने कहा - स्योना केवल कैफे ही नहीं, बल्कि एक सामाजिक पहल है. यहां हम आर्थिक तौर पर कमजोर पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाओं को सम्मानजनक रोजगार देकर उनके जीवन को आत्मविश्वास के साथ पुनर्निर्मित करने का अवसर दे रहे हैं. स्योना महिला सशक्तिकरण के साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और शोषण से पीड़ित महिलाओं को रोजगार और प्रशिक्षण का एक केंद्र होगा. वहीं मानसिक स्वास्थ्य पहल के तहत लेट्स एक्सप्रेस कॉर्नर के ज़रिए आगंतुकों को मनोवैज्ञानिक से संवाद का अवसर मिलेगा. इसके साथ ही आर्ट थेरेपी, योग, माइंडफुलनेस, संगीत, फिल्म स्क्रीनिंग और सामुदायिक कार्यक्रम होगा. जबकि यहां बचा हुआ भोजन जरूरतमंदों तक पहुंचाया जाएगा. बहरहाल जो भी इस कैफे की चर्चा महानगर में शुरू हो गई है और इसके श्रीगणेश के दिन अन्य विशिष्ट अतिथियों में, इमरान जाकी (शिक्षाविद्), राजेन्द्र सिंह (उपाध्यक्ष, सेंट जेवियर्स कॉलेज), पवन कुमार पटोदिया (अध्यक्ष, स्पेशल ओलंपिक्स बंगाल) व अन्य ने इस कैफे की शुरुआत को आने वाले समय के लिए उद्यमियों को लिए प्रेरणापथ करार दिया.

जादवपुर विवि में छात्रा की मौत पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने कोलकाता पुलिस आयुक्त को भेजा पत्र

कोलकाताः जादवपुर विश्वविद्यालय की छात्रा की मौत के मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने संज्ञान लिया है. इस संबंध में आयोग ने कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा को पत्र लिखकर निष्पक्ष जांच की मांग की है. आयोग ने शनिवार सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर बताया कि उपलब्ध तथ्यों के आधार पर उसने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है. साथ ही, विश्वविद्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष नजर डालने को कहा गया है. आयोग ने तीन दिनों के भीतर कोलकाता पुलिस से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है. घटना गुरुवार रात की है. विश्वविद्यालय के चार नंबर गेट के पास स्थित झील किनारे अचानक एक छात्रा का शव उतराता हुआ मिला था. मृत छात्रा की पहचान अनामिका मंडल के रूप में हुई, जो जादवपुर विश्वविद्यालय की स्नातक स्तर की तृतीय वर्ष की छात्रा थी. छात्रों के मुताबिक, उस दिन ड्रामा क्लब द्वारा पार्की लॉट के सामने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था. अनामिका भी उसमें शामिल हुई थीं. रात करीब 9:55 बजे वह शौचालय जाने के लिए उठीं, लेकिन उसके बाद अचानक गायब हो गईं. कुछ देर बाद उनका शव झील में पाया गया. शुक्रवार शाम को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई, जिसमें किसी तरह के बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं. रिपोर्ट के अनुसार, मौत डूबने से हुई है. हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि छात्रा ने शराब या किसी नशीले पदार्थ का सेवन किया था या नहीं. जांच के लिए विसरा का नमूना भेजा गया है. इस घटना के बाद से जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं.

बंगाल में लोक आस्था के महापर्व छठ पर होगी दो दिनों की सरकारी छुट्टी

मुख्यमंत्री के ऐलान से हिंदी भाषियों में दौड़ी खुशी की लहर

जगदीश यादव

कोलकाताः लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर भला पश्चिम बंगाल किसी से पीछे क्यों रहे. ऐसे में राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने छठ पूजा में दो दिनों की सरकारी छुट्टी का ऐलान कर दिया है. हिन्दी दिवस के मौके पर ममता बनर्जी ने इसकी घोषणा की है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को इस त्योहार के लिए दो दिन की सरकारी छुट्टी की घोषणा की, जिसका राज्य की बड़ी हिंदी भाषी आबादी ने स्वागत किया. पश्चिम बंगाल में काफी संख्या में बिहार-झारखंड के लोग रहते हैं. इस ऐलान के बाद छठ पर्व करने वाले लोगों में खुशी का माहौल है. पश्चिम बंगाल में प्रवासी बिहारी और झारखंडी लोगों ही नहीं उन लोगों में भी इस घोषणा का स्पष्ट उत्साह देखा गया है, जो लोग छठ पूजा करते हैं या फिर अपने राज्य जाकर श्रद्धा का साथ छठ मानते हैं. वैसे माना तो यह भी जा रहा है कि सीएम ममता के इस कार्य से उनका वोंट बैंक मजबूत होगा. सीएम ममता बनर्जी ने द पर पोस्ट करते हुए लिखा, आज हिन्दी दिवस है. इस अवसर पर सभी हिन्दी भाषी भाई-बहनों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं.

प्रत्येक वर्ष हम श्रद्धा के साथ हिन्दी दिवस मनाते हैं. हम सभी भाषाओं के प्रति श्रद्धावान हैं. इस संदर्भ में कहूं तो वर्ष 2011 के बाद से राज्य में हिन्दी भाषी लोगों के विकास के लिए हमने कई अहम कदम उठाए हैं. राज्य की भाषाई समावेशिता पर ज़ोर देते हुए, ममता बनर्जी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में 10% से ज़्यादा आबादी हिंदी बोलती है, वहां हिंदी को आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया गया है. हिंदी के साथ-साथ संथाली, नेपाली, उर्दू, पंजाबी और तेलुगु जैसी भाषाओं को भी मान्यता दी गई है. उन्होंने व्यापक प्रचार अभियान के तहत हिंदी अकादमी की स्थापना, हावड़ा में हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना और हिंदी माध्यम के डिग्री कॉलेज खोलने की ओर इशारा किया. सीएम ममता के अनुसार बंगाल में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हिन्दी भाषी लोगों सहित अन्य लोगों के लिए निःशुल्क सामाजिक सुरक्षा योजनाएं शुरू की गई हैं. गंगासागर मेले के मद्देनजर उस क्षेत्र में उत्कृष्ट आधारभूत संरचना विकसित की गई है. हिन्दी भाषी समुदाय की भावनाओं का सम्मान करते हुए, राज्य सरकार ने छठ पूजा के उपलक्ष्य में दो दिन की सरकारी छुट्टी की घोषणा की है. हिन्दी दिवस पर मेरा अभिनन्दन ग्रहण करें. वैसे राजनीति के कुछ जानकारों की माने तो सीएम ममता के यह घोषणा एक सांस्कृतिक संकेत ही नहीं बरन इससे कुछ अधिक भी है. वहीं विधानसभा चुनाव नज़दीक आते ही, इस कदम को हिंदी भाषी वोट बैंक को मज़बूत करने के एक राजनीतिक दांव के तौर पर देखा जा रहा है. ख़ास तौर पर, बिहारी समुदाय कोलकाता और अन्य शहरी इलाकों में एक महत्वपूर्ण समूह है, और विश्लेषकों का मानना है कि ममता बनर्जी का प्रचार अभियान तृणमूल कांग्रेस को भाजपा के ख़िलाफ़ समर्थन जुटाने में मदद कर सकता है. बहरहाल बता दे कि सीएम ममता हर साल छठ पूजा पर श्रद्धालुओं के बीच जाती हैं. बता दे कि गुजरे साल उक्त पर्व पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने छठ पूजा के अवसर पर एक गीत लिखा उन्होंने इस गीत को खुद ही कम्पोज किया और गाया भी था. उन्होंने छठ की शुभकामनाएं देते हुए ममता ने इस गीत को जारी किया था. दहीघाट में व्रतियों के बीच पहुंची ममता बनर्जी ने बिहार, उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल के वोटरों को लुभाते हुए कहा था कि बंगाल मिनी इंडिया है.

एसएससी की दूसरी चरण की परीक्षा निष्पक्ष और सफलतापूर्वक संपन्न : शिक्षा मंत्री

कोलकाताः पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन (एसएससी) की दूसरी चरण की परीक्षा रविवार को निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ पूरी हुई. परीक्षा समाप्त होने के बाद शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इस बार आयोग ने कई नई पद्धतियाँ अपनाई हैं. परीक्षा की मॉडल उत्तरपुस्तिका 20 सितंबर तक आयोग की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी, जिसे दो वर्षों तक सुरक्षित रखा जाएगा. परीक्षार्थियों को किसी भी तरह की आपत्ति दर्ज करने के लिए पांच दिन का समय मिलेगा. इसके बाद निर्धारित समय पर परिणाम प्रकाशित होंगे और यह घोषित किया जाएगा कि कौन इंटरव्यू के लिए योग्य हैं. आयोग के चेयरमैन ने बताया कि नवंबर से इंटरव्यू शुरू होगा और 31 दिसंबर तक नियुक्ति प्रक्रिया पूरी हो जाएगी. ब्रात्य बसु ने जानकारी दी कि 7 सितंबर को हुई परीक्षा में 31,362 परीक्षार्थी अन्य राज्यों से शामिल हुए थे, जबकि 14 सितंबर की परीक्षा में 13,517 परीक्षार्थी उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे राज्यों से आए. कुल मिलाकर रविवार की परीक्षा में 2.46 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए, जो कि कुल आवेदनकर्ताओं का 93% है. मंत्री ने कहा कि पूरी परीक्षा निष्पक्ष तरीके से हुई और इस बार उत्तरपुस्तिकाओं के स्कैन किए गए इमेज 10 साल तक सुरक्षित रखे जाएंगे. सूत्रों के अनुसार, कक्षा 11-12 में हिंदी भाषा के शिक्षकों के लिए 370 रिक्त पद हैं. इन्हीं पदों को ध्यान में रखते हुए अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में उम्मीदवार परीक्षा में बैठे. नवंबर में इंटरव्यू होने के बाद योग्य उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित की जाएगी और दिसंबर तक नियुक्ति पूरी करने का लक्ष्य है. उल्लेखनीय है कि 2016 की शिक्षक भर्ती पैनल को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया था, जिसके बाद नई प्रक्रिया शुरू की गई है. सात और 14 सितंबर को आयोजित परीक्षाएं इसी प्रक्रिया का हिस्सा हैं. अब अभ्यर्थी पारदर्शिता के साथ तेज़ी से नियुक्ति पूरी होने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि संस्थागत भ्रष्टाचार का दाग हटाया जा सके.

मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी ने लगाया निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर

950 मरीजों की जांच, 270 को चश्मा एवं 40 का होगा मोतियाबिंद ऑपरेशन

युवा शक्ति न्यूज /कोलकाता: मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी, कोलकाता की ओर से रविवार को तीन स्थानों पर निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया गया. एक शिविर आर्य समाज के सहयोग से नॉर्थ 24 परगना के गरोलिया में, दूसरा शिविर नॉर्थ कोलकाता सम्मेलन के सहयोग से पाइकपारा में और तीसरा शिविर ब्लू स्टार के सहयोग से चेतला में आयोजित किया गया. तीनों स्वास्थ्य शिविरों में कुल लगभग 950 मरीजों की जांच की गई. शिविर में आए सभी मरीजों की ब्लडशुगर, ब्लड प्रेशर, ईसीजी एवं अन्य सामान्य जांचें निशुल्क की गई. मरीजों को आवश्यकतानुसार दवाओं का निशुल्क वितरण किया गया. नेत्र परीक्षण के दौरान 270 मरीजों को चश्मा दिए जाने की आवश्यकता पाई गई, जबकि 40 मरीजों में मोतियाबिंद की समस्या चिन्हित हुई. मोतियाबिंद के मरीजों के निःशुल्क ऑपरेशन मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी अस्पताल, कोलकाता में किए जाएंगे. कैंप कोऑर्डिनेटर अजय दिवाकर ने बताया कि मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी के मानद प्रधान सचिव प्रह्लाद राय गोयनका की प्रेरणा से आयोजित इन शिविरों को सफल बनाने में डॉक्टर कबीर अहमद, डॉक्टर मलय दास, डॉक्टर एम. के. राय, डॉक्टर दिनेश सिंह, डॉक्टर शंकर मंडल और डॉक्टर सुशांत राय का उल्लेखनीय योगदान रहा.

21 सितम्बर को नेताजी इंडोर स्टेडियम में होगा क्षमापना दिवस समारोह

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: समस्त जैन समाज एवं जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जिटो) के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 21 सितम्बर को नेताजी इंडोर स्टेडियम, कोलकाता में भव्य क्षमापना दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा. इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे संत एवं साधु-साध्वीजनों की उपस्थिति रहेगी तथा उनकी प्रेरणादायी वाणी से उपस्थित श्रावक-श्राविकाएं लाभान्वित होंगे. परम पूज्य प्रियरंजना श्रीजी महाराज साहब की पावन उपस्थिति में श्री जिनदत्तसूरीजी दादागुरुदेव चादर महोत्सव (6 मार्च से 8 मार्च 2026, जैसलमेर) के आयोजन पर विचार-विमर्श हेतु आज हावड़ा के रोज मेरी लेन स्थित लक्ष्मी हाइट्स में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया. दादा गुरुदेव की पुण्य स्मृति में होने वाला यह महोत्सव हम सभी के लिए अत्यंत गौरव और सौभाग्य का विषय है. इस अवसर पर उपस्थित रहे- गण्यमान्य वक्ती श्री कमल सींहजी रामपुरीया, श्री रूप चन्द्रजी शामनसुखा, श्री दिनेशजी जैन गंगवाल, श्री बिमलजी महमवाल, श्री सुनीलजी चुडोरिया, श्री सजंय जी घोषाल, श्री पारसजी गांधी, श्री बिमलजी मेहता, श्री दिलीपजी कुंडलीया, श्री ज्ञान चन्द्रजी दुगर, श्री रबीनजी मनोहत. साथ ही जिटो की ओर से विशेष सहयोग रहा श्री बुद्धमलजी लुनीया का. बैठक को संबोधित करते हुए श्री दिनेशजी जैन गंगवाल ने कहा- यह अवसर न केवल जैन समाज की एकता को नई दिशा प्रदान करेगा, बल्कि आपसी सद्भावना और भाईचारे का सशक्त संदेश भी सम्पूर्ण समाज में प्रसारित करेगा.

मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी कोलकाता द्वारा आयोजित निशुल्क नेत्र ऑपरेशन कैंप का आयोजन

युवा शक्ति न्यूज /कोलकाता: मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी कोलकाता द्वारा आयोजित निशुल्क नेत्र ऑपरेशन कैंप का आयोजन आदरणीय स्वर्गीय सत्यभामा सोती धर्मपत्नी श्री बनवारी लाल सोती की पुण्य स्मृति में विप्र फाउंडेशन पश्चिम बंगाल द्वारा 78 रोगियों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन निःशुल्क कराया गया जिसमें उपस्थित मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी के कार्यकारी अध्यक्ष गोविंद राम अग्रवाल उपाध्यक्ष विष्णु दास मित्तल संयुक्त अर्थ मंत्री अशोक पुरोहित विभागीय मंत्री श्रीमती संगीता अग्रवाल, दीपा अग्रवाल एवं प्रदीप शर्मा, अजय दिवाकर, ट्रस्ट के ट्रस्टी बनवारी लाल सोती, किशन गोस्वामी, महेश शर्मा सुशील ओझा एवं अन्य उपस्थित रहे ऑपरेशन डॉक्टर शिवराम माझी एवं सहायक डॉक्टर सौविक घोष ने किया.

ग्रामीण बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए 1400 करोड़ रुपये आवंटित करने की तैयारी में राज्य

कोलकाता : राज्य सरकार ग्रामीण विकास के लिए एक नया क्षितिज खोलने वाली है. नवान्न सूत्रों के अनुसार, अगले वित्तीय वर्ष में ग्रामीण बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए 1400 करोड़ रुपये के आवंटन का लक्ष्य रखा गया है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की विशेष पहल के तहत कई परियोजनाएँ पहले ही शुरू की जा चुकी हैं और नए आवंटन के साथ, उन परियोजनाओं को और आगे बढ़ाया जाएगा. सरकार का दावा है कि यह कदम केंद्र से मिलने वाली छूट के बावजूद लोगों के साथ खड़े होकर ग्रामीण विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रमाण है. सरकारी दस्तावेजों के अनुसार, आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बांग्लार बाड़ी परियोजना के लिए 15,486 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है. इसके परिणामस्वरूप, ग्रामीण परिवारों के लिए पक्के घर बनाए जाएँगे. इसी प्रकार, लक्ष्मी भंडार परियोजना के लिए 26,200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं. राज्य का दावा है कि यह परियोजना ग्रामीण महिलाओं की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने में पहले ही सफल रही है. इस बार आवंटन बढ़ाकर ज़्यादा महिलाओं को इस परियोजना का लाभ दिया जाएगा. कृषक बंधु (नवीन) योजना का बजट 4,781 करोड़ रुपये है. यह कदम राज्य के कृषक समुदाय को आर्थिक रूप से मज़बूत बनाने और कृषि में स्थायित्व लाने के लिए उठाया गया है. कन्याश्री योजना के लिए 2,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिससे कन्याश्री के तहत छात्राओं के शैक्षिक अवसरों का और विस्तार होगा. स्वास्थ्य साथी योजना के लिए लगभग 3,850 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को मुफ़्त चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने में मदद मिलेगी. राज्य सरकार का दावा है कि इस आवंटन से न केवल वित्तीय सहायता मिलेगी, बल्कि ग्रामीण लोगों की सामाजिक सुरक्षा भी मज़बूत होगी. बांग्लार बाड़ी योजना के ज़रिए कई परिवारों को पक्के मकानों का लाभ मिलेगा, लक्ष्मी भंडार ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाएगा, कृषक बंधु योजना से किसानों की आय बढ़ेगी, कन्याश्री योजना से शिक्षा में लड़कियों की भागीदारी सुनिश्चित होगी और स्वास्थ्य साथी के विस्तार से दूर-दराज़ के इलाकों में भी चिकित्सा सेवा आसानी से उपलब्ध हो सकेगी. नवान्न के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया, कई मामलों में केंद्र सरकार ने राज्य का बकाया पैसा रोक रखा है. खासकर ग्रामीण विकास के लिए अपर्याप्त केंद्रीय धन के कारण कई परियोजनाएं मुश्किल में हैं. फिर भी मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि केंद्र से मदद न मिलने पर भी ग्रामीण लोगों के लिए काम जारी रहेगा. 1400 करोड़ रुपये का यह निवेश लक्ष्य साबित करता है कि राज्य सरकार पीछे नहीं हट रही है. राजनीतिक समुदाय के एक वर्ग के अनुसार, केंद्र और राज्य के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी इस बजट को एक राजनीतिक संदेश के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रही हैं. राज्य का दावा है कि इतनी बड़ी राशि इसलिए खर्च की जा रही है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को शहरों के समान अवसर मिलें. अगर सड़क, घर, बिजली, पेयजल और चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जाती हैं, तो ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता में भी काफी सुधार होगा. विशेषज्ञों के अनुसार, अगर यह आवंटन लागू होता है, तो एक तरफ रोजगार बढ़ेगा, वहीं दूसरी तरफ ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी. इन परियोजनाओं से बंगाल के ग्रामीण लोगों को सीधा फायदा होगा. इतना ही नहीं, इसका कृषि, सेवा और लघु उद्योग क्षेत्रों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा. कुल मिलाकर, यह पहल स्पष्ट करती है कि केंद्र द्वारा वंचित किए जाने के आरोपों के बावजूद, राज्य सरकार अपने विकास पथ पर अडिग है.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | सोमवार | 15 सितम्बर 2025

भारत 'नेपाल' नहीं हो सकता

आजकल कुछ स्वयंभू राजनीतिक विश्लेषक, स्वघोषित जाट-किसान नेता और डॉ. संजय निषाद जैसे कुंठित और असंतुष्ट मंत्री सोशल मीडिया पर भविष्यवाणी कर रहे हैं अथवा बयान दे रहे हैं कि भारत में भी नेपाल जैसे हालात बन सकते हैं! मोदी सरकार के खिलाफ विद्रोह फूट सकता है, क्योंकि भारत में भी बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक असमानता खूब है. खासकर रोजगार को लेकर युवा वर्ग बेहद परेशान है, लिहाजा आक्रोशित है, बगावत पर उतारू हो सकता है! उद्धव की शिवसेना के झोलाटाइप नेता संजय राउत ने तो तब भी भारत में व्यापक बगावत की आशंकाएं जताई थीं, जब श्रीलंका और बांग्लादेश में जन-विद्रोह भड़के थे. दरअसल भारत की तुलना छोटे, असंतुलित और निरंकुश देशों की अराजकता के साथ नहीं की जा सकती. ऐसे जन-विद्रोह लोकतांत्रिक नहीं माने जा सकते, क्योंकि इनमें पर्याप्त हिंसा, हत्याएं, आगजनी, सरकारी संपत्तियों के विध्वंस समाहित होते हैं. भारत का लोकतंत्र और संविधान भी अप्रतिम और अतुलनीय हैं. ऐसी ही टिप्पणी देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने भी की है कि हमारा संविधान ऐसा है कि देश स्थिर है और आगे भी रहेगा. प्रधान न्यायाधीश सरकार के 'भोंपू' नहीं हुआ करते. संजय निषाद उप्र सरकार में मंत्री हैं और उनकी पार्टी एनडीए का एक घटक है. उनकी कुंठाओं और असंतोष के मायने सिर्फ ये हैं कि उन्हें अपेक्षित और वांछित हिस्सा नहीं मिल पा रहा होगा! भारत में सबसे अलोकतांत्रिक, तानाशाह, न्यायपालिका पर भी अंकुश रखने वाला दौर 'आपातकाल' (1975-77) का था. तब भी तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के एकतंत्रवादी निर्णयों के खिलाफ विद्रोह नहीं हुआ, बल्कि राजनीतिक लामबंदियां की गईं. देश के बड़े नेताओं-सांसदों, पत्रकारों, लेखकों, गीतकारों आदि को 19 महीने तक जेलों में ठूंसा गया. उन्हें यातनाएं भी दी गईं. जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व वाली 'संपूर्ण क्रांति' बगावत में भी बदल सकती थी, लेकिन भारतीय के संस्कार, मूल्य, विश्वास पूरी तरह लोकतांत्रिक हैं. वह दौर भी अंतहीन नहीं रहा. अंतत: चुनाव कराने पड़े और देश को एक नया राजनीतिक नेतृत्व मिला. दरअसल भारत के विभिन्न हिस्सों में कई आंदोलन किए जा चुके हैं. छात्रों, आरक्षणवादियों, आदिवासियों और किसानों के कई बड़े आंदोलन सामने आए हैं, लेकिन निरंकुश, हिंसक विद्रोह एक बार भी नहीं भड़का. मोदी सरकार के दौरान ही किसान आंदोलन एक साल से भी अधिक समय तक जारी रहा. कई किसान मारे गए. अंतत: तंबू समेटने पड़े. मांगें आज तक भी अपूर्ण हैं, लेकिन किसानों ने देश की निर्वाचित सरकार के खिलाफ बगावत नहीं की. संवाद आज भी जारी हैं. बहरहाल खालिस्तान या पूर्वोत्तर राज्यों के उग्रवाद कोई आंदोलन नहीं, आतंकवाद के करीब थे. उन्हें भी सरकार के साथ संवाद की मेज पर आना पड़ा. दरअसल विश्व की आर्थिक महाशक्तियों के देशों में भी बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक तनाव, विरोध-प्रदर्शन के हालात बने रहे हैं. भारत 146 करोड़ से अधिक की सर्वाधिक आबादी वाला देश है, जिसकी आर्थिक विकास दर औसतन 6 फीसदी से ज्यादा रही है. बेशक टॉप 1 फीसदी लोगों के पास करीब 40 फीसदी संपत्ति है और निचले 50 फीसदी के पास सिर्फ 13 फीसदी है. यह आर्थिक असमानता गुलाम भारत में भी थी और आज स्वतंत्र भारत में भी है. यह अमरीका, जर्मनी, फ्रांस और चीन में भी है. हमारे 543 सांसदों में से 504 सांसद करोड़पति हैं. जो 324 सांसद फिर से 2024 में भी जीत कर आए हैं, उनकी संपत्ति 5 साल में करीब 43 फीसदी बढ़ी है. प्रत्येक भारतीय पर औसतन कर्ज 4.8 लाख रुपए है. यह कर्ज दो साल में करीब 90,000 रुपए बढ़ा है. देश में महंगाई दर 1.55 फीसदी और बेरोजगारी दर 5.2 फीसदी से कुछ अधिक है. बेशक स्थितियां बेहतर हुई हैं, लेकिन कुछ प्रवक्ताओं को आज भी 1970-80 वाला भारत लगता है, जब मुद्रास्फीति 15-20 फीसदी के बीच रहती थी. कमोबेश आज भी भारत में नेपाल जैसी स्थितियां नहीं हैं. कुछ विदेशी, दुराग्रही कंपनियों के डाटा दिखा कर भारत को भी 'नेपाल' या 'श्रीलंका' की तरह चित्रित किया जा रहा है, लेकिन भारत ही ऐसा लोकतंत्र है, जहां सत्ता का हस्तांतरण, चुनाव के बाद, सहजता और सौहार्द से हो जाता है. नेपाल में प्रधानमंत्री का कार्यकाल औसतन एक साल से भी कम रह पाता है, क्योंकि वह बहुमत खो देता है. संविधान और लोकतंत्र की मजबूती ही बुनियादी कारण है, जिसके आधार पर भारत कभी भी नेपाल नहीं हो सकता. यह भी सच्चाई है कि भारत ने हमेशा अपने पड़ोसियों की मदद की है और वहां शांति का समर्थन किया है.

अन्तरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस (15 सितम्बर) पर विशेष

लोकतंत्र: दुनिया की सबसे अच्छी शासन व्यवस्था

डॉ. लोकेश कुमार

आज विश्व में लोकतंत्र सबसे अच्छी शासन व्यवस्था है, जिसमें व्यक्ति को शासन में भागीदारी करने का मौका मिलता है. अन्तरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस हर वर्ष 15 सितम्बर को पूरे विश्व में मनाया जाता है. इसकी स्थापना 2007 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से की गई थी. इसका मुख्य लक्ष्य लोकतंत्र को मजबूत और सुदृढ़ बनाना है. लोकतंत्र का तात्पर्य जनता के शासन से माना जाता है, जिसमें जनता शासन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भागीदारी निभाती है. अब्राहम लिंकन के अनुसार लोकतंत्र ' जनता का, जनता द्वारा और जनता के लिए शासन है.' उन्होंने लोकतंत्र को केवल एक राजनीतिक प्रणाली के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे शासन के रूप देखा जो समानता और स्वतंत्रता के आदर्शों पर आधारित है . ब्रिटिश राजनीतिक दार्शनिक जॉन स्टुअर्ट मिल का मानना था कि लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था ही सबसे अच्छी है. लेकिन, सच्चा प्रजातंत्र तो वह है, जिसमें सभी नागरिक प्रत्यक्ष रीति से शासन कार्य में भाग लेते हैं, किन्तु यह प्रयोग संभव नहीं है. वर्तमान दौर में बड़े-बड़े देशों में प्रत्यक्ष प्रजातंत्र चलना संभव नहीं है. लोकतंत्र में सर्वोत्म शासन अप्रत्यक्ष प्रजातंत्र या प्रतिनिधिमूलक शासन ही होना चाहिए . यद्यपि यह लोकतंत्र व्यवस्था पूर्णतया दोषमुक्त नहीं है, लेकिन फिर भी उसको अच्छा बनाया जा सकता है. लोकतंत्र का जन्म यूनान में हुआ है. ईसा से लगभग सात-आठ सौ वर्ष पूर्व यूनानी सभ्यता विकसित हो चुकी थी. यहां सैकड़ों जनसमूह भिन्न-भिन्न घाटियों में जीवन व्यतीत करते थे. ऐसे जनसमूहों के प्रदेशों को नगर राज्य कहा जाता था. यहां के लोगों ने राजनीतिक संगठन कायम किए. नगर राज्य में ग्रामीण एक-दूसरे से पृथक रहकर भी सामुदायिक जीवन व्यतीत करते थे. इनके सामुदायिक हित भी समान रूप से थे. यूनान के एथेंस में प्रत्यक्ष लोकतांत्रिक व्यवस्था थी. यहां के सभी नागरिक एक्लीजिया नामक परिषद में इकट्ठे होकर नगर में शासन व्यवस्था चलाने पर विचार-विमर्श किया करते थे और वहां के सभी नागरिकों को शासन में भागीदारी निभाने का बारी-बारी से मौका मिलता था. 461-629 ई.पू. में एथेंस की प्रत्यक्ष लोकतांत्रिक व्यवस्था उन्नति के शिखर पर विराजमान थी. इस नगर का भू-भाग लगभग 1000 वर्ग मील था. इसकी जनसंख्या लगभग 3-4 लाख के मध्य थी. प्रसिद्ध इतिहासकार प्रो. रोमिला थापर कहती है कि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था के गुण वैदिक काल और 600 ईसवी पूर्व में ही मिलने लगे थे. वर्तमान दौर की संसद की तरह प्राचीन समय में परिषदों का निर्माण किया गया था, जो वर्तमान संसदीय व्यवस्था मिलता -जुलता है. ऐसा अनुमान है कि वैदिककालीन 'सभा ' जन (कबीला) के वृद्ध लोगों की परिषद रही होगी और समिति सारे जन की एक सामान्य परिषद होगी. जिस कबिला में निर्वाचित राजा नहीं होता था, ये परिषदें, सरकार के कर्तव्यों और अधिकारों का निर्वहन करती थीं. लगभग 600 ई.पू. हिमालय की तलहटियों में, उनके कुछ दक्षिण और आधुनिक पंजाब में प्रजातंत्र राज्य बसे हुए थे, जबकि भारत के राजतंत्र गंगा के मैदानों में केन्द्रित थे. राजतंत्रों की अपेक्षा प्रजातंत्र व्यक्तिवादी और स्वतंत्र मत के कम विरोधी थे और आगे चलकर महत्वपूर्ण सामाजिक और धार्मिक रूढ़िमुक्तता का रूप धारण करने वाले दो सम्प्रदायों के नेता प्रजातंत्रों में ही उत्पन्न हुए थे. बुद्ध का सम्बंध शाक्य जन और जैन मत के संस्थापक महावीर का यांत्रिक जन से था. जब भारत देश को स्वतंत्रता मिली सभी ने लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था अपनाने पर जोर दिया. भारत में 75 साल से लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था बनी हुई है. लेकिन दुर्भाग्य है कि हाल ही के वर्षों में हमारे दो पड़ोसी मुल्कों में लोकतांत्रिक सरकारों के खिलाफ कुछ युवाओं ने हिंसात्मक आन्दोलन करके सरकारों को बेदखल कर दिया. राजनीतिक चिंतक डॉ. धर्मवीर चंदेल कहते हैं कि दुनिया में लोकतंत्र ही अच्छी शासन व्यवस्था है, लेकिन चुनी हुई सरकारों को जनता के हितों के लिए काम करना चाहिए. बहरहाल,यह कह सकते हैं कि लोकतांत्रिक सरकारें भी अपने देश में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और आर्थिक खाई पर लगाम लगाने का प्रयास करें नहीं तो आज का युवा चुनी हुई सरकारों के खिलाफ हो सकता है. दो राय नहीं कि लोकतांत्रिक व्यवस्था दुनिया की सबसे अच्छी शासन व्यवस्था साबित होती रही है. ***(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)***

मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया: आधुनिक भारत के विश्वकर्मा और विकास के अग्रदूत

अभियंता दिवस (15 सितम्बर) पर विशेष

– योगेश कुमार गोयल

इंजीनियरिंग अब एक बेहद विस्तृत क्षेत्र है. वर्तमान समय में देश में कई महत्वपूर्ण विषयों में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराई जाती है. प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को भारत में 'इंजीनियर्स डे' (अभियंता दिवस) मनाया जाता है और आज के समय में अभियंता दिवस मनाने का उद्देश्य भारत में विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित करना भी है. इंजीनियर अपनी कुशलता से विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्यों को गति प्रदान कर देश को समृद्ध और विकसित बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. राज्य तथा देश के विकास में इंजीनियरों के महत्वपूर्ण योगदान के चलते ही भारत आज इंजीनियरिंग तथा आईटी के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश है. सही मायनों में देश के विकास के धुरी इंजीनियर ही हैं, जिनका देश के विकास में सबसे महत्वपूर्ण योगदान होता है. दरअसल, आपदा प्रबंधन से लेकर निर्माण तक कोई भी कार्य इंजीनियरों के बिना सम्पन्न नहीं हो सकता. मानव जीवन में रचनात्मक बदलाव का श्रेय इंजीनियरों को ही जाता है. देश की आजादी के बाद प्रतिभावान इंजीनियरों ने नए भारत के निर्माण तथा विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है. शहरों तथा गांवों के समग्र विकास के लिए सड़कों, पुलों, सिंचाई जलाशयों सहित अधोसंरचना के निर्माण के लिए निरंतर कार्य हो रहे हैं. देश में प्रतिवर्ष अभियंता दिवस इसीलिए मनाया जाता है ताकि देशभर के इंजीनियरों को प्रोत्साहित किया जा सके और हमारे इंजीनियर अपने ज्ञान और कौशल की बदौलत देश को तरक्की की नई राह पर आगे ले जाएं. इंजीनियरिंग के बारे में अमेरिका के जाने-माने इंजीनियर हेनरी पेट्रोस्की ने कहा था कि विज्ञान का अर्थ है जानना जबकि इंजीनियरिंग का अर्थ है करना अथवा करके दिखाना. भारत के महान अभियंता और भारत रत्न से सम्मानित मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिन को ही भारत में इंजीनियर्स डे के रूप में मनाया जाता है, जो वास्तव में अभियंताओं का संकल्प दिवस माना जाता है. इस वर्ष यह दिवस 'डीप टेक और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता: भारत के टेकएड को आगे बढ़ाना' थीम के साथ मनाया जा रहा है, जो भारत की तकनीकी यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ रही है. भारत के महान इंजीनियरों में से एक मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया द्वारा इंजीनियरिंग के क्षेत्र में दिया गया असाधारण योगदान अविस्मरणीय है, जिन्हें भारतीय सिविल इंजीनियरिंग का जनक तथा आधुनिक भारत का विश्वककर्मा भी कहा जाता है. देशभर में बने कई नदियों के बांधों और पुलों को सफल बनाने के पीछे कर्नाटक में मैसूर के कोलार जिले में 15 सितम्बर 1860 को जन्मे विश्वेश्वरैया का बहुत बड़ा योगदान रहा. एक इंजीनियर के रूप में उन्होंने देश में मैसूर में कृष्णाराज सागर बांध, पुणे के खड़कवासला जलाशय में बांध, ग्वालियर में तिगरा बांध इत्यादि कई महत्वपूर्ण बांध बनवाए. हैदराबाद शहर को बनाने का पूरा श्रेय भी 'फादर ऑफ मॉडर्न मैसूर स्टेट' कहे जाने वाले विश्वेश्वरैया को ही जाता है. दरअसल मैसूर सरकार के साथ मिलकर उन्होंने मैसूर संदल ऑयल एंड सोप फैक्टरी, मैसूर आयरन एंड स्टील फैक्ट्री, मैसूर चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, विश्वेश्वरैया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, परजीवी प्रयोगशाला, श्री जयचमराजेंद्र पॉलीटेक्निक संस्थान, बैंगलोर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, सेंचुरी क्लब इत्यादि कई फैक्ट्रियों और शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना करवाई थी. विश्वेश्वरैया द्वारा शुरू की गई बहुत सी परियोजनाओं के कारण देश आज गर्व का अनुभव करता है. उन्होंने एक बाढ़ सुरक्षा प्रणाली तैयार की थी, जिसके बाद वे देशभर में विख्यात हो गए थे. विशाखापत्तनम बंदरगाह की समुद्री कटाव से सुरक्षा के लिए एक प्रणाली विकसित करने में भी उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. घर-घर में प्राकृतिक जल स्रोतों से पानी पहुंचाने की व्यवस्था करने के अलावा गंदे पानी की निकासी के लिए नाली-नालों की समुचित व्यवस्था भी विश्वेश्वरैया ने ही की थी. तिरुमला और तिरुपति के बीच सड़क निर्माण के लिए योजना को अपनाने में उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई थी. उनके इन प्रयासों ने ही आधुनिक भारत की रचना करने के साथ देश को एक नया रूप भी प्रदान किया. 1955 में उन्हें सर्वोच्च भारतीय सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया. इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एम विश्वेश्वरैया के उल्लेखनीय योगदान के मद्देनजर वर्ष 1968 में उनकी जन्मतिथि को भारत सरकार द्वारा 'अभियंता दिवस' घोषित किया गया. तभी से प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को अभियंता दिवस मनाया जाता है. विश्वेश्वरैया की जयंती पर मनाया जाने वाला यह दिवस वास्तव में देश के विकास में योगदान देने और देश का मान बढ़ाने वाले इंजीनियरों के सम्मान में समर्पित होता है. शुरुआती पढ़ाई मैसूर में करने के बाद विश्वेश्वरैया ने 1881 में मद्रास यूनिवर्सिटी के सेंट्रल कॉलेज से बीए की परीक्षा उत्तीर्ण की. उसके बाद मैसूर सरकार से उन्हें सहायता मिली और उन्होंने पूना के साइंस कॉलेज में इंजीनियरिंग के लिए दाखिला लिया. 1883 की एल.सी.ई. और एफ.सी.ई. परीक्षा में उन्होंने प्रथम स्थान हासिल किया और उनकी योग्यता को देखते बॉम्बे सरकार ने उन्हें नासिक में सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त किया. एक इंजीनियर के रूप में उसके बाद उन्होंने अनेक अद्भुत कार्यों को अंजाम दिया. विश्वेश्वरैया एक आदर्शवादी और अनुशासन प्रिय व्यक्ति थे, जो अपने हर कार्य को परफैक्शन के साथ करते थे. 92 वर्ष की आयु में भी वे बिना किसी सहारे के चलते थे और सामाजिक तौर पर सक्रिय रहते थे. कोई भाषण देने से पहले वे स्वयं उसे लिखते थे और फिर कई बार उसका अभ्यास करते थे. अपनी योग्यता से उन्होंने बड़े-बड़े ब्रिटिश इंजीनियरों के समक्ष भी अपनी योग्यता और प्रतिभा का लोहा मनवाया. 1905 में उन्हें ब्रिटिश शासन द्वारा 'कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द इंडियन एंपायर' से सम्मानित किया गया था. विश्वेश्वरैया वर्ष 1912 से 1918 तक मैसूर के 19वें दीवान रहे. 1903 में विश्वेश्वरैया ने पुणे के खड़कवासला जलाशय में ऐसा बांध बनवाया, जिसमें इस्पात के ऐसे दरवाजे थे, जो बाढ़ के दबाव को भी झेल सकते थे और इससे बांध को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता था. उस बांध की सफलता के बाद उन्होंने ग्वालियर में तिगरा बांध भी बनवाया. 1932 में कावेरी नदी पर बने कृष्णा राज सागर बांध के निर्माण परियोजना में वे चीफ इंजीनियर थे. हालांकि उस बांध के निर्माण का कार्य बेहद कठिन कार्य था क्योंकि उस समय देश में सीमेंट का उत्पादन नहीं होता था लेकिन दृढ़ इरादों के धनी विश्वेश्वरैया ने इंजीनियरों के साथ मिलकर सीमेंट से कहीं ज्यादा मजबूत 'मोर्टार' तैयार किया और उससे उस बांध का निर्माण कराया, जिसमें कावेरी, हेमावती और लक्ष्मण तीर्थ नदियां आपस में मिलती है. उस समय इस बांध को एशिया का सबसे बड़ा बांध कहा जाता था. इंजीनियरिंग के क्षेत्र में ऐसे ही अद्भुत कार्यों के कारण विश्वेश्वरैया के जन्मदिन को उन्हें सम्मान प्रदान करने के उद्देश्य से अभियंता दिवस के रूप में मनाया जाता है. 14 अप्रैल 1962 को 101 वर्ष की आयु में विश्वेश्वरैया का निधन बेंगलुरू में हुआ. भारत में जहां प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को अभियंता दिवस मनाया जाता है, वहीं कई अन्य देशों में भी यह दिवस अलग-अलग अवसरों पर मनाया जाता है. यह दिवस ईरान में 24 फरवरी, बेल्जियम में 20 मार्च, आइसलैंड में 10 अप्रैल, बांग्लादेश में 7 मई, पेरू में 8 जून, इटली में 15 जून, अर्जेंटीना में 16 जून, मैक्सिको में 1 जुलाई, कोलम्बिया में 17 अगस्त, रोमानिया में 14 सितम्बर और तुर्की में 5 दिसम्बर को मनाया जाता है. वैसे भारत सहित सभी देशों में इस दिवस के आयोजन का मूल उद्देश्य अपने देश के इंजीनियरों के प्रति सम्मान व्यक्त करना तथा उनके कार्य की सराहना करना ही है.

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

आपका जन्मदिन मंगलमय हो

15 सितम्बर

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्म तारीख 15 सितम्बर है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का अधिष्ठाता ग्रह शुक्र है. आपका जन्मांक वृषभ व तुला राशि के अन्तर्गत आता है. इस माह का अधिष्ठाता ग्रह बुध है. आप बुध एवं शुक्र ग्रह के सम्मिलित प्रभाव में रहेंगे. आप आकर्षक व्यक्तित्व के धनी होंगे. आपका मुख्य उद्देश्य सुख शान्ति का जीवन व्यतीत करना होगा. आप में बुद्धि एवं भावना का उचित तालमेल रहेगा. आकस्मिकता आपको जीवन की प्रधान विशेषता होगी. नेतृत्व गुण की प्रधानता रहेगी. जनकल्याण की ओर आपका रुझान अधिक रहेगा. विपरीत परिस्थितियों में भी आप सदैव मुस्कुराते रहेंगे आप कुछ ईर्ष्यालु भी होंगे. आप शारीरिक श्रम की उपेक्षा मानसिक श्रम को ज्यादा महत्व देंगे. आप व्यवस्थित जीवन व्यतीत करना चाहेंगे. भोग-विलासिता की ओर आपका रुझान अधिक रहेगा. आप आधुनिक प्रेमी होंगे. आप जनसम्पर्क का लाभ प्राप्त करने में सक्षम होंगे. प्रेम-सौन्दर्य व ललित कलाओं में आप अधिक रूचि लेंगे. आप दूसरों की प्रगति देखकर उससे भी आगे निकल जाने की कोशिश करेंगे. आपकी स्मरण शक्ति श्रेष्ठ होगी. आपका गृहस्थ जीवन सामान्य-सा रहेगा. सुख-सौभाग्य एवं सफलता के लिए इष्ट देवी-देवता की पूजा एवं अर्चना नियमित रूप से करें. जीवन में सफेद रंग की वस्तुओं का प्रयोग करें. शुक्रवार के दिन इन्हीं रंगों से सम्बन्धित वस्तुओं का दान भी करें. तन-मन-कर्म-वचन से शुचिता का पालन करें. भाग्योदय के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ शुं शुक्राय नम:	मास	:	फरवरी, अप्रैल एवं नवम्बर
व्रत	:	शुक्रवार	वर्ष	:	6, 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69
दिन	:	सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार	रंग	:	हल्का नीला एवं सफेद
दिनांक	:	6, 15, 24	जन्मरत्न	:	हीरा
उपरत्न	:	सफेद पुखराज	अंक	:	4, 5, 8
जड़ी	:	अरण्ड की जड़	दिशा	:	आग्नेय

वर्ष का महत्वपूर्ण समय 20 अप्रैल से 21 मई, 23 सित. से 20 अक्टू.

यंत्र

11	6	13
12	10	8
7	14	9

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2025

मेष: परिस्थितियों में क्रमिक सुधार, पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्ति, अपने स्तर को बनाये रखने के लिए अधिक व्यय, कार्य क्षमता व मान सम्मान में वृद्धि, यात्रा सुखद.

वृषभ : दिन शुभ, धमागम का सुयोग, परिश्रम के अनुरूप सफलता, दूसरों की सलाह से कामयाबी, बुद्धि का विकास, घरेलू समस्याएं सुलझने की ओर, मन में खुशी.

मिथुन: शुभ भावनाओं का उदय, उन्नति का सुअवसर, अधिकारियों से अपेक्षित सहयोग, सुसंदेश मिलने से खुशी, व्यक्तित्व का विकास, धार्मिक क्रियाकलापों में रुचि.

कर्क : विचारित योजना अधूरी, शंका-कुशंका प्रभावी, कार्यों में विफलता, आय में कमी, किसी बात को लेकर परेशानी, शत्रु सक्रिय, मित्रों से तनाव, आवागमन में निराशा.

सिंह : समय अनुकूल, दूसरों के आश्वासनों से मानसिक राहत, आपसी सम्बन्धा में कमी की अनुभूति, विशिष्टजनों से सम्पर्क का लाभ, सुख के साधन उपलब्ध.

कन्या: कार्यों में महत्वपूर्ण सफलता, परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण, आपसी सम्बन्धों में मधुरता, धर्म के प्रति आस्था, स्थान परिवर्तन की दिशा में कार्यक्रम.

तुला: व्यापार में धन निवेश, अधीस्थ सहयोगियों से सहयोग, कार्यक्षमता में वृद्धि, राजकीय पक्ष से लाभान्वित, यश-मान-प्रतिष्ठा का सुयोग, आवागमन में अनुकूलता.

वृश्चिक : विविध पक्षों में निराशा, स्वास्थ्य में शिथिलता, किसी बात को लेकर परेशान, अपेक्षित सहयोग का अभाव, यात्रा में परेशानी, विश्वासघात की आशंका, धन-हानि.

धनु : किसी योजना पर कार्यारम्भ, व्यापारिक वातावरण मनोनुकूल, नवसम्पर्क से कुछेक मसले हल, मनोरंजन की ओर रुझान, व्यक्तित्व का विकास, यात्रा संजोषजनक.

मकर: व्यवसाय में विस्तार, प्रभावशाली हस्तियों से सहयोग, निजी जिन्दगी में सुख के साधन सुलभ, अपने स्तर को बनाये रखने के लिए व्यय, कर्ज की निवृत्ति.

कुम्भ: दिनचर्या अनुकूल, जटिल समस्याओं का संतोषजनक समाधान, आपसी सम्बन्धों में प्रगाढ़ता, वैवाहिक अड़चनें समाप्त, बकाए धन की प्राप्ति से खुशी, यश में वृद्धि.

मीन: परिश्रम के बावजूद आंशिक सफलता, जोखिम से नुकसान, कार्यों में विफलता, पारिवारिक शारीरिक कष्ट, किसी से विश्वासघात की आशंका, स्वजनों से मनमुटाव.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

अनियंत्रित इस्राईल : विश्व शांति के लिये सबसे बड़ा ख़तरा

– तनवीर जाफ़री

गत 9 सितंबर को दोपहर बाद इस्राईल के 15 फ़ाइटर जेट्स और 10 से अधिक म्यूनिशन ने जिसमें स्टैंड-ऑफ़ मिसाइलें और स्टील्थ तकनीक शामिल थी, ने इस्राईल से 1800 किलोमीटर की उड़ान भरकर क़तर की राजधानी दोहा के कटारा और वेस्ट बे लैगून इलाक़ों में हमले करके उन सभी इमारतों को उड़ा दिया जहां हमास के कई शीर्ष नेता या तो रहा करते थे या उनके कार्यालय थे. इस हमले में 40 से ज़्यादा लोग मारे गए. हमास ने दावा किया कि इस्राईली हमले में उनकी मुख्य वार्ताकार टीम बच गई, लेकिन पांच सदस्य, जिसमें ख़लील अल-हय्या का बेटा और एक क़तरी सुरक्षा अधिकारी शामिल था, मारे गए. क़तर में हुआ यह हमला मध्य पूर्व में तनाव को और बढ़ाने वाला साबित हो सकता है. इस्राईल के इस क़दम को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए बड़ा ख़तरा माना जा रहा है. यह पहला अवसर है जबकि इस्राईल ने अपने लक्ष्य को भेदने की ग़रज़ से क़तर में हमला किया है. इस हमले के तुरंत बाद क़तर ने अपने हवाई क्षेत्र की निगरानी बढ़ा दी. हालांकि, क़तर एयरवेज की उड़ानें सामान्य रूप से जारी रहीं. क़तर के प्रधानमंत्री शेख़ मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल-थानी ने कहा कि यह हमला ग़ज़ा में युद्ध विराम की मध्यस्थता के लिए क़तर के प्रयासों को पटरी से उतार सकता है. क़तर ने इस हमले को कायराना और अंतरराष्ट्रीय क़ानूनों का घोर उल्लंघन क़रार दिया. क़तर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजेद अल-अंसारी ने इस हमले को क़तर की संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए ख़तरा बताया. उधर इस्राईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और इस्राईल सुरक्षा बलों ने इस हमले की पूरी ज़िम्मेदारी लेते हुये कहा कि यह हमला सटीक हथियारों से और पुख़्ता ख़ुफ़िया जानकारी के आधार पर किया गया, ताकि नागरिकों को नुक़्सान कम हो. इस्राईल के अनुसार हमास के नेता, जिन्हें दोहा में निशाना बनाया गया वही 7 अक्टूबर 2023 के हमले के लिए ज़िम्मेदार थे और ग़ज़ा में युद्ध को संचालित कर रहे थे. अमेरिका में इस्राईली राजदूत ने यह भी कहा कि अगर इस हमले में हमास के कुछ नेता बच गए हैं तो अगले हमले में उन्हें भी निशाना बनाया जाएगा. इस क़दम को इस्राईल की आक्रामक रणनीति के उस हिस्से की शक्ल में देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य हमास को पूरी तरह समाप्त करना है, चाहे वह किसी भी देश में क्यों न हो. परन्तु हमास नेताओं को लक्षित कर क़तर पर किये गये इस्राईली हमले को एक अभूतपूर्व क़दम के रूप में इसलिये देखा जा रहा है क्योंकि क़तर अमेरिका का प्रमुख सहयोगी और ग़ज़ा युद्धविराम वार्ता का मध्यस्थ है. क़तर में ही अमेरिका का अल-उदईद एयरबेस भी है जहां क़रीब 10,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं. यह एयरबेस इस्राईल द्वारा किये गये हमले की जगह से केवल 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. इस्राईल की इस आक्रामक कार्रवाई ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव को और बढ़ा दिया है, और ग़ज़ा में शांति प्रक्रिया को और जटिल कर दिया है. इस हमले ने मध्य पूर्व में अमेरिकी प्रभाव को भी कमज़ोर किया है और तुर्की जैसे अन्य देशों के लिए भी ख़तरे की आशंका पैदा की है. इस्राईल की इस आक्रामक व उकसाने वाली कार्रवाई की विश्व के अनेक देशों ने निंदा की है. क़तर सरकार ने हमले को आपराधिक हमला क़रार देते हुए इसकी कड़ी निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय क़ानून तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर का स्पष्ट उल्लंघन बताया है . क़तर ने अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए सभी उपायों का समर्थन किया. जबकि जॉर्डन के किंगअब्दुल्ला द्वितीय ने फ़िलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाक़ात के दौरान क़तर में हुये इस्राईली हमले की निंदा की. उन्होंने इज़राइल के ग़ज़ा पर नियंत्रण बढ़ाने और वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार को भी ख़ारिज किया साथ ही ग़ज़ा में युद्धविराम, मानवीय सहायता और द्वि-राष्ट्र समाधान पर ज़ोर दिया. वहीँ संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख़ अब्दुल्ला बिन ज़ायद ने मिस्र के विदेश मंत्री से मुलाक़ात में इस हमले को अंतरराष्ट्रीय क़ानून तथा यूएन चार्टर का उल्लंघन क़रार दिया. उन्होंने वैश्विक स्तर पर इस्राईल की आक्रामकताओं को रोकने की अपील भी की. इसी तरह मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फ़तह अल-सीसी ने कुवैत के अमीर से फ़ोन पर हुई बातचीत में क़तर के प्रति पूर्ण एकजुटता व्यक्त करते हुये इस हमले को क़तर की संप्रभुता पर अस्वीकार्य अतिक्रमण बताया और इसे अंतरराष्ट्रीय क़ानून का उल्लंघन क़रार दिया. जबकि कुवैत के अमीर, शेख़ मिशाल अल-अहमद अल-जाबर अल-सबाह ने भी हमले को संप्रभुता पर अतिक्रमण बताया और अंतरराष्ट्रीय क़ानून का उल्लंघन क़रार दिया. ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने इस हमले को आतंकवादी आक्रामकता बताते हुये क़तर के प्रति एकजुटता व्यक्त की और इज़राइल को क्षेत्रीय तथा वैश्विक शांति के लिए तत्काल ख़तरा बताया. ट्यूनीशिया के विदेश मंत्रालय ने भी हमले को कुटिल और दुष्ट हमला क़रार देते हुये क़तर के प्रति पूर्ण एकजुटता व्यक्त की और अरब सुरक्षा को इस्राईल के ख़तरों से बचाने पर ज़ोर दिया. दुनिया के कई देशों ने इस हमले को लेकर सुरक्षा परिषद् की आपात बैठक बुलाने की बात भी की. अभी क़तर के हमले को लेकर दुनिया के अनेक देश अपनी तीखी प्रतिक्रिया दे ही रहे थे कि इसी बीच नेतन्याहू ने यह घोषणा भी कर दी कि ग़ज़ा के 40 प्रतिशत हिस्से पर इस्राईली सुरक्षा बालों का नियंत्रण हो चुका है. साथ ही इस्राईली सुरक्षा बालों की ओर से ग़ज़ा में बचे शेष लोगों से भी ग़ज़ा छोड़ने को कहा गया है. और इसी के अगले दिन यानी 11 सितंबर को इस्राईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बार फिर फ़िलिस्तीनी राज्य के अस्तित्व को मानने से ही स्पष्ट रूप से इंकार कर दिया. उन्होंने वेस्ट बैंक के मा'अले अदुमिम निपटान में एक समारोह के दौरान कहा कि फ़िलिस्तीनी राज्य नहीं बनेगा और यह जगह हमारी है. यह बयान उस समय दिया गया जब वे एक विवादास्पद निपटान विस्तार समझौते पर हस्ताक्षर कर रहे थे, जो फ़िलिस्तीनी क्षेत्र को विभाजित करने का प्रयास माना जा रहा है. दक्षिणपंथी नेतन्याहू पहले भी द्वि राष्ट्र का विरोध करते रहे हैं. उनका यह ताज़ा बयान भी फ़िलिस्तीनी राज्य की संभावना को नष्ट करने का प्रयास माना जा रहा है. नेतन्याहू उस फ़िलिस्तीनी राज्य के अस्तित्व को मानने से इंकार कर रहे हैं जिसने जर्मन से हिटलर द्वारा निष्कासित इन्हीं यहूदियों को मानवता के नाते अपनी धरती पर पनाह दी. अभी पिछले दिनों फ़िलिस्तीन को राज्य का दर्जा देने के पक्ष में संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत सहित 142 देशों द्वारा एक बार फिर मतदान किया गया. फ़िलिस्तीन के समर्थन में आये इस प्रस्ताव में इस्राईल द्वारा की जा रही हिंसा की निंदा की गयी साथ ही ग़ज़ा में इस्राईली बस्ती बसाने की योजना को भी समाप्त करने की मांग की गई है. अमेरिका व इस्राईल सहित केवल 10 देशों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया जबकि शेष दुनिया फ़िलिस्तीन के साथ खड़ी दिखाई दी. परन्तु अतिवादी सोच के नेतन्याहू पूरी दुनिया को ठेंगा दिखाने की ठाने हुये हैं. कहना ग़लत नहीं होगा कि मानवता के दुश्मन व अंतर्राष्ट्रीय नियमों की धज्जियाँ उड़ाने वाले दक्षिणपंथी नेतन्याहू फ़िलिस्तीन में अपना जंगल राज स्थापित करना चाहते हैं. मानवता की रक्षा के लिये ऐसे कुत्सित इस्राईली प्रयासों को पूरे विश्व को मिलकर रोकना होगा.

न्यूज कॉर्नर

बीपीएल कोटे के नामांकन में धांधली के खिलाफ पुतला दहन

धनबाद : मेमको मोड़ चौक पर आजसू छात्र संघ के बैनर तले जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार का पुतला दहन किया गया. यह कार्यक्रम प्रदेश महासचिव विशाल महतो के नेतृत्व में आयोजित हुआ. प्रदेश महासचिव विशाल महतो ने कहा कि वर्ष 2025 में आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में बीपीएल कोटे के नामांकन के लिए चयनित सूची सार्वजनिक नहीं की गई है, जबकि प्रति वर्ष यह सूची जारी की जाती रही है. आजसू छात्र संघ ने बीते 09 सितम्बर 2025 को मांगपत्र सौंपकर सूची जारी करने की मांग की थी, जिस पर 2 दिनों के भीतर कार्रवाई करने का आश्वासन मिला था. किंतु 5 दिन बीत जाने के बाद भी चयनित सूची जारी नहीं की गई, और बिना सूची जारी किए ही नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गई.उन्होंने आरोप लगाया कि बीपीएल कोटे के नामांकन में बड़े पैमाने पर धांधली और हेर-फेर हो रहा है. यह प्रक्रिया एक कारोबार का रूप ले चुकी है, जिसमें लाखों-करोड़ों का खेल चलता है. पारदर्शिता के अभाव में गरीब और जरूरतमंद बच्चों को उनके अधिकार से वंचित किया जा रहा है. चयनित सूची को जानबूझकर दबा दिया गया है, जिसमें जिला शिक्षा अधीक्षक की संलिप्तता भी स्पष्ट दिखाई देती है.आगे जिला अध्यक्ष विकास कुमार ने कहा कि यदि जिला शिक्षा विभाग जल्द से जल्द चयनित सूची सार्वजनिक नहीं करता, तो आजसू छात्र संघ व्यापक और उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा.कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख सदस्यआजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य रतिलाल महतो, जिला महासचिव नितेश महतो, छात्र नेता कुमार, सुरेश सिंह, राज हाजरा, भीम महतो, शुभम रजक, बिट्टू दास, भोला पासवान, रौनक राज, बिष्णु गोप, विवेक पांडेय, बंटी हाड़ी, विवेक गोप, आकाश पांडेय, कबीर यदुवंशी, रोहित महतो, आकाश शर्मा और मानस महतो सभी उपस्थित थे.

नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

धनबाद: नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति श्याम नगर भूली में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया . जिसमें रक्त संग्रह करने के लिए एसजेएस हॉस्पिटल धनबाद को बुलाया गया. इस रक्तदान शिविर में कई रक्तदाताओं ने अपने जीवन का पहला रक्तदान किया. रक्तदान शिविर में आए हुए रक्तदाता एवं रक्तदात्री ने अपना-अपना अनुभव बताया की रक्त देने से हम लोग कई व्यक्तियों का जीवन बचा सकते हैं. आज के इस रक्तदान शिविर में कुल 40 यूनिट रक्त संग्रह किया गया जिसमें सभी रक्तदाता एवं रक्तदात्री को मोमेंटो एवं सर्टिफिकेट से नवाजा गया.साथ ही जिन रक्तदाताओं ने अपने जीवन का पहला रक्तदान किया उन्हें अलग से सम्मान दिया गया.आज के इस कार्यक्रम में एस जे ए एस अस्पताल के सुदीप पांडे एवं उनके पूरे टीम ने मिलकर इस रक्तदान शिविर में आए हुए रक्तदाताओं को मोटिवेट किया और रक्त संग्रह करने में मदद की. इस रक्तदान शिविर में रोटी बैंक यूथ क्लब के अध्यक्ष रवि शेखर मेड फाउंडेशन के अध्यक्ष गोपाल भट्टाचार्य नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति के अध्यक्ष राकेश कांति विश्वास संयोजक राजेंद्र प्रसाद साहू सचिव दिलबाग सिंह मीडिया प्रभारी नीलकमल खवास, गोपाल बैनर्जी, सोनू कुमार प्रदीप बाउरी, सरोज कुमार,रिंकू साहू मिंटू साहू, संदीप साहू, हुसैन जहांगीर,प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, मुस्कान परवीन, परविंदर सिंह, रिंकल सिंह, स्वप्न राय, गोपाल दे,सुजल कुमार, ओमू कुमार, शुभम कुमार, और विश्वजीत मुखर्जी, राजीव बनर्जी , संदीप कुमार साव , ने अपना योगदान दिया.

शांति व्यवस्था बिगाड़ने का दुस्साहस नहीं करें, करेंगे कड़ी कार्रवाई: एसडीपीओ

साहिबगंज : नगर थाना व जिरवाबाड़ी थाना में दुर्गापूजा को लेकर रविवार को शांति समिति की बैठक हुई. अध्यक्षता सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने की. इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी को शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने में एक दूसरे को सहयोग करना चाहिए. शांति व्यवस्था बिगाड़ने का दुस्साहस ना करे कोई वरना कानून में दी गई हदों तक कड़ी कार्रवाई की जाएगी. कहा कि पूर्व में भी यहां के शांति प्रिय लोगों ने साम्प्रादायिक सौहार्द बनाने में एक दूसरे को सहयोग किया है. इस बार भी सभी का सहयोग प्रशासन को मिलेगा. असामाजिक तत्व होश में आ जाएं, क्योंकि प्रशासन ने इस बार पूरी तैयारी कर रखी है. सभी जगहों पर दंडाधिकारी व सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी. जगह- जगह बैरिकेडिंग की जाएगी. सीसीटीवी व ड्रोन कैमरों से निगरानी होगी. एसडीपीओ से शांति समिति सदस्यों ने सौहाद्र पूर्ण दुर्गा पूजा मानने में एक दूसरे को सहयोग करने की बात कही. वहीं एसडीपीओ ने कहा कि किसी प्रकार का किसी भी धर्म या समुदाय को ठेस पहुंचाने वाले पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. किसी प्रकार का अफवाह सोशल मीडिया या अन्य माध्यम से फैलाने की कोशिश करने वालों व शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने वालों से पुलिस सख्ती से निपटेगी. बताया कि विसर्जन के दिन शाम 5 बजे तक प्रतिमा विसर्जन शांतिपूर्वक तरीके से कर लेने की सहमति पूजा समितियों ने जताई है. उन्होंने पंडालों में अग्निशमन व्यवस्था, पेयजल सहित अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही. वहीं कहा कि हाईकोर्ट के निर्देश के अनुसार डीजे पर प्रतिबंध रहेगा. आदेश नहीं मानने पर लाउडस्पीकर एक्ट के तहत कार्रवाई होगी. वहीं डीजे जब्त कर लिया जाएगा. साउंड हर हाल में 90 डेसिबल से ज्यादा नहीं होगा.शराब पीने वालों से प्रशासन सख्ती से निपटेगी.नगर प्रशासक अभिषेक सिंह ने बताया सड़कों व स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुदृढ़ करने का प्रयास किया जा रहा है. मौके पर इंस्पेक्टर अमित गुप्ता, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह सहित अन्य मौजूद थे.

रक्षा विभाग राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित

नई दिल्ली : रक्षा मंत्रालय के रक्षा विभाग को राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार 2024-25' से सम्मानित किया गया है. आज दिनांक 14.09.25 को हिंदी दिवस के अवसर पर गुजरात के गांधीनगर में आयोजित हिंदी दिवस समारोह एवं पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मलेन में केंद्रीय विधि और न्याय राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने विभाग को यह पुरस्कार प्रदान किया. इस अवसर पर सांसद, राज्य सभा श्री दिनेश शर्मा, वैज्ञानिक एवं लेखक डॉ. आनंद रंगनाथन और राजभाषा सचिव श्रीमती अंशुली आर्या भी मौजूद थीं.

वंशवाद की पकड़ में बिहार की सियासत, 27% नेताओं पर परिवारवाद का साया

पटना: बिहार की धरती, जहां जयप्रकाश नारायण, डॉ. लोहिया और कर्पूरी ठाकुर जैसे नेताओं ने परिवारवाद के खिलाफ बिगुल फूंका, आज वहीं राजनीति में वंशवाद हावी होता दिख रहा है. जिन नेताओं ने विचारों को सर्वोपरि रखा, उन्होंने अपने परिजनों को राजनीति से दूर रखा. लेकिन आज, आंकड़े बताते हैं कि राज्य के 27% जनप्रतिनिधि परिवारवादी राजनीति से जुड़े हैं. क्या बिहार की विचारधारा बदल रही है? आइए, आंकड़ों की ज़ुबानी सच जानते हैं.जैसे-जैसे बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, परिवारवाद एक बार फिर राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है. तमाम दल एक-दूसरे पर वंशवादी राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगा रहे हैं, लेकिन हकीकत यह है कि हर दल में ऐसे उदाहरण भरे पड़े हैं, जहां टिकट और सत्ता का रास्ता खून के रिश्तों से होकर गुजरता है. राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पार्टियां इस मुद्दे पर अपने-अपने तर्क पेश कर रही हैं.

बिहार में राजनीति में परिवारवाद गहराता जा रहा है. एडीआर द्वारा 360 नेताओं के विश्लेषण में पाया गया कि कुल 27% यानी 96 सांसद, विधायक और विधान पार्षद परिवारवादी पृष्ठभूमि से हैं. यह आंकड़ा दर्शाता है कि बिहार की राजनीति में कई दलों के भीतर परिवारवाद मजबूत आधार रखता है. परिवारवाद की इस बढ़ती छवि ने राज्य की राजनीतिक प्रक्रियाओं

और निर्णयों पर सवाल उठाए हैं, जो आगामी चुनावों में अहम भूमिका निभाएगा. बिहार के प्रमुख क्षेत्रीय दलों में भी परिवारवाद का असर साफ देखा जा सकता है. जनता दल यूनाइटेड के 81 जनप्रतिनिधियों के विश्लेषण में पाया गया कि 25 विधायक, सांसद और विधान पार्षद वंशवादी पृष्ठभूमि से आते हैं, यानी कुल 31% नेता हैं. ठीक यही स्थिति राष्ट्रीय जनता दल (ठगऊ) की भी है, जहां 100 जनप्रतिनिधियों में से 31 परिवारवादी हैं कुल 31% हैं. हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) जैसे छोटे दलों में यह अनुपात और भी अधिक है. हम पार्टी के 6 जनप्रतिनिधियों में से 3 वंशवादी हैं, यानी 50% हैं. वहीं, लोजपा (रामविलास) के 8 में से 4 नेता परिवारवादी पाए गए, जो कि कुल 50% है. ये आंकड़े बताते हैं कि बिहार के छोटे-बड़े सभी दलों में वंशवाद अब एक आम राजनीतिक चलन बन चुका है. बिहार के 316 पुरुष सांसद, विधायक और विधान पार्षदों का विश्लेषण किया गया, जिसमें 71 नेता यानी करीब 22% परिवारवादी पृष्ठभूमि से जुड़े पाए गए. यह आंकड़ा दर्शाता है कि पुरुष जनप्रतिनिधियों में भी परिवारवाद की गहरी पैठ है. बिहार की राजनीति में परिवारवाद न सिर्फ सामान्य होता जा रहा है, बल्कि इसका असर पुरुष नेताओं के बीच भी साफ दिख रहा है, जो राज्य की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए चुनौती है. परिवारवाद या वंशवाद सिर्फ राष्ट्रीय स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि कई राज्यों में भी यह गहराई से फैला हुआ है. कुल 1809 विश्लेषित उम्मीदवारों में से 406 यानी लगभग 22% सांसद, विधायक और विधान पार्षद परिवारवादी पृष्ठभूमि से आते हैं. उदाहरण के तौर पर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस में 42% नेता परिवारवादी हैं.22% नेता है वंशवादी: वहीं वाईएसआर कांग्रेस में 38%, टीडीपी में 36%, और एनसीपी में 34% नेता वंशवादी पृष्ठभूमि से हैं. इसके अलावा समाजवादी पार्टी, जनता दल यूनाइटेड, असम गण परिषद और राष्ट्रीय जनता दल जैसे दलों में भी लगभग 30% या उससे अधिक निर्वाचित प्रतिनिधि राजनीतिक परिवार से जुड़े हैं. यह आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि परिवारवाद राज्य स्तर की राजनीति में भी गहरा प्रभाव डाल रहा है.

बिहार की राजनीति के लिए अभिशाप है और सभी राजनीतिक दलों को इससे दूर रहना चाहिए. विपक्षी पार्टियों को परिवारवाद पर अपना स्पष्ट स्टैंड लेना होगा. जहां तक कांग्रेस का सवाल है, उसने परिवारवाद के खिलाफ कुर्बानी दी है. वे मानते हैं कि 2025 के विधानसभा चुनाव में ऐसे नेताओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए जो परिवारवादी नहीं हैं, ताकि बिहार की राजनीति में सकारात्मक बदलाव आ सके.

स्वास्थ्य विभाग ने जारी किए कड़े निर्देश

साहिबगंज : झारखंड स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों को मरीजों की सुविधा और चिकित्सा व्यवस्था बेहतर एवं व्यवस्थित बनाने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया हैं. निर्देश में कहा गया है कि प्रत्येक अस्पताल को ओपीडी मरीजों की संख्या और बेड ऑक्यूपेंसी का नियमित आंकड़ा रखना होगा. सभी वार्डों में डॉक्टरों का प्रतिदिन निरीक्षण अनिवार्य होगा. अब सदर अस्पताल उपाधीक्षक को सुबह और शाम को अस्पताल में राउंड लगाना होगा. जबकि चिकित्सक रोज दो बार और जरूरत पड़ने पर तीन बार अपने वार्ड में राउंड लगाएंगे. सीएस को भी रोजाना एक बार औचक निरीक्षण करना होगा. डॉक्टर्स मरीज के पर्ची में उपलब्ध दवा आगे लिखेंगे और अनुपलब्ध दवा पीछे. आकस्मिक ड्यूटी में हमेशा एक डॉक्टर वार्ड बॉय के साथ उपलब्ध रहने का निर्देश दिया गया है. वहीं डॉक्टर हमेशा नाम पट्टी वाला एप्रन में रहेंगे. अब मरीजों को रेफर करने के लिए उपाधीक्षक, फिजिशियन, सर्जन, गायने-कोलॉजिस्ट और आर्थोपेडिक सर्जन की सम्मिलित बोर्ड की संयुक्त अनुशंसा जरूरी होगा.

वायर फैक्ट्री के तेल टैंक में भीषण आग

हावड़ा : हावड़ा के राष्ट्रीय राजमार्ग 116 के निकट धुलागर जलान काम्प्लेक्स इलाके में स्थित एक तार (वायर) फैक्ट्री के तेल टैंक में रविवार रात भीषण आग लगने की घटना सामने आई. आग लगने की घटना रात करीब 9:40 बजे के आसपास हुई.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आग जिस फैक्ट्री में लगी, उसका नाम घएउ कारखाना है. फैक्ट्री के अंदर बड़ी मात्रा में ज्वलनशील पदार्थ संग्रहित था, जिससे आग के तेज़ी से फैलने की आशंका उत्पन्न हो गई थी.घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियाँ मौके पर पहुंचीं. दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की अथक मेहनत के बाद आग पर काबू पाया और स्थिति को नियंत्रित किया.हालांकि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन फैक्ट्री के अंदर मौजूद तेल टैंक और अन्य भागों को नुकसान पहुँचा है. क्षति की सही मात्रा अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है.

चोरी के मोबाइल के साथ एक को किया गिरफ्तार

बरहरवा : शनिवार को शाम 4:15 बजे से आरिपीएफ इंस्पेक्टर बड़हरवा संजीव कुमार हमराह ऑफिसर्स और स्टाफ उप निरीक्षक स्वपन मण्डल , सहायक उप निरीक्षक अजय कुमार हांसदा,सिपाही अजय कुमार,सिपाही अनिल कुमार साह ,सभी रेलवे सुरक्षा बल,पोस्ट,बरहरवा और सहायक उप निरीक्षक रवि शंकर यादव और प्राधन आरक्षी नूपुर बरन मिदया अपराध शाखा,मालदा के साथ ,बरहरवा रेलवे स्टेशन क्षेत्र पर गशती के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों के ऊपर नजर रखे हुए थे. गश्ती के दौरान समय लगभग 4:15 बजे प्लेटफार्म संख्या 01 के साहिबगंज छोर, फुट ओवर ब्रिज के पास पहुंचे तो देखा कि एक व्यक्ति संदिग्ध स्थिति मे यात्री शेड मे इधर-उधर घूम रहा था. इनलोगों को अपनी तरफ आते देखकर संदिग्ध व्यक्ति भागने लगा , बिना देर किए उसे चारों ओर से घेर कर उक्त संदिग्ध व्यक्ति को प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर बने यात्री शेड के आस पास ही साहिबगंज छोर पर धर दबोचे. पकड़ाये गए संदिग्ध व्यक्ति से भागने का कारण पूछा गया तो उसने कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दिया और न ही रेलवे क्षेत्र में घुसने का कोई अधिकार पत्र दिखाया. आगे पूछने पर पकड़ाये हुए संदिग्ध व्यक्ति ने अपना नाम और पता का खुलासा किया की अजय साहा (उम्र- 24 वर्ष), पिता-सवर्गीय बबलू साहा साकिन कालितला ,बंगालीपाड़ा, बरहरवा थाना-बरहरवा, जिला-साहिबगंज (झारखंड) बताएं तथा पकड़ाये गए व्यक्ति के शरीर एवं कपड़े के तलाशी लेने हेतु आस-पास एकत्रित व्यक्तियों से स्वतंत्र साक्षी बनने हेतु अनुरोध किया गया लेकिन, कोई व्यक्ति गवाह बनने के लिए तैयार नही हुआ. तत्पश्चात गस्ति दल में शामिल बल सदस्य, सीटी,सहज़ाद अंसारी, एचसी,स्वपन कुमार मण्डल; को स्वतंत्र साक्षी मानते हुए पकड़ाए गए व्यक्ति का बिधिवत तलाशी लेने पर अजय साहा (उम्र 24 वर्ष), के पहने हुए हल्का रंग के हरे पैंट के दाहिने पॉकेट से एक नीले रंग का रियलम कम्पनी का स्क्रीन टच मोबाइल फोन खुला अवस्था मे, बिना सिम कार्ड का जिसका आईएमईआई, नंबर 869187036057730 / 869187036057722 था. पकड़ाये गए संदिग्ध व्यक्ति के पास से बरामद मोबाइल फोन के संबंध में पूछने पर उसने बताया कि उक्त मोबाइल फोन बरहरवा स्टेशन में प्लेटफॉर्म न.-01, पार्सल साइड के फुट ओवर ब्रिज के नीचे यात्री शेड मे सोये हुए यात्रि के पास से ही दिनांक 08.सितंबर.2025 को रात्री समय लगभग 01.00 बजे चोरी किया था.

मंत्री शीला मंडल द्वारा दिव्यांगजनों के बीच ट्राई साइकिल एवं हाथ साइकिल का वितरण

फुलपरास(मधुबनी):परिवहन मंत्री बिहार सरकार सह क्षेत्रीय विधायक शीला मंडल द्वारा रविवार को अपने बेलहा गांव स्थित आवास पर दिव्यांगजनों के बीच दो दर्जन ट्राई साईकिल व हाथ साईकिल का वितरण किया गया.वितरण समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती मंडल ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में सूबे का सर्वांगीण विकास जारी है.विधवा,वृद्ध एवं दिव्यांगजन के पेंशन को चार सौ से बढ़ाकर ग्यारह सौ करने की खुशी लाभुकों में साफ देखी जा सकती है.अनुमंडल बुनियाद केंद्र द्वारा आरआईसी फाउंडेशन से संपोषित योजना से किए गए साईकिल वितरण कार्यक्रम में मंत्री शीला कुमारी मंडल सहित,जदयू प्रखंड अध्यक्ष उपेन्द्र नारायण कामत,संजय मंडल,तेज नारायण कामत,शत्रुघ्न यादव,कैलू मंडल सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया.

विधी-विधान से माताओं ने की जीवित्पुत्रिका व्रत

कोलकाता : महानगर कोलकाता सहित बंगाल के हिंदी पट्टी क्षेत्रों में आज जीवित्पुत्रिका पूजा का पर्व मनाया गया. व्रती महिलाओं ने गंगा और नदी के साथ विभिन्न तालाबों व पोखरों में शाम को स्नान किया. इसके बाद उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और जीवित्पुत्रिका की कथा सुनी. संतान के स्वास्थ्य, लंबी आयु और सुख-समृद्धि से जुड़ी जिउतिया (जीवित्पुत्रिका) व्रत पर आज माताओं ने गंगा सहित अन्य जलाशयों में डुबकी लगाई. कोलकाता सहित राज्य के हावड़ा, हुगली, नदिया, उत्तर व दक्षिण चौबीस परगना के अलावा बाबूघाट, पोर्ट अंचल इलाके के समस्त छोटे-बड़े घाटों पर इस दिन महिलाओं की भीड़ देखी गई. कोलकाता, हावड़ा के अलावा उत्तर 24 परगना जिले के अंतर्गत बरानगर, आलमबाजार, कमरहट्टी, टीटागढ़, बैरकपुर, गारुलिया, जगदल, कांकीनाड़ा, भाटपाड़ा, नैहट्टी, गौरीपुर और हाजीनगर के जूट मिल इलाकों, खासकर औद्योगिक इलाके के हिन्दीभाषी बहुल क्षेत्रों में इस दिन जीवित्पुत्रिका यानी जिउतिया की धूम रही.

कफी व्रती महिलाओं ने मंदिरों में पूजा की. कुछ ने अपने घरों पर जीमूत वाहन राजा, भगवान शिव और पार्वती की पूजा की. आज दोपहर से ही बड़ी संख्या में व्रती महिलाओं की महानगर के गंगाघाटों पर जमवाड़ा लगने लगा था. यहां व्रती महिलाओं ने स्नान किया. साथ ही उन्होंने सूर्यदेव को भी अर्घ्य दिया. भगवान जीमूतवाहन की पूजा-अर्चना की. घाट पर बैठकर जीमूतवाहन की कथा का पाठ किया. पं विजय कुमार उपाध्याय शास्त्री ने बताया कि, आश्विन कृष्ण अष्टमी तिथि के प्रदोषकाल में जीवित्पुत्रिका (जीमूतवाहन) व्रत करने का बड़ा माहात्म्य है. सुहागिन महिलाएं इस दिन निर्जला उपवास करती हैं. उत्तर पूर्वी राज्यों में यह व्रत बहुत लोकप्रिय है. यह व्रत मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के कई क्षेत्रों में किया जाता है. इस दिन संतान प्राप्ति एवं उसकी लंबी आयु के लिए महिलाएं व्रत रखती हैं. असीम त्याग और समर्पण के प्रतीक इस व्रत को जीवित्पुत्रिका और जिउतिया के नाम से जाना जाता है.

बिष्टुपुर तुलसी भवन में चल रहा हैं मारवाड़ी महिला मंच का कंज्यूमेक्स मेला

जमशेदपुर : महिलाओं को सशक्त करने के उदेश्य से मारवाड़ी महिला मंच जमशेदपुर शाखा का कंज्यूमेक्स मेला 2025 (प्रदर्शनी सह बिक्री) बिष्टुपुर तुलसी भवन में रविवार से शुभारंभ हुआ जो मंगलवार 16 सितम्बर तक चलेगा. तीन दिवसीय कंज्यूमेक्स मेला का विधिवत उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि रूपा पाल, साकची महिला थाना प्रभारी ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्जवलित कर किया. मौके पर थाना प्रभारी रूपा पाल ने मारवाड़ी महिला मंच की तारीफ करते हुए कहा की महिलाओं की इतनी बड़ी इकाई इतने सशक्त रूप से कार्य कर रही है. यह अपने आप में एक बहुत बड़ी बात है. उन्होंने संस्था को हमेशा सहयोग के लिए तत्पर और तैयार रहने की बात कही. उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच अध्यक्ष रानी अग्रवाल एवं सफल संचालन सचिव मीना अग्रवाल ने किया. इस अवसर पर अध्यक्ष रानी एवं सचिव मीना ने बताया कि मेला सुबह 10 से रात 09 बजे तक चलेगा. इस प्रदर्शनी मेला में 60 स्टॉल लगाये गये हैं, जिसमें दुर्गा पूजा एवं दीपावली से संबंधित सही दाम पर एक ही छत के नीचे अनेक समान लोगों को मिल रहे हैं. मेला में जमशेदपुर एवं रांची समेत कोलकाता, मुंबई, कानपुर, रायरंगपुर, राउरकेला, बनारस आदि शहरों से महिलाएं सटॉल लगाने के लिए आयी हैं. मेला में पहले दिन ही भीड़ उमड़ी. इस अवसर पर स्टॉल लगायी महिलाओं ने भी यहां की व्यवस्था की भूरी-भूरी प्रशंसा की. साथ ही प्रदर्शनी में आए हुए लोगों ने भी काफी प्रशंसा की. इसे सफल बनाने में मंच की सभी महिलाओं का योगदान मिल रहा हैं.

भारतीय भाषाएं ही देश की एकता की सशक्त कड़ी: मनोज सिन्हा

हिंदुस्थान समाचार समूह ने पंच प्रण : स्वभाषा और विकसित भारत पर की गोष्ठी

वाराणसी : भाषावार प्रांतों में विभाजित होने के बावजूद भारत की आत्मा एक है. यही संदेश कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक सूत्र में पिरोने वाले भारतीय भाषा समागम 2025 में गूंजा. समागम में जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना की आत्मा है. भारतीय भाषाएं ही देश की एकता की सशक्त कड़ी हैं, जो हमें विविधता में भी एकता का बोध कराती हैं.उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक नगरी काशी (वाराणसी) में हिन्दुस्थान समाचार समूह की ओर से शनिवार को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गांधी अध्ययन पीठ सभागार में भारतीय भाषा समागम 2025 का आयोजन किया गया. इस वर्ष का विषय पंच प्रण : स्वभाषा और विकसित भारत रहा. कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. आयोजन में देशभर की भाषाओं, बोलियों और लोक संस्कृतियों की रंगारंग छटा दिखी. समागम में 22 भारतीय भाषाओं के विद्वानों को भारतीय भाषा सम्मान से सम्मानित किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दुस्थान समाचार समूह के अध्यक्ष अरविंद भालचंद्र मार्डीकर ने की. संचालन हिन्दुस्थान समाचार के सम्पादक जितेंद्र तिवारी ने किया. स्वागत निदेशक प्रदीप मधोक 'बाबा' ने किया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना की आत्मा है. भारतीय भाषाएं ही देश की एकता की सशक्त कड़ी हैं, जो हमें विविधता में भी एकता का बोध कराती हैं. उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत की जड़ें वेदों और पुराणों में निहित हैं, जिनका उद्गमस्थान (वाराणसी) मानी जाती है. काशी को वेदों और पुराणों के अनुसार धरती का पहला और अंतिम नगर कहा गया है, जहां से भारतीय भाषाओं की आवाज पूरे देश में गूंजती रही है. इस समागम का उद्देश्य देश की भाषाई विविधता

को सम्मान देना और नई पीढ़ी को अपनी मातृभाषा के प्रति गौरव बोध कराना है. पूरे भारत में हम देख रहे हैं कि मातृभाषा के उपयोग से प्रशासन और शिक्षा दोनों में पारदर्शिता और सहजता बढ़ रही है. आने वाले समय में स्वभाषा ही हमें आत्मनिर्भर और आत्मगौरव से परिपूर्ण बनाएगी. मैं हिंदुस्थान समाचार समूह को इस सार्थक पहल के लिए बधाई देता हूं और विश्वास दिलाता हूं कि स्वभाषा के मार्ग पर चलकर ही हम विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेंगे.वाराणसी शहर दक्षिणी के विधायक नीलकंठ तिवारी ने राष्ट्र, समाज और शिक्षा के मूल्यों पर अपने विचार रखे. उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद अनेक आंदोलनों और बलिदानों से लोकतंत्र और शांति की नींव पड़ी. समाजहित में कार्य करने वालों का सम्मान करना आज भी हमारी जिम्मेदारी है. उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रणाली में भारतीय संस्कृति और मूल्यों को छात्रों तक पहुंचाना ही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है. यह कदम न केवल व्यक्तिगत स्तर पर बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर भी आत्मबल और आत्मविश्वास को मजबूत करेगा.समागम के मुख्य वक्ता व आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक व शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव शिक्षाविद् अतुल भाई कोठारी ने भारतीय भाषाओं के संरक्षण, प्रचार और उनके माध्यम से देश की सांस्कृतिक एकता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया. उन्होंने कहा कि मातृभूमि और मातृभाषा का कोई विकल्प नहीं हो सकता.

उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं में शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और साहित्य का प्रचार देश की परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखता है.समारोह को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनन्द कुमार त्यागी तथा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के कुलपति प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी ने भी संबोधित किया.इस अवसर पर 22 भारतीय भाषाओं के विद्वानों को भारतीय भाषा सम्मान से सम्मानित किया गया.

इनमें डॉ. अनिल काशीनाथ सर्जे (मराठी), डॉ. एम संतोष कुमार (तमिल), डॉ. कुलदीप सिंह (पंजाबी), डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य' (हिंदी), डॉ. शीलवंत सिंह (सिविल सेवा), डॉ. सी. शिवकुमार स्वामी (कन्नड़), प्रो. देवाशीष पात्र (ओड़िया), प्रो. बी. विश्वनाथ (तेलुगु), प्रो. बृजभूषण ओझा (संस्कृत), विनायक बनर्जी (बंगाली), डॉ. भाग्येश वासुदेव झा (गुजराती), मनोज 'भावुक' (भोजपुरी), डॉ. प्रेमराज नूपाने (नेपाली), डॉ. बिकाश ज्योति बोरठाकुर (असमिया), डॉ. शिवानी बी (मलयालम), डॉ. तेनजिन नीमा नेगी (तिब्बती भाषा), डॉ. रामकुमार झा (मैथिली भाषा), सुंदर दास गोहरानी (सिंधी), नवनीत कुमार सहगल, डॉ. नीलाक्षी चौधरी (विधि एवं न्याय), डॉ. सौरव राय (पत्रकारिता) तथा संतोष मधुप (पत्रकारिता) शामिल हैं.

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में जैसमीन और मीनाक्षी को खिताब, भारत को चार पदक

लिवरपूल: भारतीय मुक्केबाजों जैसमीन लंबोरिया (57 किग्रा) और मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा) ने अपना नाम इतिहास में दर्ज कराते हुए यहां विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में कड़े मुकाबलों में अपने-अपने वर्ग में खिताब जीते जबकि भारत ने विदेशी सरजमीं पर महिला वर्ग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चार पदक अपने नाम किए. जैसमीन ने पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता पोलैंड की जूलिया जेरेमेटा को हराकर फीदरवेट वर्ग में चैम्पियन बन गई. पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाली जैसमीन ने 57 किग्रा के फाइनल में शनिवार को देर रात 4.1 (30-27, 29-28, 30-27, 28-29, 29-28) से जीत दर्ज की. जैसमीन ने पीटीआई से कहा, ''मैं जो महसूस कर रही हूं उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती. मैं पिछली दो विश्व चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल में हार गई थी लेकिन विश्व कप जीत से मेरा हौसला बढ़ा और मैंने तय किया कि मुझे एकतरफा मैच जीतने हैं. मैंने बस अपनी रणनीति और खेल पर ध्यान केंद्रित किया.'' पदार्पण कर रही मीनाक्षी ने रविवार को जैसमीन की उपलब्धि को दोहराते हुए पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता कजाखस्तान की नाजिम काइजेबे को 48 किग्रा वर्ग के फाइनल में 4-1 से हराकर जुलाई में विश्व कप में मिली हार का बदला चुकता किया. नुपूर शेरोन (80 प्लस किलो) और पूजा रानी (80 किलो) को गैर ओलंपिक भारवर्ग में क्रमश: रजत और कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा. भारत ने प्रतियोगिता में चार पदक जीते जो विदेशी सरजमीं पर उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. इस जीत के साथ जैसमीन और मीनाक्षी विश्व चैम्पियन बनने वाली भारतीय मुक्केबाजों की सूची में शामिल हो गई हैं. इससे पहले छह बार की चैम्पियन एम सी मेरीकोम (2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018), दो बार की विजेता निकहत जरीन (2022 और 2023), सरिता देवी (2006), जेनी आरएल (2006), लेखा केसी (2006), नीतू गंघास (2023), लवलीना बोरगोहेन (2023) और स्वीटी बूरा (2023) यह खिताब जीत चुकी हैं. तीसरी बार विश्व चैंपियनशिप में भाग ले रही 24 वर्षीय जैसमीन ने मुकाबले में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया. शुरू में दोनों मुक्केबाज़ एक-दूसरे को परख रही थीं लेकिन रेफरी के उकसावे पर जेरेमेटा ने पहला वार किया. ओलंपिक फ़ाइनल में लिन यू-टिंग से हारने वाली पोलैंड की यह मुक्केबाज़ तेज़ और सटीक थी और रक्षात्मक रणनीति का इस्तेमाल करते हुए तेज़ी से अंदर-बाहर हो रही थी. उन्होंने पहला राउंड 3-2 से जीत लिया. लेकिन दूसरे राउंड में भारतीय खिलाड़ी ने जोरदार वापसी की. जैसमीन ने मुकाबले पर नियंत्रण बनाया तथा आक्रमण और रक्षण के बीच शानदार समन्वय स्थापित किया जिससे सभी जज उनके पक्ष में हो गए. जब अंतिम फैसला सुनाया गया, तो आमतौर पर शांत रहने वाली जैसमीन ने हल्की सी चीख़ मारी और फिर हाथ उठाकर अपनी निराश प्रतिद्वंद्वी को शालीनता से गले लगा लिया. पदक समारोह में, जब पूरे स्टेडियम में भारतीय राष्ट्रगान गूंज रहा था, तो उनकी आंखें चमक उठीं. उनका यह पदक भारत को ओलंपिक भार वर्ग में मिला एकमात्र पदक है. फाइनल में मीनाक्षी ने अपनी शारीरिक क्षमता का पूरा फायदा उठाया. उन्होंने अपनी लंबी पहुंच का इस्तेमाल करते हुए काइजेबे पर तीखे प्रहार किए और विश्व चैंपियनशिप में कई पदक जीतने वाली इस मुक्केबाज को लगातार दबाव में रखा. चौबीस साल की मीनाक्षी बैकफुट पर सहज दिखीं और उन्होंने सीधे मुक्के जड़े जबकि कजाखस्तान की 31 वर्षीय अनुभवी मुक्केबाज पूरी आक्रामकता के साथ आगे बढ़ रही थीं. पहला राउंड गंवाने के बाद काइजेबे ने दूसरे राउंड में आक्रामक रुख अपनाया. उन्होंने भारतीय मुक्केबाज के शरीर पर वार किए और 3-2 से राउंड जीत लिया. मीनाक्षी ने तुरंत पलटवार किया. मौके की जरूरत को देखते हुए उन्होंने तीसरे राउंड में अधिक आक्रामकता दिखाई और पूरे दबदबे के साथ विरोधी मुक्केबाज पर मुक्के बरसाए और जीत दर्ज की. एक अन्य फाइनल में नुपूर को पोलैंड की तकनीकी रूप से कुशल अगाता काज्मार्स्का से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्हें रजत पदक मिला. नुपूर अपने लंबे कद के बावजूद मुकाबले में खुद को हावी नहीं कर पाईं. उन्होंने शानदार शुरुआत की और मुक्कों की झड़ी लगा दी, लेकिन काज़्मार्स्का ने लगातार आक्रामकता से जवाब दिया और ऐसे वार किए कि भारतीय खिलाड़ी निढाल हो गई. जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ा, नुपूर मुक्के मारने में हिचकिचाने लगीं, जबकि पोलैंड की खिलाड़ी लगातार आक्रमण करती रही. निर्णायक क्षण अंतिम राउंड में आया जब अगाता ने एक ज़बरदस्त अपरकट लगाया जो मुकाबला 3-2 से उनके पक्ष में करने और उनके पहले विश्व ख़िताब को सुनिश्चित करने के लिए काफ़ी था. इससे पहले सेमीफाइनल में पूजा को स्थानीय खिलाड़ी एमिली एस्क्विथ के हाथों 1-4 के विभाजित फैसले से हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था. पूजा ने राउंड के बाद अपने नपे-तुले खेल से बढ़त बना ली. लेकिन एस्क्विथ ने तेज़ी से अपने खेल की रणनीति में बदलाव करते हुए 34 वर्षीय पूजा की लय को बेअसर कर दिया.

दक्षिण के अंकित, सिद्धार्थ की 192 रन की साझेदारी के बावजूद मध्य क्षेत्र दलीप ट्रॉफी जीतने के करीब

बेंगलुरू: दक्षिण क्षेत्र के अंकित शर्मा और आंद्रे सिद्धार्थ ने रक्षात्मक बल्लेबाजी का बेहतरीन नमूना पेश किया लेकिन मध्य क्षेत्र 11 साल में पहली बार दलीप ट्रॉफी खिताब जीतने के करीब है जिसे पांचवें और आखिरी दिन जीत के लिये सिर्फ 65 रन की जरूरत है. अपने कल के स्कोर दो विकेट पर 129 रन से आगे खेलते हुए दक्षिण ने पहले सत्र में 120 रन जोड़े लेकिन चार विकेट भी गंवाये. उसकी दूसरी पारी 426 रन पर खत्म हो गई . मध्य के लिये स्पिनर कुमार कार्तिकेय और सारांश जैन ने मिलकर सात विकेट चटकाये. दक्षिण क्षेत्र के पास सिर्फ 64 रन की बढत है और पांचवें दिन मध्य क्षेत्र के लिये जीत बस औपचारिकता मात्र लग रही है. अंकित (168 गेंद में 99 रन) और सिद्धार्थ (190 गेंद में नाबाद 84) ने सातवें विकेट के लिये 192 रन जोड़े . एक समय दक्षिण का स्कोर छह विकेट पर 222 रन था और पारी की हार टालने के लिये 363 रन के लक्ष्य से टीम 141 रन पीछे थी. मध्य के लिये कार्तिकेय ने 110 रन देकर चार और जैन ने 130 रन देकर तीन विकेट लिये. अंकित शतक से एक रन से चूक गए और कार्तिकेय की गेंद पर रजत पाटीदार को आसान कैच दे बैठे. अंकित के आउट होने के बाद दक्षिण के बाकी तीन विकेट आसानी से निकल गए.

मेघना ने जीता पहला विश्व कप पदक, भारत पांचवें स्थान पर रहा

निंगबो (चीन): मेघना सज्जनार ने रविवार को यहां महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक के साथ विश्व कप में अपना पहला पदक जीता, जिससे भारत ने सत्र के अंतिम आईएसएसएफ विश्व कप (राइफल/पिस्टल) में पांचवें स्थान पर रहकर अपने अभियान का अंत किया. मेघना ने फाइनल में 230.0 का स्कोर बनाकर कांस्य पदक जीता. इस स्पर्धा में चीन की उभरती हुई स्टार पेंग शिनलू का दबदबा रहा, जिन्होंने 255.3 के स्कोर के साथ हमवतन वांग ज़िफ़ेई के 254.8 के स्कोर का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा. नॉर्वे की जेनेट हेग डुएस्टैड ने रजत पदक जीता. शनिवार को ईशा सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया था. चीन तीन स्वर्ण पदकों के साथ शीर्ष पर, जबकि नॉर्वे दो स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा. रविवार की सुबह मेघना ने दूसरी क्वालीफिकेशन रैली में 632.7 का स्कोर बनाकर सातवां, जबकि पेंग ने 637.4 का शानदार स्कोर बनाकर शीर्ष स्थान प्राप्त किया. चीनी खिलाड़ी ने 24 शॉट के फाइनल की शुरुआत 10.9 के परफेक्ट स्कोर के साथ की, जबकि मेघना पांच एकल शॉट की पहली सीरीज के बाद आठ महिलाओं की श्रेणी में सबसे निचले स्थान पर थीं. भारतीय खिलाड़ी ने दूसरी सीरीज में 52.3 अंक बनाकर अच्छी वापसी की और कांस्य पदक अपने नाम किया. भारत के एक अन्य खिलाड़ी किरण अंकुश जाधव ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन क्वालीफिकेशन राउंड में 590 अंक हासिल कर चौथा स्थान हासिल करके फाइनल में जगह बनाई. फाइनल में हालांकि, पहले नीलिंग पोजीशन और फिर दूसरे प्रोन पोजीशन में उनकी शुरुआत बेहद खराब रही, जिसके कारण वे 40 शॉट के बाद 406.7 स्कोर के साथ आठवें स्थान पर रहे. भारत के अन्य खिलाड़ियों में पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता स्वप्निल कुसाले ने 587 अंक बनाकर कुल 21वां और पदक दावेदारों में 19वां स्थान हासिल किया. बाबू सिंह पंवार 583 अंक के साथ उनसे पीछे रहे. महिलाओं की एयर राइफल में ओलंपियन रमिता जिंदल 629.8 अंक के साथ कुल 22वें और पदक के दावेदारों में 16वें स्थान पर रहीं, जबकि कशिका प्रधान ने 626.6 अंक बनाए.

एशिया कप में खाता खोलने के लिए एक दूसरे का सामना करेंगे यूएई और ओमान

अबुधाबी: मेजबान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सोमवार को यहां एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए मुकाबले में जब पहली बार इस प्रतियोगिता में खेल रहे ओमान से भिड़ेगा तो उसकी कोशिश भारत से मिली हार को भुलाकर मैच जीतने की होगी. इन दोनों टीमों को अपने पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा था और उनका लक्ष्य इस मैच में जीत हासिल करके अपना खाता खोलना होगा. दूसरी बार एशिया कप में खेल रही यूएई की टीम अपने पहले मैच में 13.1 ओवर में मात्र 57 रन पर ढेर हो गई और भारत ने अपनी सबसे तेज टी-20 जीत दर्ज की. ओमान का प्रदर्शन भी कुछ बेहतर नहीं रहा. पाकिस्तान के खिलाफ 161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम 16.4 ओवर में 67 रन पर आउट हो गई, जिससे एसोसिएट टीमों और टूर्नामेंट की दिग्गज टीमों के बीच के अंतर स्पष्ट नजर आने लग गया है. यूएई के मुख्य कोच लालचंद राजपूत ने माना कि उनकी टीम ने पहले कभी इतनी बेहतरीन गेंदबाज़ी नहीं देखी थी और वे भारत के स्टार खिलाड़ियों के सामने किसी तरह की चुनौती नहीं पेश कर पाए लेकिन उन्हें ओमान के खिलाफ टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है. पाकिस्तान और अफगानिस्तान के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला में खेल कर अच्छी तैयारी के साथ इस टूर्नामेंट में उतरी संयुक्त अरब अमीरात की टीम को अगर अपना खाता खोलना है तो कप्तान मुहम्मद वसीम, अलीशान शराफू, राहुल चोपड़ा, आसिफ खान और बाएं हाथ के स्पिनर हैदर अली को अच्छा प्रदर्शन करना होगा. जहां तक ओमान का सवाल है तो शाह फैसल और आमिर कलीम ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन-तीन विकेट लेकर प्रभावित किया, जबकि हम्माद मिर्ज़ा ही एकमात्र बल्लेबाज़ रहे जो थोड़ा बहुत प्रभाव छोड़ पाए. ओमान के अधिकतर खिलाड़ी अपनी नौकरी और खेल के बीच समन्वय बिठाते हैं और यहां वे अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होंगे. **टीम इस प्रकार हैं: संयुक्त अरब अमीरात:** मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, अर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, एथन डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतीउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहैब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह, सगीर खान. **ओमान:** जतिंदर सिंह (कप्तान), आशीष ओडेदरा, आमिर कलीम, करण सोनावले, हसनैन शाह, मोहम्मद नदीम, विनायक शुक्ला, हम्माद मिर्जा, सुफियान महमूद, आर्यन बिष्ट, शकील अहमद, समय श्रीवास्तव, मोहम्मद इमरान.

जमील ने सिंगापुर के खिलाफ एशियाई कप क्वालीफायर के लिए 30 संभावित खिलाड़ी चुने

नयी दिल्ली: भारतीय टीम के सीएएफए नेशंस कप में तीसरे स्थान पर रहने के बाद राष्ट्रीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच खालिद जमील ने सिंगापुर के खिलाफ एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के लिए रविवार को 30 सदस्यीय संभावित टीम की घोषणा की जिसमें करिश्माई खिलाड़ी सुनील छेत्री को भी जगह मिली है. राष्ट्रीय टीम का तैयारी शिविर 20 सितंबर से बेंगलुरु में शुरू होगा और टीम एक दिन पहले शहर में एकत्रित होगी. संभावित खिलाड़ियों के बीच जगह बनाने वाले मोहन बागान एसजी और एफसी गोवा के खिलाड़ियों को एएफसी चैंपियंस लीग दो के उनकी टीम के मैच खत्म होने के बाद शिविर से जोड़ा जाएगा. इनके अलावा पांच खिलाड़ियों को स्टैंडबाई पर रखा गया है लेकिन उनके नामों की घोषणा बाद में की जाएगी. इसमें दो अंडर-23 पुरुष राष्ट्रीय टीम से और तीन सीनियर खिलाड़ी हैं. इस शिविर का उद्देश्य सीनियर राष्ट्रीय टीम को 2027 एशियाई कप क्वालीफायर के ग्रुप सी में अंतिम दौर के मुकाबलों के लिए तैयारी में मदद करना है. टीम सिंगापुर के खिलाफ नौ अक्टूबर को राष्ट्रीय स्टेडियम और 14 अक्टूबर को गोवा के मडगांव स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में दो मैच खेलेगी. इन दोनों मुकाबलों के लिए अंतिम टीम का चयन संभावित खिलाड़ियों में से किया जाएगा.

सात्विक-चिराग, लक्ष्य हांगकांग ओपन के फाइनल में हारे

हांगकांग: भारत ने दो खिताब जीतने का सुनहरा मौका गंवा दिया जब सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल टीम और लक्ष्य सेन को रविवार को यहां हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में हार के साथ उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा. लक्ष्य दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी ली शी फेंग की चुनौती के सामने बिल्कुल भी नहीं टिक पाए और उन्हें पुरुष एकल के एकतरफा फाइनल में 15-21 12-21 से हार का सामना करना पड़ा. पिछले महीने लगातार दूसरी बार विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली दुनिया की नौवें नंबर की भारतीय जोड़ी को पहला गेम जीतने के बावजूद 61 मिनट तक चले संघर्षपूर्ण फाइनल में ओलंपिक रजत पदक विजेता लियांग वेई केंग और वैंग चैंग की चीन की दुनिया की छठे नंबर की जोड़ी के खिलाफ 21-19 14-21 17-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी. चिराग ने कहा, ''यह हफ्ता अच्छा रहा, विशेषकर विश्व चैंपियनशिप के एक हफ्ते बाद और अब हम फाइनल खेल रहे थे.'' उन्होंने कहा, ''आप खिताब जीतना चाहते हैं लेकिन उन्हें श्रेय जाता है, वे भी अच्छा खेले. अगली बार भी मौका मिलेगा और कुल मिलाकर मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं.'' पिछले साल नवंबर में सैयद मोदी सुपर 300 के बाद पहली बार फाइनल में खेल रहे लक्ष्य अपने चिर-परिचित प्रतिद्वंद्वी ली को टक्कर नहीं पाए जिनके खिलाफ वह जूनियर दिनों से चली आ रही प्रतिद्वंद्विता में 14वीं बार खेल रहे थे. भारतीय खिलाड़ी को अब तक 7-6 के जीत-हार के रिकॉर्ड के साथ मामूली बढ़त हासिल थी लेकिन चीनी खिलाड़ी ने मौजूदा सत्र में ऑल इंग्लैंड और चीन ओपन दोनों में उन्हें हराकर दबदबा बनाया था. विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने शुरुआती गेम में तेज शुरुआत करते हुए 4-0 की बढ़त हासिल की जिसके बाद ली ने उनके शरीर की तरफ तीखे शॉट खेले और स्कोर 6-7 कर दिया. चीन के खिलाड़ी ने नेट पर शानदार शॉट के साथ 8-8 से बराबरी की. ली ने फिर दबदबा बनाते हुए नेट पर अच्छे खेल और तीखे स्मैश की बदौलत लगातार पांच अंक हासिल करते हुए 14-10 की मजबूत बढ़त बना ली. लक्ष्य ने वापसी करने की कोशिश की लेकिन महत्वपूर्ण मौकों पर चूक गए और ली 19-15 से आगे हो गए. चीन के खिलाड़ी ने क्रॉस-कोर्ट स्मैश लगाकर पहला गेम 21-15 से जीत लिया. दूसरे गेम में लक्ष्य ने फिर अच्छी शुरुआत करते हुए 4-1 की बढ़त हासिल की लेकिन ली ने अच्छी रैली के साथ वापसी की. नेट पर हुई गलतियों और एक स्मैश बाहर मारने के कारण भारतीय खिलाड़ी 4-7 से पीछे हो गया. लक्ष्य ने स्कोर 9-12 किया लेकिन वह ली के लगातार हमलों का सामना करने में नाकाम रहे. दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी ने दबाव बनाए रखा और 15-9 की बढ़त हासिल की. ली ने आठ मैच प्वाइंट हासिल किए और क्रॉस-कोर्ट नेट शॉट के साथ खिताब जीत लिया. थाईलैंड ओपन जीतने के बाद भारतीय जोड़ी 16 महीनों में पहली बार फाइनल में खेल रही थी और इस हार के साथ सुपर 500 फाइनल में इस जोड़ी का परफेक्ट रिकॉर्ड भी टूट गया. सात्विक और चिराग ने इससे पहले अपने चारों सुपर 500 फाइनल में खिताब जीता था. इस सत्र में छह बार सेमीफाइनल में पहुंचने वाली भारतीय जोड़ी की लियांग और वैंग के खिलाफ 10 मैच में यह सातवीं हार है जबकि उन्होंने तीन जीत दर्ज की है. भारतीय जोड़ी ने पेरिस में विश्व चैंपियनशिप के दौरान चीन की इस जोड़ी को हराया था. सात्विक और चिराग ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहला गेम जीता लेकिन इस लय को बरकरार रखने में नाकाम रहे और निर्णायक गेम में 2-11 से पिछड़ने के बाद उनकी हार लगभग तय हो गई थी. चिराग ने कहा, ''मुझे लगता है कि शटल थोड़ी तेज आ रही थी. उन्होंने शुरुआती चार-पांच स्ट्रोक में हम पर काफी दबाव डाला क्योंकि वह काफी अच्छी तरह रिटर्न कर रहे थे.'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि दूसरे और तीसरे गेम में हम बेहतर योजना बना सकते थे. पहले गेम में हमने काफी अच्छी तरह सामना किया लेकिन दूसरे और तीसरे गेम में हम ऐसा नहीं कर पाए.'' शुरुआती गेम में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली. चिराग ने शुरुआत में ही तेज स्मैश लगाकर 0-2 से पिछड़ रही भारतीय जोड़ी को वापसी दिलाई. चिराग ने 10-10 के स्कोर पर दमदार स्मैश के साथ ब्रेक तक भारतीय जोड़ी को 11-10 की मामूली बढ़त दिलाई. ब्रेक के बाद भारतीय जोड़ी ने आक्रामक रुख अपनाया और लगातार कई जबरदस्त स्मैश के साथ 13-11 से आगे हो गए. वैंग के शरीर की तरफ खेले सात्विक के शॉट और फिर चिराग की तीखी सर्विस से भारतीय जोड़ी ने चार अंक की बढ़त बनाई. चीन के खिलाड़ियों ने नेट पर भारतीय खिलाड़ियों की गलती का फायदा उठाकर लगातार चार अंक के साथ वापसी की. एक विवादास्पद अंक के बाद चीन की जोड़ी ने 18-17 की बढ़त बनाई. ऐसा लग रहा था वैंग ने शटल के नेट पार करने से पहले ही शॉट मार दिया. सात्विक ने जोरदार स्मैश से स्कोर 19-19 किया.

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.69 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

नयी दिल्ली: सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 1,69,506.83 करोड़ रुपये बढ़ गया. शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच बजाज फाइनेंस सबसे ज्यादा लाभ में रही. पिछले सप्ताह, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,193.94 अंक या 1.47 प्रतिशत चढ़ गया. शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और बजाज फाइनेंस को लाभ हुआ. वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड और एलआईसी के मूल्यांकन में गिरावट आई. समीक्षाधीन सप्ताह में बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन 40,788.38 करोड़ रुपये बढ़कर 6,24,239.65 करोड़ रुपये हो गया. इन्फोसिस की बाजार हैसियत 33,736.83 करोड़ रुपये बढ़कर 6,33,773.30 करोड़ रुपये पर पहुंच गई. टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 30,970.83 करोड़ रुपये बढ़कर 11,33,926.72 करोड़ रुपये और रिलायंस इंडस्ट्रीज का 27,741.57 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 18,87,509.28 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 15,092.06 करोड़ रुपये बढ़कर 7,59,956.75 करोड़ रुपये रहा. आईसीआईसीआई बैंक को सप्ताह के दौरान 10,644.91 करोड़ रुपये का फायदा हुआ और इसका बाजार मूल्यांकन 10,12,362.33 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 6,141.63 करोड़ रुपये बढ़कर 14,84,585.95 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 4,390.62 करोड़ रुपये बढ़कर 10,85,737.87 करोड़ रुपये हो गया. इस रुख के उलट हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 12,429.34 करोड़ रुपये घटकर 6,06,265.03 करोड़ रुपये पर आ गया. भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत 1,454.75 करोड़ रुपये घटकर 5,53,152.67 करोड़ रुपये रह गई. शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही.

ओयो के प्रीमियम ब्रांड 'संडे' की 2025-26 में 40 होटल जोड़ने की योजना

नयी दिल्ली: आईपीओ के लिए तैयार ओयो की मूल कंपनी प्रिज्म अपने प्रीमियम होटल ब्रांड 'संडे' को तेजी से आगे बढ़ा रही है. कंपनी चालू वित्त वर्ष में पूरे भारत में चार सितारा और पांच सितारा होटलों सहित 40 नए लक्जरी होटल जोड़ने की योजना बना रही है. कंपनी संडे होटल का विस्तार महानगरों, गैर महानगरों के साथ ही वन्यजीव अभयारण्यों और प्रमुख धार्मिक स्थलों में करेगी. वित्त वर्ष 2025-26 में गुजरात, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में संडे होटल का विस्तार किया जाएगा. ये राज्य ब्रांड के आगामी पोर्टफोलियो में 40 प्रतिशत से अधिक का योगदान देंगे. संडे होटल्स एंड रिजॉर्ट्स के व्यवसाय प्रमुख आदित्य शर्मा ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''संडे वैश्विक आतिथ्य विशेषज्ञता को स्थानीय संचालन और अत्याधुनिक तकनीक के साथ मिलाकर, भारत के अनुभवी होटल मालिकों और उद्यमियों के लिए एक लचीला और लाभदायक मॉडल तैयार करता है.''

कारोबार

जीएसटी सुधारों का लाभ दिन की शुरुआत से रात को सोने जाने तक, सभी उत्पादों पर मिलेगा : सीतारमण

चेन्नई: केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार देश के प्रत्येक नागरिक के लिए एक बड़ी जीत है. सीतारमण ने रविवार को चेन्नई में एक कार्यक्रम में कहा कि भारत के प्रत्येक राज्य के अपने त्योहारों को ध्यान में रखते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दीपावली से पहले जीएसटी सुधारों को लागू करने के निर्देश से बहुत पहले ही इन्हें लागू करने का निर्णय लिया गया है. चेन्नई सिटीजन्स फोरम द्वारा आयोजित 'उभरते भारत के लिए कर सुधार' कार्यक्रम में अपने संबोधन में सीतारमण ने कहा कि माल एवं सेवा कर का लाभकारी प्रभाव सुबह की शुरुआत से लेकर रात के सोने तक सभी उत्पादों पर रहेगा. कुछ प्रमुख पहल का उल्लेख करते हुए सीतारमण ने कहा कि जिन 99 प्रतिशत वस्तुओं पर पहले जीएसटी के तहत 12 प्रतिशत कर लगता था, अब उनपर सिर्फ पांच प्रतिशत कर लगेगा. नए जीएसटी सुधार (2.0) 22 सितंबर से लागू होंगे. जीएसटी परिषद द्वारा 350 से ज़्यादा वस्तुओं पर कर की दरों में कटौती का ज़िक्र करते हुए उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने पहले अलग-अलग स्लैब के तहत कर लगाने की प्रथा के बजाय केवल पांच और 18 प्रतिशत के स्लैब लागू किए हैं. उन्होंने कहा, ''हमने व्यापारियों के लिए भी प्रक्रिया को सरल बनाया है. किसी भी उत्पाद पर 28 प्रतिशत जीएसटी कर नहीं है.'' व्यापारियों के कर दायरे में वृद्धि का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 2017 में जीएसटी लागू होने से पहले केवल 66 लाख व्यापारी ही कर दाखिल करते थे. लेकिन आज, पिछले आठ साल में 1.5 करोड़ व्यवसाय जीएसटी के दायरे में आ गए हैं. उन्होंने कहा, ''विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स कहा था, लेकिन जीएसटी लागू होने के बाद, पिछले आठ साल में कर चुकाने वाले व्यवसायों की संख्या बढ़कर 1.5 करोड़ हो गई है क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि वे इससे लाभान्वित हो पाएंगे.'' उन्होंने कहा, ''पिछले आठ साल में जीएसटी दाखिल करने वाले 1.5 करोड़ व्यापारियों की यह संख्या भविष्य में और बढ़ेगी.'' उन्होंने आगे कहा कि इस वृद्धि के कारण केंद्र और राज्य सरकारों को मिलने वाला राजस्व बढ़ा है. वित्त मंत्री ने बताया कि 2017 में कर संग्रह 7.19 लाख करोड़ रुपये था और अब सकल जीएसटी संग्रह 22 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है. केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा औसतन 1.8 लाख से दो लाख करोड़ रुपये का राजस्व एकत्र किया जाता है. उदाहरण के लिए, 1.80 लाख करोड़ रुपये के सकल राजस्व को आधा-आधा बांटा जाता है, जिसमें राज्यों को 90,000 करोड़ रुपये और केंद्र को 90,000 करोड़ रुपये मिलते हैं. केंद्र के हिस्से के उस 90,000 करोड़ रुपये के राजस्व में से भी लगभग 41 प्रतिशत राज्यों को वापस जाता है.'' उन्होंने कहा, ''इससे हम समझ सकते हैं कि जीएसटी के कार्यान्वयन से जनता और राज्य सरकार को लाभ होगा.'' जीएसटी सुधारों के लागू होने से पहले कुछ व्यापारियों द्वारा उठाए गए वर्गीकरण के मुद्दे पर सीतारमण ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि पॉपकॉर्न की बिक्री के लिए एक वर्गीकरण किया गया है. अगर नमकीन पॉपकॉर्न बेचा जाता है, तो 'नमकीन' श्रेणी में बेचे जाने पर पांच प्रतिशत कर लगेगा, जबकि मीठे पॉपकॉर्न पर 18 प्रतिशत कर लगाया जाता था. उन्होंने कहा, ''सड़क किनारे बिकने वाले पॉपकॉर्न पर कोई कर नहीं है. लेकिन जब वही पॉपकॉर्न ब्रांडेड होता है और किसी कारखाने में बनता है, तो यह वर्गीकरण लागू होता है. लेकिन, नवीनतम जीएसटी सुधारों में इसे सरल बना दिया गया है. अब, सभी खाद्य उत्पाद पांच प्रतिशत के स्लैब में आते हैं या उन पर कोई कर नहीं लगाया गया है. इसलिए, अब वर्गीकरण की कोई समस्या नहीं है. यह पॉपकॉर्न आप सभी के लिए समझने योग्य एक उदाहरण है.'' सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के दृष्टिकोण को गति देने के लिए इस प्रकार के उपाय किए गए हैं. वित्त मंत्री ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि लोग इस कदम का स्वागत करेंगे. दरअसल, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, गोदरेज जैसी कई कंपनियों ने मुझे भरोसा दिलाया है कि वे इसका लाभ जनता तक पहुंचाएंगी.'' इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने अंग्रेजी और तमिल में एक पुस्तक का भी विमोचन किया, जिसमें जीएसटी सुधारों के कार्यान्वयन से तमिलनाडु को मिलने वाले लाभों को दर्शाया गया है.

एथनॉल के इस्तेमाल से चीनी उद्योग बच सका: गडकरी

पुणे: केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि एथनॉल के इस्तेमाल से चीनी उद्योग बचा हुआ है. उन्होंने साथ ही खेती में नई प्रौद्योगिकी की जरूरत पर जोर दिया. गडकरी ने पुणे में नाम फाउंडेशन के एक कार्यक्रम में कहा कि महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा में खेती के लिए पानी की कमी के कारण किसान आत्महत्या को मजबूर होते हैं. वरिष्ठ भाजपा नेता ने आत्महत्या करने वाले किसानों के बच्चों की भलाई और जल संरक्षण के लिए नाम फाउंडेशन के कार्यों की सराहना की, जिसका नेतृत्व अभिनेता नाना पाटेकर और मकरंद अनासपुरे करते हैं. गडकरी ने कहा, ''विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्रों में किसानों की आत्महत्याओं का मुख्य कारण पानी है. अगर पानी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होता, तो किसानों को यह कदम नहीं उठाना पड़ता.'' उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी लाने की जरूरत है और इस संबंध में प्रयोग पहले ही किए जा चुके हैं. मंत्री ने कहा, ''आज, गन्ना किसान और चीनी मिल संचालक सिर्फ एथनॉल की वजह से ही जीवित हैं.'' उन्होंने आगे कहा कि भारत में चीनी उत्पादन मांग से अधिक है और चीनी मिलें सिर्फ एथनॉल की वजह से ही टिकी हुई हैं. इस महीने की शुरुआत में, कांग्रेस पार्टी ने गडकरी पर हितों के टकराव का आरोप लगाते हुए दावा किया था कि वह एथनॉल उत्पादन की जोरदार पैरवी कर रहे हैं, जबकि उनके दो पुत्र एथनॉल बनाने वाली कंपनियों से जुड़े हैं और सरकारी नीतियों से लाभ उठा रहे हैं. भाजपा ने कांग्रेस के इन आरोपों को निराधार बताया था.

सीआईआई ने भारत को नवाचार आधारित जीसीसी का वैश्विक मुख्यालय बनाने के सुझाव दिए

नयी दिल्ली: भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने रविवार को एक राष्ट्रीय वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) नीति के मसौदे का सुझाव दिया. भारतीय उद्योग परिसंघ के मुताबिक यह मसौदा देश को नवोन्मेषण आधारित जीसीसी के वैश्विक मुख्यालय के रूप में स्थापित कर सकता है, इससे 2.0-2.5 करोड़ रोजगार के अवसर तैयार हो सकते हैं और 600 अरब अमेरिकी डॉलर तक का आर्थिक प्रभाव पैदा हो सकता है. राष्ट्रीय जीसीसी नीति के मसौदे में डिजिटल आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना, उद्योग-अकादमिक साझेदारी को मजबूत करना और अंतर-मंत्रालयी समन्वय तथा केंद्र-राज्य तालमेल के लिए एक जीसीसी परिषद की स्थापना शामिल है. उद्योग मंडल ने तर्क दिया कि आदर्श राज्य नीति के साथ ही राष्ट्रीय जीसीसी नीति मसौदे को लागू करने से 2030 तक भारत की जीसीसी उपस्थिति दोगुनी हो सकती है और देश उद्यम नवाचार का दुनिया का प्रमुख वास्तुकार बन सकता है. आम बजट 2025-26 के मुताबिक, उभरते हुए दूसरी श्रेणी के शहरों में वैश्विक क्षमता केंद्रों को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय ढांचा तैयार किया जाएगा.

न्यूज कॉर्नर

गुजरात के मेहसाणा में उर्वरक संयंत्र में आग लगने से दो श्रमिकों की मौत

मेहसाणा (गुजरात): गुजरात के मेहसाणा जिले में शनिवार देर रात एक उर्वरक संयंत्र में आग लगने से दो श्रमिकों की झुलसकर मौत हो गई और दो अन्य अन्य घायल हो गए. पुलिस ने यह जानकारी दी. मेहसाणा ग्रामीण थाने के एक अधिकारी ने बताया कि समेत्र गांव के पास स्थित इस संयंत्र में देर रात करीब तीन बजे आग लग गई. उन्होंने बताया कि संयंत्र में रात्रि पाली में काम कर रहे दो लोगों की झुलसकर मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गए. उन्होंने बताया कि घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया. अधिकारी ने बताया कि आग लगने का सही कारण अभी स्पष्ट नहीं है. मेहसाणा अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद दमकल कर्मियों की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची. उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने में करीब एक घंटे का समय लगा. उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने के बाद दो श्रमिकों के जले हुए शव बरामद किए गए. उन्होंने बताया कि घटना के समय संयंत्र में छह श्रमिक मौजूद थे. पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान मनीष और फूलचंद के रूप में हुई है, जो क्रमशः बिहार और महाराष्ट्र के रहने वाले थे. पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है.

सड़क पार कर रही 5 साल की मासूम को एक्टिवा ने मारी टक्कर, इलाज के दौरान मौत

जालोर: जसवंतपुरा थाना क्षेत्र के तहसील कार्यालय के सामने रविवार को सड़क पार कर रही पांच वर्षीय मासूम प्रतिभा कुमारी पुत्री रामरस गुर्जर को तेज रफ्तार एक्टिवा सवार ने टक्कर मार दी. हादसे में बच्ची करीब 40 मीटर तक घिसटती रही और गंभीर रूप से घायल हो गई. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसवंतपुरा में चार घंटे तक चले उपचार के बाद उसने दम तोड़ दिया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बच्ची घर का सामान लेने के लिए बाहर निकली थी. इसी दौरान जसवंतपुरा की ओर से आ रहे एक्टिवा सवार ने उसे टक्कर मार दी. हादसे के बाद आसपास के लोग और आनंद मोटर्स शोरूम का स्टाफ मौके पर पहुंचा. शोरूम मालिक प्रवीण पुरोहित ने तुरंत कार से बच्ची को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों के प्रयासों के बावजूद उसे नहीं बचा पाए. मृतका के पिता रामरस गुर्जर जसवंतपुरा ब्लॉक के शिवगढ़ भील बस्ती में सरकारी अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं. पुलिस ने बताया कि हादसे में एक्टिवा सवार को भी चोट आई है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है. एक्टिवा जब्त कर ली गई है. परिजनों की रिपोर्ट पर आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

केरल में बढ़ रहे ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले, सितंबर में 23 मामले दर्ज

तिरुवनंतपुरम: केरल में साइबर धोखाधड़ी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और राज्य के साइबर पुलिस थानों में एक सितंबर से अब तक 23 मामले दर्ज किए जा चुके हैं. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने रविवार को बताया कि एक से 13 सितंबर के बीच हुए इन मामलों में पीड़ितों को कुल मिलाकर 33 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है. सबसे बड़े नुकसान की घटना कोचि में सामने आई जहां दवा के कारोबार से जुड़े व्यवसायी के साथ 'कैपिटलिक्स' नामक एक फर्जी ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग मंच पर निवेश के नाम से 24.76 करोड़ रुपये की ठगी की गई. तिरुवनंतपुरम साइबर पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, कोचि का मामला सामने आने के बाद कई अन्य लोगों ने ऐसी ही शिकायतें पुलिस से कीं. पीड़ितों में दो डॉक्टर भी शामिल हैं. हमें आने वाले दिनों में ऐसी और शिकायतें मिलने की आशंका है. पुलिस के अनुसार, कोचि के व्यवसायी के अलावा इडुक्की के एक चिकित्सक के साथ भी इसी तरह से 1.63 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई वहीं वायनाड के एक निवासी को 1.03 करोड़ रुपये की चपत लगाई गई. अधिकारियों ने उन कई बैंक खातों पर रोक लगा दी है जिनमें यह पैसा स्थानांतरित किया गया था. पुलिस ने कहा, सभी घटनाओं को अंजाम देने का तरीका एक ही है कि लोगों को उच्च फायदे (रिटर्न) का वादा करके फुसलाया जाता है, उन्हें बढ़ा-चढ़ाकर मुनाफा दिखाने वाले फर्जी ट्रेडिंग ऐप तक पहुंच दी जाती है लेकिन वे अपना पैसा वापस प्राप्त नहीं कर पाते हैं. तिरुवनंतपुरम की साइबर पुलिस ने इस महीने छह मामले दर्ज किए. इसी तरह कासरगोड साइबर पुलिस ने भी इस महीने ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी के चार मामले दर्ज किए. पलक्कड़, वायनाड और अलप्पुझा के साइबर पुलिस थानों में दो-दो मामले दर्ज किए गए. पुलिस ने बताया कि इसके अतिरिक्त कोचि, तिरुवनंतपुरम ग्रामीण, इडुक्की, कोल्लम शहर, कोल्लम ग्रामीण, मलप्पुरम और त्रिशूर ग्रामीण के साइबर पुलिस थानों में भी मामले दर्ज किए गए हैं. पिछले हफ्ते केरल पुलिस ने जनता को बढ़ते ऑनलाइन निवेश घोटालों के बारे में आगाह किया था. उन्होंने कोई भी संदिग्ध निवेश विज्ञापन दिखाई देने या उसका शिकार होने वाले लोगों से साइबर हेल्पलाइन पर या राष्ट्रीय पोर्टल के माध्यम से तुरंत इसकी सूचना देने का आग्रह किया है. अधिकारियों ने कहा कि धनराशि की वसूली की सर्वोत्तम संभावना के लिए रिपोर्ट एक घंटे के भीतर की जानी चाहिए.

डोनाल्ड ट्रंप के यात्रा प्रतिबंधों के कारण अमेरिका नहीं आ सकेंगे विदेशी छात्र

न्यूयॉर्क: अफगानिस्तान में लड़कियों के कॉलेज जाने पर तालिबान की ओर से प्रतिबंध लगाए जाने के बाद बहारा सागरी नाम की युवती ने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अमेरिका जाने का फैसला किया. बहारा (21) ने कई वर्षों तक प्रतिदिन आठ घंटे तक अंग्रेजी का अभ्यास किया और आखिरकार उसे इलिनॉय के एक निजी लिबरल आर्ट्स कॉलेज में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई करने का प्रस्ताव मिला. बहारा इस साल अमेरिका पहुंचने की उम्मीद में थी लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यात्रा प्रतिबंध के कारण उनका सपना एक बार फिर पूरा नहीं हो पाया. बहारा ने कहा, आपको लगता है कि आखिरकार आप अपने सपने की ओर बढ़ रहे हैं लेकिन फिर कुछ ऐसा होता है कि जैसे सब कुछ खत्म हो गया हो. ट्रंप प्रशासन ने 19 देशों के नागरिकों पर यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं और इन प्रतिबंधों से हजारों विद्यार्थी प्रभावित हुए हैं, जिनमें से कई ऐसे भी हैं जो अमेरिका आने के लिए काफी समय और पैसा लगाने के बाद अब खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं. कुछ विदेशी छात्र इस साल कॉलेजों में प्रवेश के प्रस्ताव मिलने के बावजूद नहीं आ पा रहे हैं क्योंकि वीजा प्रक्रिया के दौरान अतिरिक्त जांच-पड़ताल होने के कारण वीजा मिलने में देरी हो रही है. प्रशासन द्वारा व्यापक आव्रजन कार्रवाई और कुछ विद्यार्थियों का 'लीगल स्टेट्स' अचानक समाप्त किये जाने के कारण अन्य छात्र अमेरिका आने को लेकर पुनर्विचार कर रहे हैं. यात्रा प्रतिबंधों का सबसे ज्यादा खामियाजा विद्यार्थियों को उठाना पड़ता है. पिछले साल विदेश विभाग ने मई से सितंबर के बीच यात्रा प्रतिबंधों से प्रभावित 19 देशों के लोगों को 5,700 से ज्यादा एफ-1 और जे-1 वीजा जारी किए थे. इनका इस्तेमाल विदेशी छात्र और शोधकर्ता करते हैं. स्वीकृत वीजा में से आधे से ज्यादा ईरान और म्यांमा के नागरिकों को जारी किए गए थे. अफ्रीका, एशिया, पश्चिमी एशिया और कैरिबियाई क्षेत्रों के 12 देशों के नागरिकों पर पूर्ण यात्रा प्रतिबंध लगाये गये हैं. इस प्रतिबंध के कारण अधिकांश लोगों को वीजा नहीं मिल पाता है. हालांकि प्रतिबंधित देशों के कुछ नागरिकों, जैसे ग्रीन कार्ड धारक, दोहरी नागरिकता वाले और कुछ एथलीटों को इससे छूट दी गई है. सात अन्य देशों में छात्र वीजा पर भी कड़े प्रतिबंध लागू हैं.

अमृतसर मंदिर ग्रेनेड हमला: एनआईए ने तीन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया

नई दिल्ली: राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पंजाब के अमृतसर में एक मंदिर पर हुए ग्रेनेड हमले के मामले में तीन लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों के अनुसार, एनआईए ने विशाल गिल, भगवंत सिंह और दीवान सिंह पर अमृतसर के छेहरटा स्थित ठाकुरद्वार सनातन मंदिर पर हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने के मामले में आरोपपत्र दायर किया है. शुक्रवार को मोहाली की एक विशेष अदालत में आरोपपत्र दायर किया गया. एजेंसी ने बताया कि गिल उन दो बाइक सवार हमलावरों में से एक था, जिन्होंने 15 मार्च को तड़के मंदिर में ग्रेनेड फेंका था. दूसरा हमलावर गुरसिदक सिंह हमले के दो दिन बाद पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था. आरोपपत्र के अनुसार, भट्टी ने हमले से पहले व बाद में हमलावरों को शरण, ग्रेनेड सुरक्षित रूप से छिपाने व रेकी के लिए मोटरसाइकिल और रसद सहायता प्रदान कर उनकी मदद की थी. जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि सन्नी पर सह-आरोपियों को पनाह देने और सबूत नष्ट करने में अहम भूमिका निभाने के लिए आरोपपत्र दायर किया गया.

वक्फ कानून संवैधानिक या असंवैधानिक?

सुप्रीम कोर्ट चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आज सुनाएगा अंतरिम आदेश

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट सोमवार 15 सितंबर को वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतरिम राहत के मुद्दे पर अपना फैसला सुनाएगा. भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ यह आदेश सुनाएगी. पीठ ने कानून के प्रावधानों पर रोक लगाने की याचिकाओं पर 22 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड की गई वाद सूची के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश सोमवार, 15 सितंबर को सुबह 10.30 बजे वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के संबंध में पंजीकृत मामले में आदेश सुनाएंगे. 22 मई को, सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के बाद तीन मुद्दों पर अपना अंतरिम आदेश सुरक्षित रखा था, जिसमें अदालतों द्वारा वक्फ, उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ या दस्तावेज

पीठ ने कानून के प्रावधानों पर रोक लगाने की याचिकाओं पर 22 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था.

द्वारा वक्फ' घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति शामिल थी. शीर्ष अदालत ने तीन दिनों तक इस मामले पर सुनवाई की, जिसमें केंद्र ने तर्क दिया कि संसद द्वारा विधिवत पारित कानून के क्रियान्वयन पर रोक लगाने के लिए मात्र कानूनी प्रस्ताव या काल्पनिक तर्क अपर्याप्त हैं.

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ के समक्ष दलील दी कि वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, लेकिन यह इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है. उन्होंने जोर देकर कहा कि वक्फ इस्लाम में सिर्फ दान के अलावा कुछ नहीं है. मेहता ने कहा कि दान को हर धर्म में मान्यता प्राप्त है और इसे किसी भी धर्म का अनिवार्य सिद्धांत नहीं माना जा सकता. मेहता ने तर्क दिया कि फैसले बताते हैं कि दान हर धर्म का हिस्सा है: हिंदुओं में दान की एक व्यवस्था है, सिखों में भी है और ईसाई धर्म में भी. केंद्र सरकार ने पहले आश्वासन दिया था कि किसी भी वक्फ संपत्ति को, जिसमें उपयोगकर्ता द्वारा स्थापित संपत्तियां भी शामिल हैं, गैर-अधिसूचित नहीं किया जाएगा. केंद्र सरकार ने यह भी कहा था कि 2025 अधिनियम के तहत केंद्रीय वक्फ परिषद या राज्य वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिमों की नियुक्ति नहीं की जाएगी.

केंद्र ने कहा था कि उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ करना मौलिक अधिकार नहीं है और इसे कानून द्वारा मान्यता प्राप्त है. फैसले में कहा गया है कि अगर अधिकार विधायी नीति के रूप में प्रदान किया जाता है, तो अधिकार को कभी भी छीना जा सकता है. वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 का बचाव करते हुए, केंद्र ने कहा कि वक्फ अपने स्वभाव से ही एक धर्मनिरपेक्ष अवधारणा है और इसके पक्ष में संवैधानिकता की धारणा को देखते हुए इसे रोका नहीं जा सकता. सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में केवल पांच याचिकाओं को ही मुख्य याचिका माना जाएगा, और अन्य रिट याचिकाओं को हस्तक्षेप आवेदन माना जाएगा. वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ 100 से अधिक याचिकाएं दायर की गई थीं.

हिंदी दिवस पर अमित शाह की अपील

सभी भारतीय भाषाओं का करें सम्मान

नई दिल्ली: केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं और सभी से सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करने और एक आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी व विकसित देश बनाने की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया. शाह ने कहा कि हिमालय की ऊंचाइयों से लेकर दक्षिण के विशाल समुद्र तटों तक, रेगिस्तान से लेकर बीहड़ जंगलों और गांव की चौपालों तक, भाषाओं ने हर परिस्थिति में मनुष्य को संगठित रहने और संवाद एवं अभिव्यक्ति के माध्यम से एकजुट होकर आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया है. उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उन्होंने हर वर्ग और समुदाय को अभिव्यक्ति का अवसर दिया है. उन्होंने हिंदी दिवस के अवसर पर एक संदेश में कहा,हमारा देश मूलतः एक भाषा-प्रधान देश है. हमारी भाषाएं सदियों संस्कृति, इतिहास, परंपराओं, ज्ञान, विज्ञान, दर्शन और अध्यात्म को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम रही हैं. हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए, गृह

मंत्री ने कहा कि उन्हें दृढ़ विश्वास है कि भाषाएं एक-दूसरे की साथी बनकर और एकता के सूत्र में बंधकर एकसाथ आगे बढ़ रही हैं. उन्होंने कहा, हिंदी दिवस के इस अवसर पर, आइए हम हिंदी समेत सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करें और एक आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और विकसित भारत की ओर आगे बढ़ें. गृह मंत्री ने कहा कि हिंदी के साथ-साथ, सभी भारतीय भाषाओं के कवियों, साहित्यकारों और नाटककारों ने लोक भाषाओं, लोककथाओं, लोकगीतों और लोकनाट्यों के माध्यम से हर आयु वर्ग, वर्ग और समुदाय में स्वतंत्रता के संकल्प को मजबूत किया. उन्होंने कहा, वंदे मातरम और जय हिंद जैसे नारे हमारी भाषाई चेतना से उभरे और स्वतंत्र भारत के गौरव के प्रतीक बन गए.

नॉर्थ कोरिया में विदेशी टीवी शोज देखने पर दी जा रही फांसी

तानाशाह किम जोंग के फरमान से मचा हाहाकार

नई दिल्ली: नॉर्थ कोरिया में विदेशी टीवी शोज और फिल्में देखने या लोगों तक पहुंचाने वालों को फांसी दी जा रही है. इसमें सबसे ज्यादा साउथ कोरियाई ड्रामे शामिल हैं, जिन्हें लोग गुपचुप तरीके से देखते हैं. संयुक्त राष्ट्र की नई मानवाधिकार रिपोर्ट ने बताया कि सरकार ने हाल के वर्षों में निजी स्वतंत्रताओं पर जबरदस्त रोक लगाई है. यह रिपोर्ट 14 पन्नों की है इसमें 300 से ज्यादा ऐसे गवाहों और पीड़ितों से बातचीत की गई है जो उत्तर कोरिया से भागकर बाहर निकले. इसमें साफ कहा गया है कि निगरानी सिस्टम अब और भी सख्त हो गया है, नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा

रहा है और सजाएं पहले से कहीं ज्यादा कठोर हो चुकी हैं. संयुक्त राष्ट्र ने इसे दुनिया का सबसे प्रतिबंधित देश बताया है. रिपोर्ट के अनुसार, 2015 के बाद से वहां के नागरिकों की जिंदगी के हर हिस्से पर नियंत्रण बढ़ा दिया गया है. णछ के नॉर्थ कोरिया मानवाधिकार कार्यालय के प्रमुख जेम्स हीनन ने बताया कि कोविड-19 के समय से सामान्य अपराध और राजनीतिक अपराध दोनों के लिए फांसी की सजाओं की संख्या बढ़ गई है. कई लोगों को सिर्फ विदेशी टीवी सीरीज खासकर कोरियाई ड्रामे बांटने के लिए मौत की सजा दी गई है. इस रिपोर्ट में कहा गया है कि बच्चों तक को जबरन मजदूरी में झोंक दिया जाता है. इन्हें शॉक ब्रिगेड नाम के समूहों में खदानों और निर्माण कार्य जैसे खतरनाक कामों में लगाया जाता है. ये ज्यादातर गरीब परिवार के बच्चे होते हैं क्योंकि अमीर रिश्वत देकर अपने बच्चों को बचा लेते हैं. उत्तर कोरिया ने संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है और कहा है कि वह इस तरह के आरोपों को मान्यता नहीं देते.

जयपुर में बड़ा हादसा : हरिद्वार से लौटते समय नाले में गिरी कार, 7 लोगों की मौत

चाकसू(जयपुर) : राजधानी जयपुर में शिवदासपुरा थाना इलाके में बड़ा हादसा हो गया है. प्रहलादपुरा के पास रिंग रोड से नीचे नाले में कार गिर गई. हादसे में कार सवार 7 लोगों की मौके पर

ही दर्दनाक मौत हो गई. कार में सवार सभी लोग हरिद्वार से लौट रहे थे. शनिवार देर रात का घटनाक्रम बताया जा रहा. रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे एक युवक ने नाले के पानी में कार डूबी देख पुलिस को सूचना दी.

जानकारी के अनुसार, हादसे में मारे गए सभी लोग हरिद्वार में अस्थियां विसर्जन करके घर लौट रहे थे, इस दौरान यहां यह दर्दनाक हादसा घटित हो गया. चाकसू एसीपी सुरेन्द्र सिंह व शिवदासपुरा थानाधिकारी सुरेंद्र कुमार सैनी ने बताया कि मृतकों में 3 पुरुष, दो महिलाएं और 2 बच्चे शामिल हैं. मृतकों में रामराज वैष्णव, पत्नी मधु और बेटा रूद्र तथा रिश्तेदार कालूराम, उसकी पत्नी सीमा व बेटा रोहित व गजराज नाम के लोग शामिल हैं. मृतक फुलियावास केकड़ी और जयपुर के वाटिका के निवासी बताए जा रहें हैं.

सूचना पर डीसीपी साउथ राजर्षि राज वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे. कार को नाले से बाहर निकालकर मृतकों के शवों को मोर्चरी में रखवाया गया है. मृतकों के परिजनों को सूचना दी गई. प्राथमिक जांच में सामने आया है कि रिंग रोड से नीचे अंडरपास में भारी जलभराव होने के कारण कार नाले में पलट गई.

मादक पदार्थ तस्करों से संबंध रखने के आरोप में 11 पुलिसकर्मी निलंबित

बेंगलुरुः मादक पदार्थ तस्करों के साथ कथित सांठगांठ के लिए चामराजपेट निरीक्षक टी. मंजन्ना सहित 11 पुलिसकर्मियों को विभागीय जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया है. सूत्रों के अनुसार निलंबित किये गए पुलिसकर्मियों में हेड कांस्टेबल रमेश, कांस्टेबल शिवराज, मधुसूदन, प्रसन्ना, शंकर बेलागली, आनंद और जग जीवनराम नगर पुलिसकर्मी बसवनगुड़ी गौड़ा, कुमार और आनंद शामिल हैं. सूत्रों के अनुसार, इस रैकेट का पर्दाफाश 22 अगस्त को हुआ था, जब राजराजेश्वरी नगर पुलिस ने छह तस्करों को छात्रों समेत ग्राहकों को प्रतिबंधित नशीली गोलियां बेचते हुए पकड़ा था. सूत्रों के अनुसार लगभग 1,000 गोलियां जब्त की गई थीं. सूत्रों के अनुसार, जांच से पता चला कि आरोपी पुलिसकर्मी तस्करों के साथ नियमित संपर्क में थे, कथित तौर पर हर महीने राशि वसूलते थे.

धूम्रपान से हर साल 13.5 लाख भारतीयों की मौत

नई दिल्लीः तंबाकू से हर साल 13.5 लाख भारतीयों की मौत होती है लेकिन व्यापक जागरूकता के बावजूद धूम्रपान छोड़ने की दर बहुत कम है. भारत में तंबाकू से संबंधित बीमारियों पर सालाना 1.77 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च पर स्वास्थ्य सेवा विशेषज्ञों ने धूम्रपान-मुक्त निकोटीन विकल्पों के उपयोग सहित नयी व विज्ञान-समर्थित हानि न्यूनीकरण रणनीतियों की आवश्यकता पर बल दिया. दिल्ली के बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में पल्मोनरी मेडिसिन के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. पवन गुप्ता ने बताया कि 'क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज' (सीओपीडी) या हृदय संबंधी जोखिम वाले रोगियों के लिए सिगरेट से परहेज करना महत्वपूर्ण है.

गुप्ता ने कहा, रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन (ब्रिटेन) की समीक्षा सहित वैज्ञानिक समीक्षाएं दर्शाती हैं कि निकोटीन युक्त गोलियां या फिर तंबाकू को जलाए बिना निकोटीन प्रदान करने वाले विकल्पों में धूम्रपान की तुलना में काफी कम जोखिम होता है. इस प्रमाण को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड नामक संस्था ने अनुमान लगाया

विशेषज्ञों ने दी निकोटीन के विकल्पों के प्रयोग की सलाह

कि धुआं-मुक्त निकोटीन विकल्प धूम्रपान की तुलना में 95 प्रतिशत तक कम हानिकारक हैं.

विश्व स्तर पर निकोटीन पाउच सिगरेट के विकल्प के रूप में लोकप्रिय हो रहे हैं. ये उत्पाद अब स्वीडन, नॉर्वे, अमेरिका और डेनमार्क सहित 34 देशों में उपलब्ध हैं. एम्स-सीएपीएफआईएमएस केंद्र के फिजियोलॉजी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सुनैना सोनी ने कहा, भारत में धूम्रपान छोड़ने के पारंपरिक तरीकों को अक्सर सीमित सफलता मिलती है. सुरक्षित, तंबाकू-मुक्त निकोटीन विकल्प को अगर सख्ती से नियंत्रित किया जाए तो धूम्रपान करने वालों को सिगरेट छोड़ने में मदद मिल सकती है. उन्होंने कहा, न धुआं, न टार, न जलाना, यही सबसे बड़ा अंतर है. विज्ञान कहता है और अब समय आ गया है कि हम सुरक्षित निकोटीन पर विचार करें. सोनी ने बताया कि निकोटीन पाउच जोखिम-मुक्त नहीं हैं लेकिन जब इन्हें धूम्रपान के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, तो ये विश्व स्वास्थ्य संगठन के एनसीडी वैश्विक लक्ष्य के तहत 2025 तक तंबाकू के उपयोग को 30 प्रतिशत तक कम करने के भारत के घोषित लक्ष्य की ओर बढ़ने में एक सार्थक भूमिका निभा सकते हैं. भारत में तंबाकू के इस्तेमाल की दर बहुत ज्यादा है और हर दस में से एक भारतीय की तंबाकू से जुड़ी बीमारियों के कारण असमय मौत हो जाती है. रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, भारत में धूम्रपान छोड़ने की दर कम बनी हुई है और केवल लगभग सात प्रतिशत धूम्रपान करने वाले ही बिना किसी सहायता के सफलतापूर्वक धूम्रपान छोड़ पाते हैं.

सीबीआई ने नासिक में दो फर्जी कॉल सेंटर का किया भंडाफोड़, दो आरोपित गिरफ्तार

नासिकः केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने नासिक में दो फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए साइबर ठगी के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है. सीबीआई की गिरफ्त में आए आरोपितों की पहचान गणेश और श्याम कमांकर के रूप में हुई है. दोनों को 13 सितंबर को विशेष सीबीआई अदालत, ठाणे में पेश किया गया, जहां से उन्हें 15 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया. प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों ने एम/एस स्वगन बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से ये कॉल सेंटर संचालित किए थे. यहां से ब्रिटेन के नागरिकों को बीमा एजेंट और सरकारी अधिकारी बनकर फोन किया जाता था और उन्हें फर्जी बीमा पॉलिसी के नाम पर ठगा जाता था.

प्रवक्ता के अनुसार, इन कॉल सेंटरों में करीब 60 लोग काम कर रहे थे. वे वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल (वीओआईपी), स्पूफ्ड नंबर (वह फोन नंबर जो कॉल करने वाले व्यक्ति की असली पहचान छुपाने के लिए कॉलर आईडी पर बदल दिया गया हो) और नकली दस्तावेज़ों का इस्तेमाल कर पीड़ितों से क्रेडिट/डेबिट कार्ड की जानकारी हासिल करते और पैसे वसूलते थे. सीबीआई ने 11 सितंबर को चार लोगों और अज्ञात सार्वजनिक सेवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया था. इसके बाद नासिक और कल्याण (ठाणे) में तलाशी के दौरान डिजिटल सबूत, पीड़ितों का डेटा, फर्जी बीमा स्क्रिप्ट, आठ मोबाइल फोन, आठ कंप्यूटर और पांच लाख रुपये नकद बरामद किए गए थे. अपराध से हुई कमाई पेपाल और बैंक खातों के जरिए घुमाई जाती थी. सीबीआई की ओर से इस पूरे मामले की जांच जारी है.

निर्वाचन आयोग को राहुल गांधी के आरोपों की जांच का आदेश देना चाहिए था : कुरैशी

नई दिल्लीः पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एस. वाई. कुरैशी ने ''वोट चोरी'' के आरोपों पर निर्वाचन आयोग की प्रतिक्रिया को लेकर रविवार को उस पर निशाना साधा और कहा कि आयोग को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लिए आपत्तिजनक और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने की बजाय उनके आरोपों की जांच का आदेश देना चाहिए था. कुरैशी ने एक साक्षात्कार में कहा कि आरोप लगाते समय गांधी की ओर से इस्तेमाल किए गए अधिकांश शब्द, जैसे कि एक हाइड्रोजन बम आदि राजनीतिक बयानबाजी थी. कुरैशी ने इस बात पर जोर दिया कि गांधी ने जो शिकायतें रखीं, उनकी विस्तार से जांच की जानी चाहिए. पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुरैशी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तरीके को लेकर आयोग की आलोचना की और कहा कि यह न केवल 'भानुमति का पिटारा खोलना' है, बल्कि निर्वाचन आयोग ने 'मधुमक्खी के छत्ते' में हाथ डाल दिया है, जिससे उसे नुकसान होगा. उन्होंने जगरनॉट बुक्स द्वारा प्रकाशित अपनी नयी पुस्तक 'डेमोक्रेसीज हार्टलैंड' के विमोचन से पहले कहा, आपको पता है कि मैं जब भी निर्वाचन आयोग की कोई आलोचना सुनता हूं तो मैं न केवल भारत के नागरिक के रूप में बहुत चिंतित और आहत महसूस करता हूं, बल्कि ऐसा इसलिए भी महसूस करता हूं क्योंकि मैं स्वयं मुख्य निर्वाचन आयुक्त रह चुका हूं और मैंने भी उस संस्था में थोड़ा योगदान दिया है.

साल 2010 से 2012 के बीच मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) रहे कुरैशी ने कहा, जब मैं देखता हूं कि उस संस्था पर हमला हो रहा है या उसे किसी भी तरह से कमजोर किया जा रहा है, तो मुझे चिंता होती है. निर्वाचन आयोग को भी आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और चिंतित होना चाहिए. यह उन पर निर्भर है कि वे उन सभी ताकतों और दबावों का सामना करें जो उनके फैसलों को प्रभावित कर रहे हैं. उन्होंने कहा, उन्हें लोगों का विश्वास जीतना होगा - आपको विपक्षी दलों का विश्वास जीतने की जरूरत है. मैंने हमेशा विपक्षी दलों को प्राथमिकता दी है क्योंकि वे कमजोर होते हैं. कुरैशी ने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी को विपक्ष की तरह विशेष देखभाल की जरूरत नहीं होती क्योंकि वह सत्ता में होती है जबकि विपक्ष सत्ता में नहीं होता. उन्होंने कहा, इसलिए (जब मैं मुख्य निर्वाचन आयुक्त था) मेरे स्टाफ को आम तौर पर निर्देश होता था कि यदि वे (विपक्षी दल) मिलने का समय चाहते हैं, तो दरवाजे खुले रखें और उन्हें तुरंत समय दें, उनकी बात सुनें,

उनसे बात करें, यदि वे कोई छोटी-मोटी मदद चाहते हैं, तो उनकी करें, बशर्ते कि इससे किसी और को नुकसान न हो. उन्होंने कहा कि अब विपक्ष को बार-बार उच्चतम न्यायालय जाना पड़ता है और वास्तव में 23 दलों को कहना पड़ा है कि उन्हें मुलाकात का समय नहीं मिल रहा और कोई उनकी बात नहीं सुन रहा.

कुरैशी ने कहा कि आयोग को गांधी को शपथपत्र दाखिल करने के लिए कहने के बजाय उनके आरोपों की जांच करवानी चाहिए थी. कुरैशी ने कहा, राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं, इसलिए निर्वाचन आयोग को उनके लिए उस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए था जैसा उसने किया. मुझे लगता है कि यह वह निर्वाचन आयोग नहीं है, जिसे हम जानते हैं. आखिरकार, वह नेता प्रतिपक्ष हैं, वह कोई आम आदमी नहीं हैं. वह लाखों लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वह लाखों लोगों की राय व्यक्त कर रहे हैं और उनसे यह कहना कि, शपथपत्र दीजिए, वरना हम यह करेंगे, वह करेंगे', उसका (आयोग का) व्यवहार आपत्तिजनक व अपमानजनक, दोनों है. उन्होंने कहा, मैंने अक्सर कहा है कि मान लीजिए कि वे (विपक्ष) पलटकर कहते हैं कि ठीक है, आप एक नयी मतदाता सूची पेश कर रहे हैं, एक शपथपत्र दीजिए कि इसमें कोई गलती नहीं है. और अगर कोई गलती हुई तो आप पर आपराधिक मुकदमा चलाया जाएगा. क्या आप ऐसी स्थिति के बारे में सोच सकते हैं? कुरैशी ने कहा कि आयोग को आरोपों की जांच का आदेश देना चाहिए था. उन्होंने कहा कि सिर्फ नेता प्रतिपक्ष ही नहीं, बल्कि अगर किसी ने भी शिकायत की है तो सामान्य प्रक्रिया यह है कि तुरंत जांच का आदेश दिया जाए.

उन्होंने कहा, हमें (निर्वाचन आयोग को) न केवल निष्पक्ष होना चाहिए, बल्कि निष्पक्ष दिखना भी चाहिए. जांच से तथ्य सामने आते हैं. इसलिए, आयोग ने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी, उसके बजाय जांच कराना सही रहता और उन्होंने एक अवसर गंवा दिया. कुरैशी की यह टिप्पणी ऐसे समय आयी है जब मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पिछले महीने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि गांधी को मतदाता सूची में अनियमितताओं के अपने आरोपों के बारे में सात दिन में शपथपत्र दाखिल करना चाहिए, अन्यथा उनके 'वोट चोरी' के दावे निराधार और अमान्य हो जाएंगे. गांधी ने इससे पहले एक संवाददाता सम्मेलन में एक प्रस्तुति के जरिए 2024 के लोकसभा चुनाव के आंकड़े का हवाला देते हुए दावा किया था कि कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में पांच तरह की हेराफेरी करके एक लाख से अधिक वोट 'चुराए' गए. उन्होंने अन्य राज्यों में भी इसी तरह की अनियमितताओं का आरोप लगाया. गांधी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' भी निकाली, जिसमें उन्होंने ''वोट चोरी'' के लिए भाजपा और आयोग के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया.

गांधी के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि वह जल्द ही 'वोट चोरी' पर खुलासे का 'हाइड्रोजन बम' लेकर आएंगे, कुरैशी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया है और इसमें से अधिकांश राजनीतिक बयानबाजी है जिसे इसी रूप में लिया जाना चाहिए. उन्होंने कहा, लेकिन साथ ही, यदि कोई गंभीर मुद्दा है, गंभीर शिकायतें हैं जो वह उठा रहे हैं, तो उन मुद्दों-शिकायतों की न केवल विपक्ष के नेता की संतुष्टि के लिए बल्कि पूरे देश की संतुष्टि के लिए विस्तार से जांच की जानी चाहिए. यह पूछे जाने पर कि क्या चुनावी प्रक्रिया पर लोगों का भरोसा डगमगा गया है तो कुरैशी ने हां में जवाब दिया. मतदाता सूची में शामिल होने के लिए उपलब्ध कराए जा सकने वाले दस्तावेजों की सूची से मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) को बाहर रखने के पीछे के तर्क पर सवाल उठाते हुए कुरैशी ने कहा कि ईपीआईसी स्वयं निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किया जाता है और इसे मान्यता नहीं देने के बहुत गंभीर प्रभाव होंगे.

श्रीकृष्ण की प्रतिमूर्ति हैं श्रीमद्भागवत कथा : श्रीकांत शर्मा 'बालव्यास'

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: श्रीमद्भागवत कथा बालकृष्ण भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमूर्ति है तो रामायण भगवान राम की प्रतिमूर्ति है. श्रीमद्भागवत कथा साक्षात् श्रीकृष्ण का स्वरूप है. इसमें हम भगवान श्रीकृष्ण का अनुभव कर सकते हैं. जब हमारे कई जन्मों का पुण्य एकत्र होता है और श्रीकृष्ण कृपा करते हैं तब हमें श्रीमद्भागवत कथा सुनने का सौभाग्य मिलता है. श्रीमद्भागवत कथा जीवन जीने की कला सिखाती हैं. मृत्यु जीवन को रूला रही हो तो श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कीजिए, मृत्यु रूलाएंगी नहीं, महोत्सव बना देगी. राजा परीक्षित जब शुकदेव मुनि से श्रीमद्भागवत का श्रवण किया तो वे मृत्यु को महोत्सव मान लिया. श्रीकृष्ण की यह कथा मनुष्य को आनंद देती है और उसके समस्त कामनाओं को पूरा करती है. भजन-भक्ति के माध्यम से संत हृदय में भगवान को स्थापित करते हैं. वृंदावन में जब भक्ति के बेटे ज्ञान और वैराग्य बूढ़े हो गए तो भक्ति नारदजी से अपनी पीड़ा बताई. भक्ति की पीड़ा को मुक्त करने के लिए नारद जी वेद, उपनिषद आदि कथा सुनाएं पर ज्ञान और वैराग्य वैसे ही बूढ़े रहे. जब नारद के आग्रह पर सनतकुमार ने श्रीमद्भागवत कथा सुनाएं तब ज्ञान और वैराग्य जवान हो गए,भक्ति में वृद्धि हुई. भक्ति प्रसन्न होकर बोली, मैं कहां रहूं? सनतकुमार ने कहा कि सबके हृदय में निवास करो जो भगवान के नाम को स्मरण करता हो. जीवन में प्रभु की कृपा चाहिए तो भगवान के नाम का जाप बढ़ाएं. ईश्वर की इच्छा में अपनी इच्छा को जोड़ दीजिए तब जीवन में आनंद ही आनंद का अनुभव कीजिए. ईश्वर और संत किसी को दुख नहीं देते अपितु सब पर कृपा करते हैं. दीपक की तरह संत जलकर जगत में रोशनी फैलाता है. संत का फल है सत्संग. आत्मदेव को जब संतान नहीं हुआ तो एक संत ने उन्हें फल दिया कि इसे अपनी पत्नी को खिला दो पर वह खाई नहीं गाय को खिला दी. गाय से गोकर्ण का का जन्म हुआ. गोकर्ण ने जब अपने भाई धुंधकारी को श्रीमद्भागवत सुनाएं तो वह प्रेत योनि से मुक्त हुआ. श्रीमद्भागवत कथा श्रवण करने से ज्ञान, भक्ति, वैराग्य और मोक्ष की सहज प्राप्ति है. ये बातें राजस्थान गौ कल्याण ट्रस्ट के तत्वावधान में श्रीमद्भागवत कथा पर प्रवचन करते हुए आचार्य श्रीकांत शर्मा ' बाल व्यास' ने गणपति राजेश सभागार में कहीं. उन्होंने कहा कि गाय माता की सेवा करता है उस गोविन्द की कृपा बरसती है . मालूम हो कि यह श्रीमद्भागवत कथा सुरभि सदन गौशाला के निर्माण, विकास और संचालन हेतु आयोजित की गई है. कथा को सफल बनाने में चम्पालाल सरावगी, बृजमोहन गाड़ोदिया, प्रेमचंद ढांढनिया, कृष्ण कुमार छापड़िया, राजेन्द्र प्रसाद बुबना, बालकिसन नेवटिया, अरुण केडिया, राहुल दीवान, प्रकाश केडिया, रामस्वरूप गोयनका, विनय मस्करा, अजय पोद्दार सहित अन्य सदस्य सक्रिय है. इस अवसर मनोहर दीवान, रूचिका गुप्ता, शकुंतला दीवान, महावीर सांवरिया, घनश्याम गुप्ता, रतनलाल अग्रवाल, बनवारीलाल चौधरी, रामस्वरूप अग्रवाल, रामकथावाचक पुरूषोत्तम तिवारी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे. कार्यक्रम का संचालन संजय मस्करा ने किया.

पश्चिम बंगाल मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का भव्य समापन

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: पश्चिम बंगाल मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का रविवार को गोकुल बैंक्विट में भव्य समापन हुआ. इस दिव्य आयोजन में श्रद्धेय भगवताचार्य श्री गोपाल शास्त्री जी ने अपने मुखारविंद से कथा का ऐसा अनुपम रसपान कराया कि सभी श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे. आज, सप्तम और अंतिम दिवस की कथा अत्यंत प्रेरणादायी और मार्मिक रही. गुरुजी ने स्यमंतक मणि की अद्भुत कथा का विस्तार से वर्णन किया. उन्होंने बताया कि किस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण पर मणि चोरी का झूठा कलंक लगा, जिसके निवारण हेतु उनका जामवंत से 27 दिनों तक भीषण युद्ध हुआ. अंत में जामवंत ने भगवान के चरणों में नतमस्तक होकर उन्हें मणि समर्पित की और अपनी पुत्री जामवंती का विवाह भी उनसे करवाया. इसके बाद श्रीकृष्ण ने वह मणि सत्राजित को लौटा दी और उनकी पुत्री सत्यभामा से विवाह किया. कथा में गणेश चतुर्थी पर चंद्र दर्शन वर्जित होने, श्रीकृष्ण के सोलह हजार विवाह और मुर दैत्य का वध कर मुरारी कहलाने के प्रसंगों का भी मनोहारी वर्णन किया गया. गुरुजी ने समझाया कि संसार में हर व्यक्ति को अपने कर्मों का फल भोगना ही पड़ता है, और पूजा-पाठ से केवल मन को शांति मिलती है, कर्म का परिणाम नहीं टलता. उन्होंने गृहस्थ धर्म का आदर्श प्रस्तुत करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण अपनी सभी पटरानियों के साथ एक ही समय में अलग-अलग रूप में विद्यमान रहते थे. कथा में जरासंध युद्ध, राजसूय यज्ञ, बलराम जी की तीर्थयात्रा और सुदामा चरित्र जैसे मार्मिक प्रसंगों ने श्रोताओं को भक्ति से सराबोर कर दिया. गुरुजी ने बताया कि श्रेष्ठ भक्त वही है जो हर जीव और वस्तु में भगवान को देखता है, क्योंकि भगवान एक हैं और सबमें समाहित हैं. कथा के समापन पर सुखदेव जी द्वारा राजा परीक्षित को दिए गए शिरोदेश और उनके परमधाम गमन का वर्णन भी किया गया.

सेवा कार्य : भागवत कथा के सातों दिन सात भिन्न-भिन्न सेवा कार्य सभी शाखाओं द्वारा किए गए.इस आयोजन में कथा के षष्ठम दिन शाखाओं ने कन्या विवाह करवाया. प्रांतीय अध्यक्ष बिनीता जी ने एक जरूरतमंद कन्या के विवाह में सहयोग के रूप में 50 हजार रुपए नगद और लगभग 30 हजार रुपए का सामान दिया और आसनसोल शाखा ने प्रांत द्वारा किए गए कन्या विवाह में दो सिलाई मशीन भेजी. जिन शाखाओं ने आज ये सेवा की है उनके नाम इस प्रकार है : **कलकत्ता शाखा :** कन्या विवाह के सेवा कार्य में एक कन्या की सगाई करवाई गई और उसका विवाह नवंबर में करवाया जाएगा खर्च-18 लाख. **उत्तर कोलकाता शाखा :** 3 कन्या के विवाह में शाखा सदस्यों द्वारा वस्त्रो, सामान सहित 1100/ नगद सहयोग दिया गया. खर्च- 17100/- लाभांवित 3 कन्या. **दुर्गापुर विधाननगर शाखा :** जरूरतमंद कन्या के विवाह हेतु 35000/ का सहयोग. **नागर बाज़ार शाखा :** शाखा ने तीन जरूरतमंद कन्याओं के विवाह में सामान देकर सहयोग किया. **बांधवांन शाखा :** एक जरूरतमंद की बेटी की शादी में 20, 000/ की लागत लगाकर जरूरत का सभी सामान दिया गया. **बेन्नाचिट्टी शाखा :** शाखा द्वारा मंदिर के पंडित की बेटी की शादी में 10,000 का सहयोग दिया. षष्टम दिवस के कन्या विवाह हेतु शाखाओं द्वारा सात कन्याओं के विवाह में सहयोग दिया गया. कथा के अंतिम दिन सप्तम दिवस में नारायण सेवा की गई. जिन शाखाओं ने आज ये सेवा की है उनके नाम इस प्रकार है- **कलकत्ता शाखा :** श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ का सप्तम दिन के सेवा कार्य में 620 लोगों को वृद्धा आश्रम,अन्नपूर्णा की रसोई, और एक अनाथ आश्रम में अनाज दिया. **उत्तर कोलकाता शाखा :** शाखा ने 6 अलग-अलग जगहों में जाकर 1110 राहगीरों के बीच खिचड़ी, रोटी ऑन व्हील्स द्वारा रोटी सब्ज़ी, मंदिर के बाहर राहगीरों को नाश्ता, कथा स्थल के 123 पंडितों गंजी,फल और नाश्ता वितरण किया. **वी आई पी शाखा :** अध्या पीठ स्कूल की 100 लड़कियों को सुबह का नाश्ता करवाया. **दक्षिण कोलकाता शाखा :** पोर्ट एरिया में रोटी ऑन व्हील्स द्वारा 300 लोगों को रोटी सब्ज़ी खिलाने की सेवा दी और साथ ही साथ वृद्धाश्रम जाकर एक जरूरतमंद को हियरिंग ऐड दिया. **नागर बाज़ार शाखा :** प्रणामी सेवा आश्रम में 30 लोगों को भोजन करवाया, कथा स्थल में 123 पंडितों को मिठाई के डब्बे वितरण किया. **विधाननगर शाखा :** वृद्धाश्रम जाकर वाहन के 40 सदस्यों बुजुर्गों के साथ समय बिताते हुए उन्हें खाना खिलाया. **बेन्नाचिट्टी शाखा :** वृद्धाश्रम जाकर 25 बुजुर्गों को सुबह का नाश्ता करवाया, हैप्पी होम आश्रम में 40 विकलांग बच्चों को नाश्ता वितरण किया और उनकी सुविधा के लिए वहाँ पंखा भी लगवाया. **बांधवान शाखा :** शनि मंदिर के बाहर 300 लोगों में खिचड़ी और पीने के लिए पानी वितरण किया. **मिडटाउन शाखा :** मंदिर के बाहर 1600 से आते- जाते राहगीरों को खिचड़ी और खीर वितरण किया. सप्तम दिवस में नारायण सेवा हेतु बंगाल प्रांत की सभी शाखाओं द्वारा 4,411 की सेवा दी गई. इस सात दिवसीय आयोजन को सफल बनाने में पश्चिम बंगाल मारवाड़ी महिला सम्मेलन की अध्यक्ष विनीता जी, सचिव कंचन ड्रोलिया, और कोषाध्यक्ष नीलू अग्रवाल सहित पूरी टीम ने बहुत ही सुंदर और सुचारू रूप से कार्यभार संभाला. सभी यजमानों, सह-यजमानों और सहयोगियों को विनीता जी ने धन्यवाद दिया. अंतिम दिन, भव्य महाआरती और भजनों के साथ कथा का समापन हुआ. इसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें स्वादिष्ट व्यंजनों का प्रबंध था. सभी कथा के पंडितों को दक्षिणा देकर विदा किया गया. गुरुवर श्री गोपाल शास्त्री जी के श्रीमुख से ऐसी अद्भुत कथा सुनकर सभी श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए.

पोती अक्षा के जन्मदिन के मौके पर प्रकाश पारख की मानवीय पहल

प्रेम मिलन, कोलकाता में 74 लोगों का मोतियाबिंद ऑपरेशन

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: रविवार को बड़ाबाजार स्थित प्रेम मिलन कोलकाता में 74 लोगों का एसआईसीएस प्रणाली से निःशुल्क चक्षु ऑपरेशन किया गया. आज के मोतियाबिंद ऑपरेशन प्रकाश पारख चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा करवाया गया. प्रकाश पारख की पोती अक्षा के जन्मदिन के मौके पर निःशुल्क चक्षु ऑपरेशन आयोजित किया गया. इस मौके पर 47 रोगी हरिपाल से, 17 गंगानगर से और 10 रोगी कोलकाता शहर के आसपास के इलाके से आए थे. सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई. इसके बाद सभी अतिथियों को दुपट्टा पहना कर सम्मानित किया गया. डॉ. रेनू सिंह ने इस मौके पर ऑपरेशन के महत्व बताते हुए प्रेम मिलन की सेवाओं की चर्चा की. उन्होंने बताया कि अब तक 40000 ऑपरेशन पूरे हुए हैं. इस मौके पर अक्षा के जन्मदिन का केक भी काटा गया और रोगियों के बीच बांटा गया. इस मौके पर प्रकाश पारख पूरे परिवार के साथ उपस्थित थे. मंच पर उपस्थित लोगों में चंद्रकांत सराफ, प्रकाश पारख, सरिता पारख, रोहित पारख, मोहित पारख, पूर्व एमएलए मोहम्मद सुकियान उपस्थित थे. आज के ऑपरेशन डॉक्टर शुभ्रो घोषाल और सुप्रतिम विश्वास द्वारा किया गया. इसमें डॉक्टर रेनू सिंह और प्रसेनजीत सेन का सहयोग रहा. प्रकाश पारख ने कहा कि आर्थिक रूप से पिछड़े भाई-बहनों के लिए जो कुछ करना संभव हो, हम करेंगे, पर यह सिलसिला आगे भी चलता रहे, इस पर ध्यान देना जरूरी है. मोहित पारख ने कहा कि यहां आकर लगता है कि सेवा करने का सुख क्या होता है. उन्होंने कहा कि चंद्रकांत जी से सेवा भाव सीखना बहुत प्रेरक है. रोहित पारख ने कहा कि जिन लोगों का चक्षु आपरेशन हुआ है, वे जल्द ही देखने के काबिल बनें, यही कामना है. पूर्व विधायक मोहम्मद सुकियान ने कहा कि उनकी भी एक पोती है और यह कामना है कि वह भी एक डॉक्टर बनकर इसी तरह लोगों की सेवा करे. उन्होंने चंद्रकांत जी और उनकी टीम के कार्यों की सराहना की. सरिता पारख ने कहा कि इस तरह के सेवा कार्य में परिवार लगा है, यह देखकर बहुत खुशी होती है. उन्होंने कहा कि पोती अक्षा के जन्म दिन पर यह आयोजन बहुत सुकून देता है. आज का कार्यक्रम सफल बनाने में मनोज जायसवाल, दिलीप सराफ, रामविलास अग्रवाल, नीतीश चौधरी, आकाश सिंह का सहयोग रहा. धन्यवाद ज्ञापन समरेश दे ने किया.

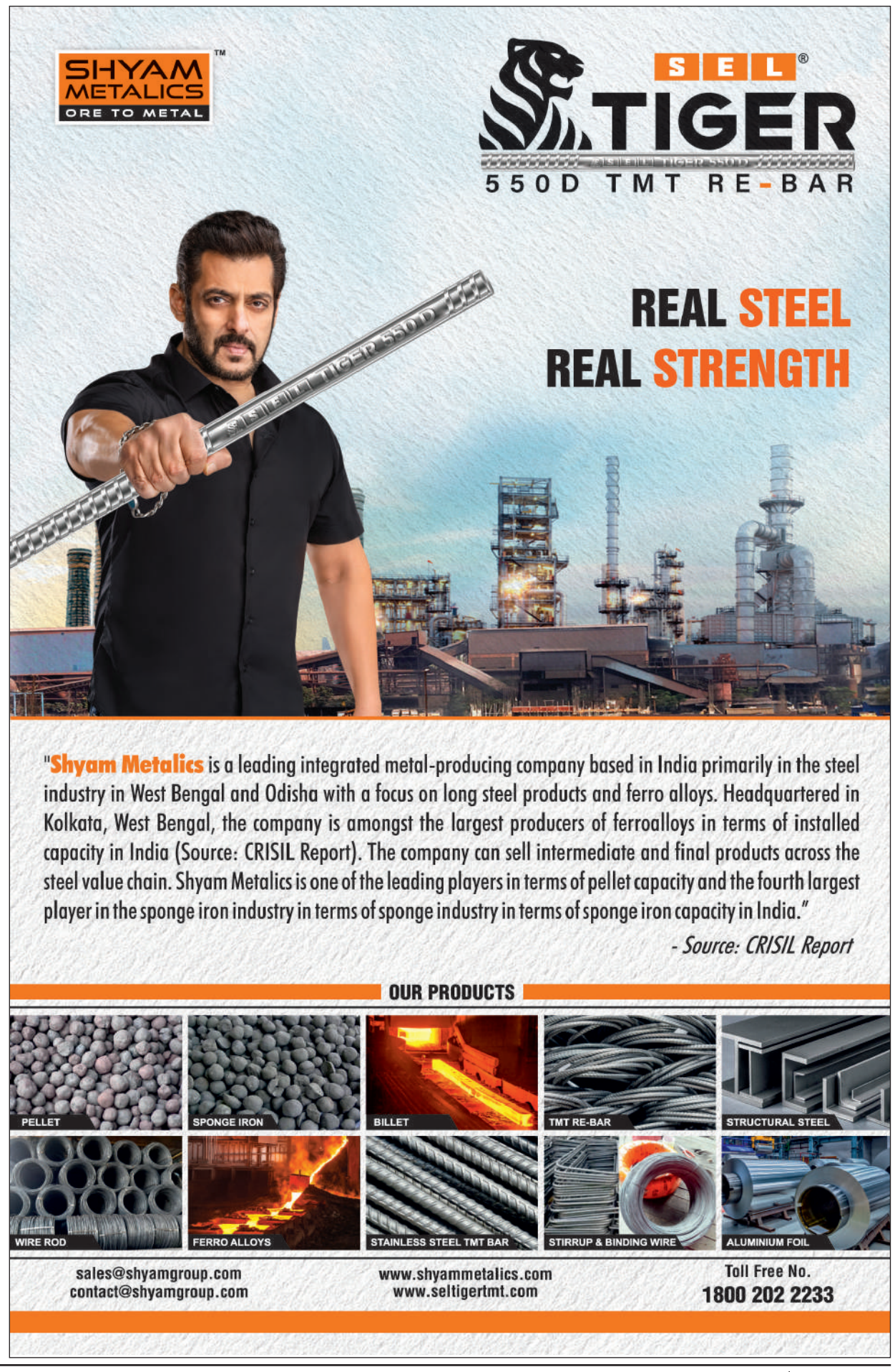

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन